www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ... | पत्र नहीं; मित्र | संपर्क : deshbandhubpl1@yahoo.co.in

देशबन्धु

वर्ष – 34 I अंक – 334 I भोपाल, सोमवार, 4 दिसम्बर 2023 I पृष्ठ–8 I मूल्य – 3.00 रुपए

गुना-चांचौड़ा से भाजपा तो बमोरी राघौगढ़ से कांग्रेस जीती पृष्ठ 2

- उत्तर भारत में भाजपा नहीं जीती कांग्रेस हारी
- इतनी नफ़रत इतना ज़हर? पृष्ठ 4

- बैतूल जिले में कांग्रेस साफ, पांचों सीटों पर भाजपा का कब्जा पृष्ठ 6

भाजपा की प्रचंड जीत पर भाजपा कार्यालय में मना जश्न, मिठाई बांटी पृष्ठ 8

4 राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित

भाजपा ने मप्र, राजस्थान, छत्तीसगढ़ में साबित की अपनी लोकप्रियता

- कांग्रेस के हाथ से निकले राजस्थान, छत्तीसगढ़
- तेलंगाना में पहली बार मिली जीत

नई दिल्ली, देशबन्धु। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को जोरदार प्रदर्शन करते हुए हिन्दी भाषी तीन राज्यों मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में बड़ी जीत दर्ज की। तेलंगाना सहित चार राज्यों के चुनावों की मतगणना में भाजपा की मुख्य प्रतिद्वंदी कांग्रेस को राजस्थान और छत्तीसगढ़ में झटका लगा और उसने इन दोनों राज्यों में अपनी सरकार गवां दी लेकिन पार्टी ने दक्षिण के एक महत्वपूर्ण राज्य तेलंगाना में एक बड़ी कामयाबी हासिल की जब उसने राज्य के गठन के बाद से 10 साल लगातार सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को उखाड़ फेंका।

भाजपा, जिसने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता के रथ पर सवाल होकर चारों राज्यों में चुनाव लड़ा, उसने राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस से सत्ता छीनी और अपने पुराने गढ़ मध्यप्रदेश में इस बार अभूतपूर्व प्रदर्शन किया। 230 सदस्यीय मध्यप्रदेश विधानसभा के चुनाव में भाजपा 164 व कांग्रेस 65 सीटों पर विजय हासिल की है। राजस्थान में कुल 199 सीटों पर हुये चुनाव में भाजपा ने 115 सीटें जीती व कांग्रेस ने 69 सीटें जीती। छत्तीसगढ़ की कुल 90 सीटों के चुनाव में भाजपा ने 54 व कांग्रेस 35 सीटें जीती। तेलंगाना में कुल 119 सीटों में से कांग्रेस 64 सीटों पर कब्जा जमा किया। बीआरएस को 39 सीटें मिली।

कांग्रेसे ने कहा, हार से हताश नहीं

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने तेलंगाना के मतदाताओं को अपनी पार्टी के प्रति विश्वास जताने के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि पार्टी तीन राज्यों में अपनी हार से हताश हुए बगैर अगला लोकसभा चुनाव इंडिया गठबंधन के दलों के साथ दोगुने जोश के साथ लड़ेगी। कांग्रेस के कुछ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने फिर से ईवीएम का मुद्दा उठाया और पार्टी के कुछ कार्यकर्ता कांग्रेस मुख्यालय पर ईवीएम के खिलाफ तख्तियां लेकर प्रदर्शन करते देखे गए।

केसीआर ने दिया इस्तीफा

तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने अपनी पार्टी की हार को स्वीकार करते हुए पद से इस्तीफा दे दिया है। इन चार राज्यों के साथ मिजोरम विधानसभा के लिये हुए चुनाव की मतगणना सोमवार को होगी।

चुनाव परिणाम बता रहे हैं कि भारत की जनता का भरोसा सिर्फ और सिर्फ सुशासन और विकास की राजनीति में है। उसका भरोसा भाजपा में है : **नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री**

तीन राज्यों में हमारा प्रदर्शन निस्संदेह निराशाजनक रहा लेकिन हमारा दृढ़ विश्वास है कि इन तीन राज्यों में मेहनत और दृढ़ निश्चय से हम मजबूती के साथ वापसी करेंगे : **मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस अध्यक्ष**

विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित, भाजपा 164 सीटें जीती, कांग्रेस 65 पर सिमटी

मप्र में भाजपा को मिली बंपर जीत

यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति जनता के अगाध प्रेम और विश्वास, पार्टी के नेताओं की रणनीति और मार्गदर्शन तथा समाज के हर वर्ग के लिए डबल इंजन सरकार के कामों की जीत है: शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री मप्र

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश में भारतीय जनता पार्टी को बंपर जीत मिली। देर रात तक घोषित चुनाव परिवारों में पार्टी ने 164 सीटें जीत ली थीं, वहीं कांग्रेस 65 सीटों पर सिमट गई थी। एक सीट अन्य ने जीती है। प्रदेश में भाजपा 2018 के चुनाव में करीब एक साल कांग्रेस के हाथों सत्ता गवांने को छोड़कर लगातार पांचवी बार सरकार बनाने जा रही है। पिछले विधानसभा चुनाव में प्रदेश में कांग्रेस को 114 सीटें मिली थीं, जबकि भाजपा 109 सीटों पर विजयी हुयी थी। बाद में ज्योतिरादित्य सिंधिया के नेतृत्व में पार्टी विधायकों के एक धड़े के भाजपा में मिलने से कमलनाथ सरकार गिर गयी थी और भाजपा ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में फिर से अपनी सरकार बनाई थी।

इस वर्ष कर्नाटक विधानसभा चुनाव मे मिली जीत के बाद उत्साहित कांग्रेस ने 5 राज्यों के लिए हुए चुनावों के लिए ताबड़तोड़ घोषणाएं की और इन्हें पार्टी की गारंटी बताया। इससे उलट सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने लाड़ली बहना योजना लागू की। यही नहीं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कर्मचारियों, युवाओं को साधने के लिए अलग-अलग घोषणाएं की और कई पर अमल भी किया। माना जा रहा है कि प्रदेश में भाजपा को मिली बड़ी जीत मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा अलग-अलग वर्गों के लिए उठाए गए कदमों का असर है। राजनीतिक प्रेक्षक मानते हैं कि भाजपा की रणनीति के अलावा उसकी इस विजय में लाड़ली बहना योजना कारगर साबित हुई है। इसकी एक झलक मतदान के दौरान भी मिली थी जब 75 से अधिक विधानसभा क्षेत्रों में महिलाओं ने अधिक मतदान किया था। तभी से ये चर्चा थी कि भाजपा खासे बहुमत के साथ सत्ता में आएगी।

शिवराज को मिला लाड़ली बहनों का साथ

सिर्फ नामांकन भरने गए शिवराज, 1 लाख से अधिक मतों से जीते

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान अपने निर्वाचन क्षेत्र बुधनी में सिर्फ नामांकन दाखिल करने गए थे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आव्हान किया था कि आप सब शिवराज बनकर बुधनी में काम करें, मैं मध्यप्रदेश देखूंगा। इसके बाद शिवराज चुनाव बाद ही कार्यकर्ताओं से मिलने बुधनी पहुंचे। उन्होंने 1 लाख 4 हजार 964 वोटों से जीत दर्ज की।

1 लाख से अधिक वोटों से जीतने वाले उम्मीदवार

1. कृष्णा गौर (गोविंदपुरा, भोपाल) 2. रमेश मेंदोला (इंदौर-2) 3. रामेश्वर शर्मा (हुजूर, भोपाल)

यह मंत्री जीते

गोपाल भार्गव
तुलसी सिलावट
विजय शाह
जगदीश देवड़ा
बिसाहूलाल
भूपेंद्र सिंह
मीना सिंह
गोविंदसिंह राजपूत
बृजेंद्र प्रताप सिंह
विश्वास सारंग
प्रभुराम चौधरी
प्रह्लादसिंह तोमर
ओमप्रकाश सखलेचा
ऊषा ठाकुर
राजेंद्र शुक्ल
इंदरसिंह परमार
बृजेंद्रसिंह यादव
हरदीप सिंह डंग
मोहन यादव

हारे

नरोत्तम मिश्रा
कमल पटेल
महेंद्रसिंह सिसोदिया
प्रेमसिंह पटेल
अरविंद सिंह भदौरिया
राजवर्धन सिंह
गौरीशंकर बिसेन
भारतसिंह कुशवाह
राम खेलावन पटेल
राम किशोर कांवरे
सुरेश धाकड़
राहुल लोधी

सफल रहा दिग्गजों पर दांव

भाजपा ने पहली बार ज्योतिरादित्य सिंधिया को छोड़कर प्रदेश के सभी केन्द्रीय मंत्रियों और 3 सांसदों को चुनाव मैदान में उतार दिया था। पार्टी की यह रणनीति कारगर रही। दिमनी से केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर, नरसिंहपुर से प्रहलाद पटेल, दिग्गज नेता कैलाश विजयवर्गीय विजय रहे। हालांकि फग्गन सिंह कुलस्ते को हार का सामना करना पड़ा और सतना से सांसद गणेश सिंह चुनाव नहीं जीत पाए। लेकिन राकेश सिंह जबलपुर, सांसद उदय प्रताप सिंह गाडरवारा, रीति पाठक सीधी से चुनाव जीत गए।

खजुराहो संसदीय क्षेत्र की सभी आठों विधानसभा सीटें भाजपा जीती

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा के संसदीय क्षेत्र खजुराहो की सभी आठों विधानसभा सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की है। पार्टी ने चंदला, राजनगर, गुन्नौर, पवई, पन्ना, मुड़वारा, बहोरीबंद, विजयराधौगढ़ में खासी विजय हासिल की है।

श्री शर्मा की अगुवाई में न सिर्फ संसदीय क्षेत्र, बल्कि प्रदेश भर में 51 प्रतिशत वोट हासिल करने के लिए बूथ स्तर पर जमावट की गई थी। इसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। पार्टी को कई विधानसभा क्षेत्रों के कई-कई बूथों पर 51 प्रतिशत या उससे अधिक वोट मिले हैं।

भाजपा को मिली प्रचंड जीत पर प्रदेशाध्यक्ष बोले

प्रदेश में चला मोदी मैजिक, कुशल रणनीति की जीत

भोपाल, देशबन्धु। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और विष्णुदत्त शर्मा ने पार्टी को मिली जीत को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व अमित शाह की कुशल रणनीति, सामूहिक नेतृत्व, केन्द्र व राज्य सरकार के कामकाज को जीत का श्रेय दिया है।

श्री शर्मा पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश के विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली अभूतपूर्व जीत प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह की कुशल रणनीति और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के मार्गदर्शन मिली है।

प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने भोपाल में देश भर के 10 लाख बूथों के कार्यकर्ताओं को मेरा बूथ सबसे मजबूत अभियान के तहत बूथ जीतने का जो मंत्र दिया

था, उसे पार्टी कार्यकर्ताओं ने साकार करने का काम किया है। वहीं शाह ने प्रदेश के चुनाव में हर बूथ पर 51 प्रतिशत वोट शेयर प्राप्त करने का लक्ष्य दिया था। पार्टी कार्यकर्ताओं ने प्रदेश के 64523 बूथों पर अथक मेहनत करके हर बूथ को जीतने के साथ 51 प्रतिशत वोट शेयर प्राप्त करने की ओर अग्रसर हुए है।

श्री शर्मा ने कहा कि मध्यप्रदेश में भाजपा ने सामूहिक नेतृत्व के साथ चुनाव लड़ा है और कार्यकर्ता ने लगातार जमीनी स्तर पर कार्य करके पार्टी को ऐतिहासिक बहुमत दिलाया है। प्रदेश की जनता से केन्द्र की प्रधानमंत्री मोदी की सरकार और प्रदेश में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व वाली डबल इंजन की सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों के साथ गरीब कल्याण के कार्यों को लेकर जनता ने अपना आशीर्वाद भाजपा को दिया है। इस दौरान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने लाड़ली लक्ष्मी योजना और लाड़ली बहना योजना सहित केन्द्र सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का जिक्र भी किया। श्री शर्मा ने कहा कि कर्मचारियों को कांग्रेस ने गुमराह करने की खूब कोशिश की,लेकिन पोस्टल बैलेट पेपर में कर्मचारियों के मतों ने कांग्रेस को आईना दिखा दिया।

अल्पसंख्यकों ने दिया भाजपा को वोट

श्री शर्मा ने कांग्रेस पर तुष्टिकरण की राजनीति का आरोप लगाते हुए कहा कि राहुल गांधी ने भोपाल में रोड शो अल्पसंख्यकों के इलाके में किया। इस बार अल्पसंख्यकों ने भी कांग्रेस का साथ नहीं दिया और कई सीटों पर उन्होंने प्रधानमंत्री श्री मोदी जी की नीतियों से प्रभावित होकर मतदान किया। बुरहानपुर में भाजपा प्रत्याशी अर्चना चिटनीस चुनाव जीत गईं है।

कांग्रेस की हार स्वीकारी, कमलनाथ बोले- भाजपा को बधाई

विपक्ष की जिम्मेदारी का निर्वहन करेंगे

भोपाल, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली प्रचंड जीत के बाद कांग्रेस ने हार स्वीकार कर ली है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने भाजपा को जीत के लिए बधाई दी है, साथ ही कहा कि हम विरोधी दल के नाते अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करते रहेंगे। कमलनाथ ने कहा कि प्रदेश की जनता का फैसला मुझे स्वीकार है, हमें विपक्ष में बैठने की जिम्मेदारी दी गई है, तो हम उस जिम्मेदारी का निर्वहन करेंगे।

कमलनाथ ने इसके साथ ही इस बात का भरोसा जताया कि भाजपा पर प्रदेश के मतदाताओं ने जो भरोसा जताया है, उनके साथ भाजपा विश्वासघात नहीं करेगी और जनता के विश्वास पर भाजपा खरी उतरेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सामने अभी सबसे बड़ा सवाल यही है कि प्रदेश के युवाओं का भविष्य सुरक्षित हो, हमारे किसानों को खुशहाली मिले।

उन्होंने कहा कि आप सबको याद होगा कि मैंने कभी सीटों की घोषणा नहीं की। सिर्फ यही कहा कि मुझे प्रदेश के मतदाताओं पर पूरा विश्वास है और आज भी मैं यही कहूंगा कि मुझे प्रदेश के मतदाता पर विश्वास है, हम इस बात पर विचार करेंगे कि हमारे भीतर क्या कमियां रह गई थीं। कमलनाथ ने कहा कि मैं सभी हारे हुए कांगेस प्रत्याशियों और जीते हुए कांग्रेस विधायकों के साथ इस बात की समीक्षा करूंगा कि आखिर वह क्या वजह रही जो हम अपनी बात प्रदेश के मतदाता को समझा नहीं पाए।

कमलनाथ 35 हजार से ज्यादा मतों से जीते

भोपाल, देशबन्धु। प्रदेश की छिंदवाड़ा विधानसभा सीट से मध्यप्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ चुनाव मैदान में रहे। उनका अभेद गढ़ मानी जाने वाली इस सीट से कमलनाथ ने 35009 मतों से जीत दर्ज की है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के विवेक बंटी साहू को चुनाव में शिकस्त दी है। कमलनाथ जहां इस सीट से दो बार विधायक रह चुके हैं, वहीं वह छिंदवाड़ा संसदीय क्षेत्र से पहली बार 1980 में सांसद चुने गए थे। इसके बाद वह इस संसदीय सीट पर 9 बार सांसद रहे। उल्लेखनीय है कि छिंदवाड़ा में कुल 7 सीटें आती हैं, जिनमें 4 आरक्षित हैं।

चुनाव नजीते कांग्रेस को बड़ा झटका

नई दिल्ली, एजेंसी। आक्रामक अभियान चलाने के बावजूद कांग्रेस राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में हार गई और इसके साथ ही 2024 के महत्वपूर्ण लोकसभा चुनावों से हिमाचल प्रदेश को छोड़कर पार्टी का मुख्य हिंदी बेल्ट में लगभग सफाया हो गया है।

हिमाचल को छोड़कर हिंदी बेल्ट से हुआ सफाया

इस बड़े झटके ने लोकसभा चुनाव के लिए अधिक सीटों की सौदेबाजी के लिए भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन (इंडिया) में भी कांग्रेस को झटका दिया है। पार्टी के एक नेता ने, जो अभी तक तीन राज्यों में हार के सदमे से उबर नहीं पाए हैं, नाम न छापने की शर्त पर कहा कि नतीजे हमारे लिए बहुत बड़ा झटका हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी को उम्मीद थी कि वह छत्तीसगढ़ में अपनी सरकार बनाएगी, जहां उसे पिछले पांच वर्षों में कोई समस्या नहीं हुई और न ही कोई सत्ता विरोधी लहर दिखी और न ही पार्टी नेतृत्व के पास कोई रिपोर्ट आई। मप्र के नतीजों पर टिप्पणी करते हुए पार्टी नेता ने कहा कि राहुल गांधी ने इस साल की शुरुआत में कहा था कि राज्य की रिपोर्ट के आधार पर हमें राज्य में 150 सीटें मिलेंगी। उन्होंने कहा कि हालांकि, चीजें हमारे अनुरूप नहीं रहीं और हम इस चुनाव में बहुत कम सीटों पर सिमट गए, जो काफी आश्चर्यजनक है। पार्टी नेता ने बताया कि मध्य प्रदेश और राजस्थान में सफलता का स्वाद न चख पाने का मुख्य कारण यह था कि पार्टी के रणनीतिकार सुनील कनुगोलू और उनकी टीम को कमल नाथ और अशोक गहलोत जैसे नेताओं द्वारा खुली छूट नहीं दी गई थी। पार्टी नेता ने कहा, हालांकि, उन्हें तेलंगाना में पार्टी को उचित रिपोर्ट देने और अभियानों के लिए तरीके सुझाने की पूरी आजादी थी और राज्य नेतृत्व उनसे सहमत था और उन्हें आवश्यक सभी मदद दी। उन्होंने कहा, यहां तक कि राज्य नेतृत्व ने कनुगोलू की टीम द्वारा किए गए आंतरिक सर्वेक्षणों पर कार्रवाई की, जो कि राजस्थान और मध्य प्रदेश में नहीं था, जहां वरिष्ठ कांग्रेस नेता उनके साथ नहीं आए, जिसके कारण मूड अनुकूल होने के बावजूद इतनी बड़ी हार हुई। पार्टी नेता ने कहा कि अब हिंदी पट्टी में पूरी तरह से सफाये के बाद 2024 के महत्वपूर्ण लोकसभा चुनाव से पहले की राह आसान नहीं होगी। उन्होंने इस बात पर सहमति व्यक्त की कि विधानसभा चुनावों के मद्देनजर रोकी गई इंडिया गठबंधन के सीट बंटवारे की बातचीत का असर उसी पर पड़ेगा क्योंकि हिंदी भाषी क्षेत्र में कोई उपस्थिति नहीं होने या बहुत कम उपस्थिति का हवाला देकर अन्य दलों से कड़ी सौदेबाजी करने की स्थिति में वह नहीं होगी।

संपादकीय देखें
क्यों हारी कांग्रेस

कांग्रेस के यह दिग्गज जीते

कमलनाथ, अजय सिंह, राजेंद्र भारती, फूलसिंह बरैया, सुरेन्द्र बघेल हनी, आरिफ मसूद, सतीश सिकरवार, भंवर सिंह शेखावत, दिनेश गुर्जर, लखन घनघोरिया।

इन्हें मिली हार

इन चुनावों में कांग्रेस के कई बड़े नेताओं को हार का सामना करना पड़ा। इनमें विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह, सज्जन सिंह वर्मा, दीपक जोशी, तरुण भनोत, जीतू पटवारी, हिना कांवरे, कमलेश्वर पटेल, कुणाल चौधरी, विजयलक्ष्मी साधौ।

सार समाचार

दशहरा मैदान पर मोटरसाईकिल में हुई भिड़ंत

गुना, देशबन्धु। कैंट थानांतर्गत दशहरा मैदान रोड पर दो मोटर सायकिलों में भिड़ंत हो गई। जिसमें एक बाईक सवार घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी मेघनाथ पुत्र मान सिंह अहिरवार ने पुलिस को शिकायत दर्ज कराई कि गत शाम करीब वह अपनी मोटर साईकिल एमपी 08 एमएन 6746 से केन्ट से पिपरोदाखुर्द अपने घर जा रहा था। जैसे ही वह दशहरा मैदान वाली रोड पर आया, तभी सामने से मोटर साईकिल क्रमांक एमपी 08 एमक्यू 8438 का चालक अपनी मोटर साईकिल को तेजी व लापरवाही से चलाकर लाया और टक्कर मार दी। टक्कर लगने से उसके हाथ-पैरों में चोटें आई हैं। फिलहाल पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर आरोपी मोटरसाईकिल चालक पर मामला दर्ज किया है।

इधर कुंभराज थानांतर्गत ग्राम तुलसीखेड़ी के निकट दो बाईकों में आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। जिसमें 2 युवक घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी अरूण मीना निवासी छोल्या ने बताया कि वह अपनी मोटर सायकिल क्रमांक 08 जेडए 7015 से अपनी दीदी के गांव पटौंदी से अपने घर छोल्या आ रहा था। जैसे ही ग्राम ऊँचाखेजड़ा से करीब 1 किलोमीटर तुलसीखेड़ी गांव तरफ रोड पर पहुंचे कि सामने तुलसीखेड़ी तरफ से एक मोटर साईकिल वाला अपनी मोटर साईकिल तेज व लापरवाही पूर्वक चलाता लाया और उसकी मोटर साईकिल में सामने की तरफ टक्कर मार दी। जिससे में मोटर साईकिल सहित नीचे गिर गया। टक्कर लगने से उसके हाथ-पैरों में गंभीर चोटें आई और घायल हो गया। जिसे उसके परिजनों ने गुना में निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर आरोपी मोटरसाईकिल चालक पर मामला दर्ज किया है।

लाड़ली बहना और अमित शाह के कारण रहे आश्चर्यजनक परिणाम : जयवर्धन

गुना, देशबन्धु। विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की करारी हाल के बाद राघौगढ़ विधायक जयवर्धन सिंह ने मीडिया से चर्चा करते हुए इसे लाड़ली बहना योजना की भावुकता कही। इस अवसर पर मीडिया से चर्चा करते हुए उन्होंने राघौगढ़ विधानसभा के मतदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लोकतंत्र में जनता ही राजा होती है। जनता का मत और निर्णय हम सबने स्वीकारा है। इस अवसर पर उन्होंने मप्र में भाजपा के रिकॉर्ड बहुमत पर उन्होंने कहा कि हमें इसकी बिल्कुल उम्मीद नहीं थी। यह शिवराज सिंह की लाड़ली बहना योजना के कारण हुआ है या अमित शाह की रणनीति के कारण। लेकिन हम जनता के निर्णय को स्वीकारते हैं। कुछ लोग कांग्रेस के जीते भी हैं। हमें वह भी स्वीकार करना होगा। लेकिन जो मर्जन आई हैं जीत की उस पर आश्चर्य हो रहा है। चुनावों में कोई हारता है कोई जीतता है। अमूनन जीत दस से बीस हजार की होती है, लेकिन इस बार 60 से 70 हजार की जीत आश्चर्यजनक है।यह कांग्रेस के लिए चिंता की विषय है। इस मौके पर उन्होंने चुनाव आयोग के निर्णय पर सवाल उठाते हुए कहा कि जो सरकार चार-छह महीनों से सहरिया-आदिवासियों के पोषण आहार की राशि रोकती है फिर मतदान के चार दिन पहले पैसा डाल देते हैं, चुनाव के दो दिन पहले पीएम घोषणा करते हैं कि किसान सम्मान निधि डालेगी। उन्हें चुनाव के समय ही यह सब क्यों याद आया। यह चुनावी आचार संहिता का उल्लंघन नहीं है तो क्या है ? लाड़ली बहना की राशि भी आचार संहिता में डाली गई। जिसके चलते मतदाता भावुक हो गया। हमने इसकी शिकायत भी की थी। जो भी निर्णय जनता से दिया है हम उसे स्वीकारते हैं। हमें उम्मीद काफी थी, लेकिन लोकतंत्र में जनता ही सर्वोपरि है।

पन्नालाल ने दर्ज की सबसे बड़ी जीत

गुना-चांचौड़ा से भाजपा तो बमोरी-राघौगढ़ से कांग्रेस जीती

गुना, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव मतगणना के दौरान रविवार को सुबह गिनती होते ही राजनीति के दंगल में भाग्य आजमा रहे प्रतिद्वंदियों के चेहरों पर कभी खुशी और कभी गम के भाव देखने को मिले। गुना जिले की चारों विधानसभा सीटों में इस बार भाजपा-कांग्रेस फिफ्टी-फिफ्टी रही। जिसमें गुना से पन्नालाल शाक्य एवं चांचौड़ा में प्रियंका पैंची भाजपा तो राघौगढ़ से जयवर्धन सिंह एवं बमोरी में ऋषि अग्रवाल कांग्रेस विजयश्री रही।

इस बार परंपरागत कांग्रेस का किला रहा राघौगढ़ में दरार देखने को मिली। पिछले बार की रिकॉर्ड 47 हजार की कांग्रेस की जीत इस बार 4505 वोटों पर सिमट गई। वहीं चांचौड़ा त्रिकोणीय समझे जाने वाले चुनावों में भाजपा की प्रियंका पैंची ने एकतरफा जीत हासिल की। चारों में सबसे बड़ी जीत गुना से पन्नालाल शाक्य की रही। इसके पूर्व चुनाव परिणाम को जानने के लिए उत्सुक सैकड़ों कार्यकर्ता और आमजन सुबह 8 बजे से ही अम्बेडकर भवन चौराहा के इर्द-गिर्द जमा हो गए थे। जैसे ही पहले राउंड के चुनाव नतीजे घोषित हुए तो उपस्थित जनसमुदाय में गहमा-गहमी का माहौल बन गया। गुना जिले की चारों विधानसभा सीटों की मतगणना अलग-अलग टेबिलों पर अलग-अलग राउंड में की गई।

इस दौरान गुना विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी पन्नालाल शाक्य पहले से ही राउण्ड से लगातार बढ़त बनाएं रखे। 19 राउण्ड में लगी मतगणना में कांग्रेस प्रत्याशी पंकज कनेरिया एक भी राउण्ड में बढ़त नहीं बना सके। इस दौरान जिले की सबसे बड़ी जीत गुना से पन्नालाल शाक्य के खाते में रही। उन्हें 11,4801 वोट मिले, जबकि कांग्रेस के पंकज को 66,454 वोट मिले। इस तरह भाजपा के पन्नालाल शाक्य ने रिकॉर्ड 66,454 वोटों से जीत दर्ज की। हालांकि डाक पत्रों में भाजपा को कांग्रेस से कड़ी टक्कर मिली। डाक मतपत्र में भाजपा को 1368 तो कांग्रेस को 1264 वोट मिले। जिसमें भाजपा का जीत का अंतर 104 रहा। प्रतिशत की बात की जाएं यहां भाजपा को 66.59 प्रतिशत तो कांग्रेस 28.05 प्रतिशत पर सिमट गई।

कांग्रेस का मजबूत दुर्ग राघौगढ़ में भी इस बार दरार देखने को मिली। 2018 में 47 हजार वोटों से जीत दर्ज करने वाले कांग्रेस नेता जयवर्धन को इस बार कभी उनके खास समर्थक रहे भाजपा प्रत्याशी हीरेन्द्र सिंह बंटी बना ने कड़ी टक्कर दी। शुरूआत राउण्डों में तो भाजपा के बना ने बढ़त बनाकर कांग्रेसियों के पसीने छूट दिए, लेकिन शनै-शनै कांग्रेस प्रत्याशी जयवर्धन सिंह छोटी-छोटी बढ़त के 20 वें राउण्ड में 4505 मतों से विजयी हुए। यहां पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के पुत्र जयवर्धन सिंह को 95,738 वोट तो भाजपा के हीरेन्द्र सिंह बंटी बना को 91233 वोट मिले।

जबकि तीसरे नंबर आजाद समाज पार्टी के संजीव अहिरवार को 2451, बसपा के धर्मेन्द्र गजराम यादव 2311 तो नोटा में 2113 वोट पड़े। वोट प्रतिशत की बात करें तो यहां कांग्रेस के जयवर्धन सिंह को 48.58 प्रतिशत, भाजपा के हीरेन्द्र ड्क्षसह को 46.3 प्रतिशत मत मिले। राघौगढ़ के रोचक मुकाबले में कभी कांग्रेस तो कभी भाजपा आगे रही। कुल 20 राउण्ड में चली मतगणना में कांग्रेस के जयवर्धन सिंह 1, 3, 5, 6, 7, 8, 9, 12, 13, 16, 17, 18 एवं 20 वें राउण्ड में मामूली वोटों के बढ़त बनाए रखे। जबकि भाजपा के हीरेन्द्र सिंह ने 2, 4, 10, 11, 14, 15 एवं 19 वें राउण्ड में बढ़त बनाई। बहरहाल पूर्व मंत्री रहे एवं कांग्रेस के मजबूत किले में भाजपा के हीरेन्द्र सिंह ने जमकर सेंधमारी की।

बमोरी में पंचायत मंत्री को दी कांग्रेस के युवा चेहरे ऋषि ने पटखनी : इधर जिले की सबसे हॉट सीट बमोरी में कांग्रेस ने धमाकेदार जीत दर्ज की। चारों विधानसभाओं में से सबसे पहले बमोरी के परिणाम सामने आएं। यहां कांग्रेस के युवा चेहरे ऋषि अग्रवाल ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री महेन्द्र सिंह सिसौदिया को 14796 वोटों से रिकॉर्ड दर्ज की। एक समय तक 15 राउण्ड में अग्रवाल की लीड करीब 20 हजार से ऊपर थी। लेकिन अंत के 5 राउण्ड में भाजपा प्रत्याशी महेन्द्र सिंह ने बढ़त बनाई।

इसके पूर्व बमोरी के चुनाव परिणामों पर सभी की निगाहें लगी रही। पहले राउण्ड से कांग्रेस के ऋषि अग्रवाल ने अपनी बढ़त बनाई रखी। 20 राउण्ड में चले मतगणना में भाजपा सिर्फ 7 राउण्ड में ही बढ़त बना सकी। जिसमें 9 वें, 10 वें राउण्ड के अलावा 16 से 20 वें राउण्ड में भाजपा ने बढ़त बनाई। बमोरी में कांग्रेस की जीत के साथ ही एबी रोड स्थित ऋषि अग्रवाल के कार्यालय पर समर्थकों ने जमकर जश्न मनाया। इस मौके पर ढोल नगाड़े के बीच जमकर आतिशबाजी की गई।

चांचौड़ा में 11 वें राउण्ड तक प्रियंका रिकॉर्ड जीत की ओर अग्रसर : सबसे अंत में जिले की चांचौड़ा विधानसभा सीट का चुनाव परिणाम आया। यहां शुरू से ही त्रिकोणीय मुकाबले के अनुमान लगाएं जा रहे थे। जिसमें भाजपा से प्रियंका पैंची, कांग्रेस से पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के अनुज लक्ष्मण सिंह एवं आप पार्टी से ममता मीना मैदान में थी। लेकिन पहले ही राउण्ड से भाजपा की प्रियंका मीना पैंची बढ़त बनाए रखीं। 11 वें राउंड में भाजपा ने 31507 वोटों की बढ़त बना रखी थी। जबकि यहां 10 राउण्ड बाकी थे। 11 राउण्ड की मतगणना में भाजपा की प्रियंका पैंची को 58414 वोट, कांग्रेस के लक्ष्मण सिंह को 26907 एवं आप पार्टी की ममता मीना को 14831 वोट मिले। यहां भी 11 राउण्ड में से 10 राउण्ड में भाजपा ने बढ़त बनाई रखी। जबकि सिर्फ 9 वें राउण्ड में कांग्रेस ने अपनी बढ़त ली।

कॉलेज के बाहर उमड़ी हजारों की भीड़ : भारी सुरक्षा इंतजाम और कड़े प्रशासनिक प्रबंध के बीच स्थानीय पीजी कॉलेज में जिले की चारों विधानसभा सीटों के चुनाव परिणाम घोषित किए जाते रहे। जिसके लिए सुबह 8 बजे से वोटों की गिनती शुरू की गई। दोपहर 3 बजे तक मिले रूझानों के मुताबिक गुना जिले में दो-दो का आंकड़ा दिखाई दिया। यानि गुना एवं चांचौड़ा भाजपा के खाते में तो राघौगढ़ एवं बमोरी कांग्रेस के खाते में गई। नतीजों को जानने के लिए सुबह से ही मतगणना स्थल के इर्द-गिर्द हजारों की तादाद में लोग इकट्ठा हो गए थे।

7 दिनों से छाए हुए हैं आसमान में बादल

आसमान से बादल छटेंगे तो फिर कड़ाके की ठंड पड़ेगी

गुना, देशबन्धु। अंचल में मौसम के बदले मौसम एक सप्ताह होने को है, लेकिन अभी तक मौसम साफ नहीं हुआ। रविवार को भी एक अन्य दिनों की भांति आसमान में बादल छाए रहे। इस दौरान एकाध बार ही सूर्य देवता के दर्शन हुए। जिसके बाद फिर से आसमान में बादल छाए रहे। आसमान में छाए बादल से सूर्य की किरणें जमीन पर नहीं पहुंच रही हैं। जिससे दिन में धूप नहीं खिल पा रही। मौसम विभाग के अनुसार यह सिलसिला अगले दो-तीन दिन यूं ही चलेगा। पूर्वी हवाओं के कारण वातावरण में नमी भी रहेगी और आसमान में बादल भी। 6 दिसंबर के बाद आसमान से बादल छटेंगे तो फिर कड़ाके की ठंड पड़ेगी। रात का तापमान गिरेगा और दिन में धूप खिलने से दिन का तापमान बढ़ेगा। फिलहाल बारिश के कोई आसार नजर नहीं आ रहे हैं लेकिन अगले 3 दिन आसमान से बादल भी नहीं हटेंगे। इस दौरान रविवार को अधिकतम तापमान 23.6 डिग्री तो न्यूनतम तापमान 17.4 डिग्री रहा।

मौसम विभाग के अनुसार 6 दिसंबर से उत्तरी हवाएं चलेंगी। जो वातावरण में ठंडक लेकर आएंगी और आसमान से बादल हटाएंगी। जिसके बाद सूर्य की किरणें जमीन पर आ पहुंचेगी जिससे दिन का तापमान दो डिग्री तक बढ़ सकता है पर न्यूनतम तापमान में कमी आएगी। अभी बंगाल की खड़ी में बन रहे सिस्टम के कारण हवा में नमी बनी हुई है। लेकिन पश्चिमी विक्षोभ का अब असर दिखाई नहीं दे रहा जिससे बारिश की कोई संभावना भी नहीं है। दरअसल आसमान में बादल छाने से सूर्य से आने वाली किरण तो जमीन तक पहुंच जाती है। लेकिन उनसे पैदा होने वाली उष्मा बादलों के कारण आसमान में बाहर की ओर नहीं निकल पाती। इस कारण से रात के समय में गर्मी बढ़ जाती है जबकि दिन के समय में आसमान में बादल होने से धूप नहीं होती जिससे तापमान गिरने लगता है।

इधर सर्द मौसम में बच्चों और बुजुर्गों का ख्याल रखने की बेहद आवश्यकता है। क्योंकि सर्द हवाओं की चपेट में आने से यह बीमार पड़ सकते हैं। इसलिए इन्हें गर्म कपड़े पहनाकर रखें और बाहर न निकलने दें। इस समय सांस रोगियों की संख्या बढ़ रही है। ठंड लगने से बच्चे सांस रोगी बन रहे हैं। उन्हें सांस लेने में परेशानी होती है और खांसी के साथ कफ परेशान करता है। ऐसे में जरूरी है कि उनके खाने पीने से लेकर पहनने तक का ख्याल रखें यदि किसी तरह की परेशानी लगे तो तत्काल डाक्टर से परामर्श लें अन्यथा निमोनिया के शिकार बन सकते हैं।

नाले के गंदे पानी से उगाई जा रहीं हैं सब्जियां

गुना, देशबन्धु। शहर के आसपास नाले के गंदे पानी से सब्जियां उगाई जा रहीं हैं, जो लाभदायक होने की बजाय सेहत के लिए नुकसादायक हो सकती हैं। इन सब्जियों धड़ल्ले से शहर में बेचा जा रहा है। ऐसा करके सब्जियों के साथ बीमारियां भी लोगों तक पहुंचाई जा रहीं हैं। उल्लेखनीय है कि हरी सब्जियों की मांग हमेशा रहती है। शहर के बीचों बीच से निकले रपटे के आसपास खेतों में उगाई जा रहीं सब्जियों में किसानों द्वारा नालियों के गंदे पानी से सिंचाई की जा रही है। नालियों के गंदे पानी से पौधे भी जल्दी वृद्धि करते हैं और उपज भी अधिक होती है। इसका फायदा उठाकर किसान अधिक मुनाफा कमाने के फेर में लोगों की सेहत से खिलवाड़ कर रहे है। गंदे पानी से उगाई गई सब्जियों में शरीर के लिए हानिकारक तत्व भी सब्जियों के साथ लोगों के शरीर में प्रवेश कर रहे है। ऐसी सब्जियों के सेवन से लोग बीमार हो सकते हैं। शहर के ईदगाहबाड़ी, कोल्हूपुरा, पिपरौदा, नानाखेड़ी आदि क्षेत्र में काफी तादाद में सब्जियां उगाई जा रहीं हैं। वहां किसानों ने नालियों को रोककर उनका गंदा पानी अपने खेतों में मोड़ लिया है। इन किसानों द्वारा उगाई सब्जियों को बाजार में बेचा जा रहा है। इसके साथ ही बेचने लाने से पूर्व किसानों द्वारा इसी गंदे पानी से सब्जियों को धोया जाता है।

नाले के गंदे पानी से उगाई गई सब्जियों में भारी और हानिकारक तत्व पाए जाते हैं। इसके साथ ही हमें बीमार करने वाले माइक्रो ऑर्गेनिज्म और पेस्टीसाइड भी काफी मात्रा में पाए जाते हैं। कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार इस तरह की सब्जियों में फंगस भी अधिक मात्रा में पाया जाता है, जो पाचन तंत्र के लिए बहुत ही हानिकारक होता है। इन सब्जियों के सेवन से बोनमेरो, खून, लीवर और मस्तिस्क संबंधी कई प्रकार की बीमारियां हो सकतीं हैं।

75 मरीजों का होगा मोतियाबिंद आपरेशन

रोटरी निःशुल्क नेत्र जांच शिविर में 190 रोगियों का हुआ परीक्षण

गुना, देशबन्धु। जिला दृष्टिहीनता नियंत्रण समिति के अंर्तगत रोटरी क्लब गुना के तत्वाधान में रोटेरियन जितेंद्र खुराना द्वारा माता स्व. हरबंस खुराना की स्मृति में निःशुल्क नेत्र, शुगर व बीपी जांच एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का आयोजन रोटरी भवन गुना में किया गया। मीडिया प्रभारी विकास जैन ने बताया कि रोटरी क्लब द्वारा माह के प्रथम रविवार को गायत्री मंदिर के पास रोटरी भवन गुना में सदगुरु संकल्प नेत्र चिकित्सालय के विशेषज्ञ डॉक्टरों के सहयोग से रोटरी अध्यक्ष सीपी रघुवंशी की अध्यक्षता में रविवार को निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन रोटरी भवन गुना में किया गया। नेत्र जांच शिविर में सदगुरु के नेत्र विशेषज्ञ डॉ अलंकार साहू द्वारा 140 से अधिक रोगियों का नेत्र परीक्षण किया गया। जिसमें से 60 मरीजों को चिन्हित कर मोतियाबंद ऑपरेशन के लिए सदुरु सेवा सकल्प नेत्र चिकित्सालय लटेरी भेजा गया। जहां उनका नेत्र विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन कर अगले दिवस मरीजों को अपने-अपने घर पहुंचाया जाएगा। शिविर में रोटरी सचिव प्रवीण सोमानी, वरिष्ठ रोटेरियन शिखर चंद जैन, देवेंद्र सिंह रघुवंशी, शिविर संयोजक मनोज बिंदल एवं विकास जैन नखराली,रोटेरियन शंभूनाथ तिवारी, संजीव खुराना, सहित सदगुरु सेवा संस्थान कैंप इंचार्ज गोलू राठौर, संतोष नामदेव सहित रोटरी सदस्यों ने शिविर में सहयोग प्रदान किया। मिडिया प्रभारी श्री जैन ने बताया की रोटरी भवन पहुंचे नेत्र शिविर में मरीजों को निशुल्क दवाईयां वितरण एवं चश्मा की जांच की गई एवं रोटरी क्लब द्वारा रोगियों के रुकने एवं भोजन की व्यवस्था संस्था द्वारा निःशुल्क की गई।

मंदसौर संसदीय क्षेत्र में आठ में से सात विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी जीते

मंदसौर देशबन्धु। मंदसौर जिले की चार विधानसभा सीटों में से तीन पर भाजपा और एक पर कांग्रेस ने विजय प्राप्त की है। मंदसौर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार विपिन जैन चुनाव जीत गए हैं उन्होंने लगातार तीन बार के विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया को लगभग 2500 वोटो से पराजित किया। कांटा जोड़ मुकाबले में काफी उतार चढ़ाव चला कभी यशपाल आगे कभी विपिन आगे किंतु अंततः विपिन जैन चुनाव जीत गए। मंदसौर क्षेत्र में पिछला विधानसभा चुनाव यशपाल सिंह सिसोदिया जीते थे तब प्रदेश में कांग्रेस को बहुमत मिला था लेकिन इस बार विपरीत परिस्थिति उत्पन्न हुई है प्रदेश में बीजेपी को प्रचंड बहुमत मिला है और मंदसौर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस के उम्मीदवार की विजय हुई है।

मल्हारगढ़ विधानसभा क्षेत्र से वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा भाजपा से उम्मीदवार थे उनकी ऐतिहासिक विजय हुई है उन्होंने अपने निकटतम प्रतिदिन भी निर्दलीय कांग्रेस के बागी उम्मीदवार श्यामलाल जोकचंद को लगभग 60 हजार मतों से पराजित किया। यहां कांग्रेस के प्रत्याशी परशुराम सिसोदिया तीसरे नंबर पर रहे। सुवासरा क्षेत्र से पर्यावरण व नवकरणीय ऊर्जा मंत्री हरदीप सिंह डंग चुनाव जीत गए हैं उन्होंने कांग्रेस के प्रत्याशी राकेश पाटीदार को लगभग 23 हजार मतों से पराजित किया गरोठ विधानसभा क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार चंदर सिंह सिसोदिया कांग्रेस के प्रत्याशी पूर्व मंत्री सुभाष सोजतिया को लगभग 18 हजार वोटो से पराजित किया। मंदसौर संसदीय क्षेत्र की यदि हम बात करें तो नीमच जिले की तीनों विधानसभा सीटों पर भाजपा प्रत्याशी विजय रहे हैं जबकि रतलाम जिले की जावरा विधानसभा सीट जो कि मंदसौर संसदीय क्षेत्र में आती है यहां भी भाजपा के प्रत्याशी राजेंद्र पाण्डेय को विजय प्राप्त हुई है। नीमच से भाजपा के प्रत्याशी दिलीप सिंह परिहार करीब 30 हजार वोटो से कांग्रेस प्रत्याशी उमराव सिंह गुर्जर से चुनाव जीते हैं। उधर मनासा में पूर्व मंत्री नरेंद्र नाहटा को भाजपा के प्रत्याशी माधव मारू ने लगभग 19 हजार वोटो से पराजित किया उधर जावद विधानसभा क्षेत्र में मंत्री ओमप्रकाश सकलेचा चुनाव जीत गए हैं उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी समंदर पटेल को लगभग 5 हजार वोटो से पराजित किया।

बुधनी से शिवराज सहित जिले की चारों विधानसभा में भाजपा ने लहराया परचम

सीहोर, देशबन्धु। विधानसभा निर्वाचन के तहत जिले की चारों विधानसभा में हुए मतदान की मतगणना जिला मुख्यालय स्थित शासकीय महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज में सम्पन्न हुई। मतगणना के उपरांत कलेक्टर और जिला निर्वाचन अधिकारी प्रवीण सिंह द्वारा चारों विधानसभा के विजेता प्रत्याशियों की घोषणा की गई।

विधानसभा निर्वाचन के दौरान बुधनी विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी शिवराज सिंह चौहान, आष्टा से भाजपा प्रत्याशी गोपाल सिंह इंजीनियर, इछावर से भाजपा प्रत्याशी करण सिंह वर्मा तथा सीहोर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी सुदेश राय निर्वाचित हुए। कलेक्टर और जिला निर्वाचन अधिकारी प्रवीण सिंह तथा रिटर्निंग अधिकारियों ने विजेता प्रत्याशियों को निर्वाचन प्रमाण पत्र प्रदान किए। बुधनी विधानसभा से विजेता प्रत्याशी शिवराज सिंह चौहान का निर्वाचन प्रमाण पत्र साधना सिंह और कार्तिकेय चौहान ने प्राप्त किया। इसी प्रकार आष्टा विधानसभा से प्रत्याशी गोपाल सिंह इंजीनियर, इछावर से करण सिंह वर्मा तथा सीहोर से सुदेश राय ने निर्वाचन प्रमाण पत्र प्राप्त किया।

निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त प्राथमिक जानकारी के अनुसार बुधनी विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी शिवराज सिंह चौहान को 164951 मत प्राप्त हुए, जबकि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रत्याशी विक्रम मस्ताल शर्मा को 59977 मत मिले। इसी प्रकार आष्टा विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी गोपाल सिंह इंजीनियर को 118750 मत, जबकि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रत्याशी कमल सिंह चौहान को 110847 मत, इछावर से भाजपा प्रत्याशी करण सिंह वर्मा को 103205 मत, जबकि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रत्याशी शैलेंद्र पटेल को 86859 मत तथा सीहोर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के प्रत्याशी सुदेश राय को 105997 तथा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रत्याशी शशांक रमेश सक्सेना को 68146 मत प्राप्त हुए। इस अवसर पर गुरूप्रसाद शर्मा, रघुनाथ सिंह भाटी, जिला भाजपा अध्यक्ष रवि मालवीय सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

मतगणना के लिए कर्मचारियों की हुई रिहर्सल

गुना, देशबन्धु। विधानसभा निर्वाचन अंतर्गत कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी तरुण राठी के मार्गदर्शन में मतगणना की तैयारी जारी है। 3 दिसंबर को पीजी महाविद्यालय गुना स्थित मतगणना कक्षों में विधानसभा क्षेत्र 28-बमोरी, 29-गुना, 30-चांचौड़ा एवं विधानसभा क्षेत्र 31-राघौगढ़ के लिए होने वाली मतगणना से संबंधित मतगणना के द्वितीय रेंडमाइजेशन बाद मतगणना सुपरवाइजर, मतगणना सहायक एवं माइक्रो आब्जर्वर को विधानसभा वार ड्यूटी आवंटित कर शनिवार को सुबह 11 बजे से रिहर्सल की गई। इस दौरान संबंधित विधानसभा के प्रेक्षकों द्वारा आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए और रिटर्निंग अधिकारी द्वारा 3 दिसम्बर को होने वाली मतगणना के संबंध में बताया गया कि कल पूरी सावधानी और निष्पक्षता से मतगणना कार्य संपन्न किया जाना है। इस दौरान बताया गया की सभी कर्मचारियों को प्रातः 6:30 से 7 बजे तक अनिवार्यतः उपस्थित होना है।

थोड़ी धूप के बाद दिनभर आसमान में छाया रहे बादल

गुना, देशबन्धु। अंचल सहित प्रदेशभर में अलग-अलग जगहों पर सक्रिय मौसम प्रणालियों के चलते अगले 3-4 दिनों तक जिले में मौसम के मिजाज यू हीं बने रहने का अनुमान है। पश्चिमी विक्षोभ, चक्रवात और ट्रफ लाइन के चलते जिले के चांचौड़ा, राघौगढ़ एवं कुंभराज क्षेत्र में हल्की बारिश हुई। इधर गुना में शनिवार को कुछ देर के लिए धूप निकलने के बाद फिर दिनभर आसमान में बादल छाए रहे। हालांकि गुना, बमोरी क्षेत्र में शनिवार को बारिश नहीं हुई। लेकिन सुबह से ही बादलों को डेरा रहा और धुंध छाई रही। इसके बाद दोपहर के बाद कुछ समय के लिए धूप के दर्शन हो सके। मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को जिले के चांचोड़ा में सबसे अधिक 17 मिमी बारिश हुई। वहीं कुंभराज एवं राघौगढ़ में 1-1 मिमी तो मधुसूदनगढ़ में 3 मिमी बारिश दर्ज की गई। वहीं शनिवार को अधिकतम तापमान 22 डिग्री तो न्यूनतम तापमान 16.4 डिग्री दर्ज किया गया। इस दौरान शुक्रवार की अपेक्षा अधिकतम तापमान में बढ़त तो न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई।

खेल जगत

तमिलनाडु के गिरीश ने पुरुषों के 6-रेड में जीत हासिल की

चेन्नई, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के गिरीश ने रविवार को यहां नेहरू इंडोर स्टेडियम में 90वीं राष्ट्रीय बिलियर्ड्स और स्नूकर चैंपियनशिप के पुरुषों के 6-रेड स्नूकर क्वालीफाइंग में महाराष्ट्र के सुमेर मागो को 4-2 से हराया। रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड (आरएसपीबी) का प्रतिनिधित्व करने वाले स्थानीय स्टार गिरीश ने क्वालीफाइंग मैच में मागो को 44-41, 21-37, 51-12, 35-55, 42-01, 41-16 से हराया। अन्यत्र, मौजूदा तमिलनाडु 15-रेड स्नूकर चैंपियन पार्थिबा राजेंद्रन ने पुडुचेरी के पूरन कुन को 4-0 से हराया, जबकि उनके राज्य साथी सैयद सिकंदर ने दिल्ली के विष्णु प्रकाश को 4-3 से हराया। हरियाणा की दिव्या शर्मा ने महाराष्ट्र के अभिषेक बजाज पर 4-1 (41-25,44-16, 21-49, 75(75)-0, 39-19) की जीत में चौथे फ्रेम में 75 का अधिकतम ब्रेक दर्ज किया।

रिंकू सिंह में मोहम्मद अली जैसा निडर रवैया है : श्रीसंत

विशाखापत्तनम, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। रिंकू सिंह के आक्रामक और निडर दृष्टिकोण की गूंज के बीच, भारत के पूर्व क्रिकेटर एस श्रीसंत का मानना है कि खेल के प्रति 26 वर्षीय खिलाड़ी का रवैया 20वीं सदी के प्रतिष्ठित खेल व्यक्तित्व मुहम्मद अली की याद दिलाता है। आईएएनएस से बात करते हुए, पूर्व दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने आईसीसी पुरुष एकदिवसीय विश्व कप 2023 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से भारत की हार पर विचार किया, उन्होंने अपने असाधारण क्षेत्ररक्षण से भारतीय टीम को मात देने के लिए ऑस्ट्रेलिया को श्रेय दिया, जबकि उन्होंने अपनी उम्मीदें भारतीय युवा कंधों पर केंद्रित कीं। टी20 विश्व कप 2024 के लिए टीम तैयार हो रही है।

मैं ईमानदार रहूँगा। ऑस्ट्रेलिया ने हमें पछाड़ दिया। ऑस्ट्रेलिया ने ऑस्ट्रेलियाई तरीके से खेला। लक्ष्य जो 280 से 290 होना चाहिए था, ऑस्ट्रेलियाई क्षेत्ररक्षकों ने इसे 240 तक रोक दिया। यह वार्नर, लाबुशेन, स्मिथ थे जिन्होंने उन 40 से 50 रनों को बचाया। श्रीसंत ने कहा, खेल का पूरा परिदृश्य बदल गया।

आत्मविश्वास और निडर दृष्टिकोण वाले उभरते सितारे रिंकू ने श्रीसंत का ध्यान खींचा और 40 वर्षीय खिलाड़ी ने युवा बल्लेबाज में मोहम्मद अली की झलक देखी और सभी प्रारूपों में उनके लगातार प्रदर्शन और अपने दिल की बात कहने की उनकी क्षमता की सराहना की। श्रीसंत ने उनके लचीलेपन और रवैये पर प्रकाश डालते हुए कहा, मुझे रिंकू सिंह का आत्मविश्वास पसंद है। वह जिस भी टीम के साथ खेलते हैं, उसके लिए लगातार ऐसा कर रहे हैं, चाहे वह क्लब क्रिकेट हो, चाहे वह टीम क्रिकेट हो, चाहे वह फ्रेंचाइजी हो। वह परवाह नहीं करते, बहकते नहीं लेकिन वह अपने दिल की बात कहते हैं और वह हैं मोहम्मद अली मेरे लिए।

श्रीसंत, जो एम एस धोनी के नेतृत्व में 2007 टी 20 विश्व कप विजेता टीम के प्रमुख सदस्य थे, ने भी अपने करियर के महत्वपूर्ण क्षणों पर विचार किया, उन

बाधाओं और लचीलेपन के बारे में बताया जिसने अंततः क्रिकेट के मैदान में उनकी वापसी का मार्ग प्रशस्त किया। श्रीसंत ने कहा, जैसे कि विश्व कप जीतना मेरे करियर में एक मील का पत्थर है। लेकिन मैं और मेरा परिवार जिस दौर से गुजरे उसका वर्णन नहीं किया जा सकता। इसलिए जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं तो 39 साल की उम्र में केरल के लिए वापसी करना आसान नहीं था। और साबित करने और सबसे ज्यादा विकेट लेने वाला गेंदबाज होने के बाद भी इसे बंद करना एक बहुत ही व्यक्तिगत कॉल जैसा था।

श्रीसंत का सफर किसी रोलरकोस्टर राइड जैसा था. 2013 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने और जनवरी 2022 में केरल का प्रतिनिधित्व करते हुए घरेलू मैचों से संन्यास की घोषणा करने के बाद, अनुभवी क्रिकेटर को कई व्यक्तिगत और व्यावसायिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा। हालाँकि, 39 साल की उम्र में केरल के लिए उनकी वापसी, जहाँ वे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में उभरे, ने उनके अटूट दृढ़ संकल्प को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया। अब, लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) में गुजरात जायंट्स की जर्सी पहनकर और स्टुअर्ट बिन्नी के साथ अमेरिकन प्रीमियर लीग (एपीएल) टी20 के दूसरे संस्करण के लिए तैयारी करते हुए, श्रीसंत ने भारत के बाहर फ्रेंचाइजी क्रिकेट द्वारा दिए गए अवसरों की सराहना की। एलएलसी उनके लिए अपने कौशल का प्रदर्शन करने का एक मंच रहा है, जिसमें महान सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने वर्ल्ड जायंट्स के खिलाफ मैच में प्लेयर ऑफ द मैच ट्रॉफी प्रदान करते हुए उनके लचीलेपन को स्वीकार किया था, एक ऐसा क्षण जिसे वह संभावित बायोपिक के अंतिम दृश्य के रूप में देखते हैं। श्रीसंत ने कहा, मैं अपनी फिटनेस में सुधार कर सकता हूं। कोलकाता में वर्ल्ड जायंट्स के खिलाफ मैच में वीरू भाई ने मुझे ट्रॉफी दी और कहा कि यह तुम्हारे लचीलेपन के लिए है। इसलिए यह अभी भी मेरे घर में रखी हुई है, अगर मैं कभी बायोपिक बनाता हूं, तो मुझे लगता है कि फिल्म मेरे हाथ में लीजेंड्स लीग कप के साथ खत्म हो जाएगी।

क्रिकेट के मैदान से बाहर, श्रीसंत सेवानिवृत्ति के बाद काम की पेशकश करने, उन्हें व्यस्त रखने और उनके परिवार के लिए आजीविका के साधन के रूप में महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करने के लिए भारतीय फिल्म उद्योग को स्वीकार करते हैं।

रिंकू सिंह जिस स्थान को निशाना बना रहे हैं, उसके लिए कई चुनौतियां हैं : आशीष नेहरा

भारत के पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा का मानना है कि मध्यक्रम के बल्लेबाज रिंकू सिंह की अगले साल होने वाले पुरुष टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने की संभावनाएं उज्ज्वल दिख रही हैं, हालांकि साथ ही प्लेइंग इलेवन में जगह के लिए फिनिशर के सामने कई चुनौतियां भी हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रही टी20 श्रृंखला में, रिंकू पारी के अंत में अपनी तेज फिनिशिंग के माध्यम से भारतीय टीम में फिनिशर के रूप में पूर्णकालिक पद के लिए अपना दावा मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने विशाखापत्तनम में 14 गेंदों पर नाबाद 22 रन बनाकर 209 रन के लक्ष्य का अंत किया। तिरुवनंतपुरम में उन्होंने फिर से नौ गेंदों पर नाबाद 31 रन बनाए और रायपुर में 29 गेंदों पर 46 रन की आकर्षक पारी खेली। सिर की स्थिर स्थिति और अंदर से शांति के साथ, रिंकू एक फिनिशर के रूप में अपने कौशल का प्रदर्शन करने में सफल रहे हैं, यह भूमिका वह आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के लिए और घरेलू क्रिकेट में उत्तर प्रदेश के लिए अच्छी तरह से निभाते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि रिंकू सिंह भारत की टी20 विश्व कप टीम में शामिल होने के दावेदार हैं।

पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट में डेविड वॉर्नर को जगह, लांस मॉरिस नया चेहरा

मेलबर्न, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के ख़िलाफ़ पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का ऐलान हो गया है। टेस्ट मैचों में ख़राब फ़ॉर्म से जूझ रहे सलामी बल्लेबाज़ डेविड वॉर्नर को 14-सदस्यीय दल में जगह मिली है, जबकि ऑलराउंडर मिचेल मार्श और कैमरन ग्रीन दोनों को भी टीम में शामिल किया गया है। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के तेज़ गेंदबाज़ लांस मॉरिस टीम में नया चेहरा हैं। एशेज सीरीज़ के दौरान पिंडली की चोट से बाहर हुए ऑफ़ स्पिनर नाथन लियोन की टीम में वापसी हुई है। वह टॉड मर्फ़ी की जगह लेंगे। ग्रीन टीम में अतिरिक्त बल्लेबाज़ और मॉरिस व स्कॉट बोलैंड टीम में अतिरिक्त गेंदबाज़ के तौर पर शामिल हैं।

वनडे विश्व कप के दौरान जॉश इंग्लिस से अपनी जगह गंवा चुके एलेक्स कैरी टेस्ट मैचों में विकेटकीपर के रूप में बने हुए हैं। उन्होंने पिछले सप्ताह ही साउथ ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलते हुए विक्टोरिया के ख़िलाफ़ 81 रनों की पारी खेली थी। वहीं टीम के नए नाम तेज़ गेंदबाज़ मॉरिस भी चोट से उबर रहे हैं। उन्होंने इस साल सिर्फ़ दो मार्श कप मैच और तीन शेफ़ील्ड शील्ड मैच खेले हैं। हालांकि मेडिकल टीम नें उन्हें अब पूरी तरह से फ़िट घोषित किया है।

वॉर्नर इस सीरीज़ के तीसरे मैच से टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहना चाहते हैं, जो कि उनके घरेलू मैदान सिडनी में होना है। पिछले दो सालों में उनका टेस्ट औसत 30 से भी कम है। हालांकि चयनकर्ताओं का मानना है कि फ़िलहाल वह देश के सर्वश्रेष्ठ दो उपलब्ध सलामी बल्लेबाज़ों में से एक हैं। मार्कस हैरिस, मैट रेनशॉ और कैमरन बैनक्रॉफ़्ट उनकी जगह लेने के प्रबल दावेदार नाम हैं। हालांकि वे अभी पाकिस्तान के ख़िलाफ़ प्रधानमंत्री एकादश टीम में खेलते हुए दिखेंगे, जो इसी बुधवार से शुरू हो रहा है। 14 सदस्यीय टेस्ट दल में ग्रीन ही एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं, जो अभ्यास मैच में भी खेलेंगे । उन्होंने हाल ही में पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के लिए क्वींसलैंड के ख़िलाफ़ 96 रनों की पारी खेली थी। ऑस्ट्रेलियाई कोच एंड्र्यू मैक्डोनाल्ड्स ने संकेत दिए हैं कि वॉर्नर के संन्यास लेने के बाद मार्श और ग्रीन टेस्ट एकादश में एक साथ भी खेल सकते हैं। हालांकि इसके लिए बल्लेबाज़ी क्रम को थोड़ा ऊपर-नीचे करना होगा। पाकिस्तान के ख़िलाफ़ पहला टेस्ट 14 दिसंबर से पर्थ में शुरू हो रहा है।

ऑस्ट्रेलियाई दल : पैट कमिंस (कप्तान), डेविड वॉर्नर, उस्मान ख़्वाजा, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, ट्रैविस हेड, मिचेल मार्श, कैमरन ग्रीन, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर) नाथन लियोन, स्कॉट बोलैंड, जॉश हेज़लवुड, मिचेल स्टार्क, लांस मॉरिस

अभिनव चौधरी ने पुरुषों की रैपिड-फायर पिस्टल में स्वर्ण पदक जीता

नई दिल्ली/भोपाल, 3 दिसंबर (एजेंसियां) राजस्थान के अभिनव चौधरी ने भोपाल में चल रही 66वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैम्पियनशिप प्रतियोगिता (एनएससीसी) रविवार को एमपी राज्य शूटिंग अकादमी रेंज में पिस्टल स्पर्धा में पुरुषों की 25 मीटर रैपिड-फायर पिस्टल (आरएफपी) का खिताब जीता।

अभिनव ने फाइनल में 30 का स्कोर बनाकर उत्तर प्रदेश के अंकुर गोयल को पछाड़ दिया, जिन्होंने 26 हिट अपने नाम किए। दिल्ली के अर्पित गोयल 21 के साथ तीसरे स्थान पर रहे। अभिनव ने इससे पहले क्वालीफिकेशन में 584 के स्कोर के साथ शीर्ष छह निशानेबाजों के फाइनल राउंड के लिए क्वालीफाई किया था, जो अग्रणी स्कोर भी था। जूनियर पुरुष आरएफपी में, विजयवीर सिद्धू ने फाइनल में 28 हिट के साथ स्वर्ण पदक जीता, और हरियाणा के पेरिस ओलंपिक कोटा विजेता अनीश भनवाला से बेहतर प्रदर्शन किया, जिनके पास 25 थे। पंजाब ने इस स्पर्धा में स्वर्ण और कांस्य जीता जब राजकंवर सिंह संधू ने 20 का स्कोर करके कांस्य पदक जीता।

हालाँकि, अनीश (578) ने पुरुष आरएफपी में समीर (578) और आदर्श सिंह (571) के साथ मिलकर 1727 के संयुक्त प्रयास से टीम स्पर्धा जीती। विजयवीर ने राजकंवर और जुड़वां भाई उदयवीर के साथ जूनियर टीम का स्वर्ण जीता।

एक कप्तान के तौर पर पैट कमिंस मेरी उम्मीदों से कहीं आगे निकले : इयान चैपल

सिडनी, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर इयान चैपल ने कहा कि तेज गेंदबाज पैट कमिंस एक कप्तान के रूप में उनकी उम्मीदों से आगे निकल गए हैं। उन्होंने कहा कि वह न केवल टेस्ट क्रिकेट में, बल्कि 50 ओवर के प्रारूप में भी सफल साबित हुए हैं। यह कमिंस के लिए एक उल्लेखनीय वर्ष रहा है, जहां उनके नेतृत्व में, ऑस्ट्रेलिया ने एशेज बरकरार रखी और इंग्लैंड में अपनी पहली विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप गदा जीती और भारत में 2023 पुरुष एकदिवसीय विश्व कप खिताब जीतकर और अधिक गौरव बढ़ाया, जिसमें पहले दो मैच हारने के बाद लगातार आठ मैच जीते।

कमिंस हमेशा एक अच्छे कप्तान बनने वाले थे। तेज गेंदबाजी कप्तान होने की कठिनाइयों को एक पल के लिए नजरअंदाज करते हुए, वह आसानी से ऑस्ट्रेलियाई टीम में सबसे प्रेरणादायक खिलाड़ी थे, और क्रिकेट के सामान्य ज्ञान से संपन्न खिलाड़ी थे। चैपल ने ईएसपीएन क्रिकइन्फो के लिए अपने कॉलम में लिखा, कमिंस ने न केवल खुद को एक योग्य टेस्ट कप्तान साबित किया है, उनका नेतृत्व अब विस्तारित हो गया है और वह

50 ओवर के क्रिकेट में भी सफल हैं। मैंने सोचा था कि वह एक अच्छा कप्तान होगा लेकिन वह मेरी उम्मीदों से कहीं आगे निकल गया। उन्होंने यह भी महसूस किया कि अगर प्रशंसक कमिंस के खेल खेलने के तरीके से प्रेरित नहीं हैं तो वे गलत खेल में हैं। कोई भी क्रिकेटर जो कमिंस से प्रेरित नहीं है वह गलत खेल में है। इसके अलावा, कमिंस बड़े दिल वाले एक उत्कृष्ट तेज गेंदबाज हैं और जब जरूरत होती है तब विकेट लेने की उनकी कला बहुत प्रशंसनीय है। इसे खत्म करने के लिए, वह एक ऐसा गेंदबाज है जो नियमित रूप से विपक्षी टीम के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों को परेशान करता है।

ये गुण उन्हें एक प्रेरक कप्तान बनने के योग्य बनाते हैं। बाकी यह ऑस्ट्रेलिया टीम का नेतृत्व करने और यह देखने का मामला है कि वह क्या काम कर सकता है। एक कप्तान के रूप में सुधार करने का एकमात्र तरीका काम करना है, गलत अनुमान लगाना और किसी भी असफलता से तुरंत सीखना है।

चैपल का यह भी मानना है कि कमिंस ने तब तक कप्तान रहने का अधिकार हासिल करने के लिए काफी कुछ किया है, जब तक वह रहना चाहते हैं। विभिन्न देशों और प्रारूपों में और विभिन्न परिस्थितियों में एक कप्तान के रूप में अच्छा प्रदर्शन करके, कमिंस खुद को उस श्रेणी में रख रहे हैं। उस तिकड़ी में से केवल इमरान - शानदार उपस्थिति वाले उत्कृष्ट नेता - तेजी से बढ़ते सीमित ओवरों के क्रिकेट के युग में खेले।

मैं कमिंस को मार्क वॉ और अनिल कुंबले के समान श्रेणी में रखूंगा - भयंकर प्रतिस्पर्धी जो अपने कार्यों से अपने इरादे स्पष्ट रूप से व्यक्त

सार संक्षेप

मोहन बागान सुपर जाइंट ने आईएसएल में हैदराबाद एफसी को 2-0 से हराया

भुवनेश्वर। मोहन बागान सुपर जाइंट ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में दूसरे हाफ में किए गए दो गोलों की बदौलत हैदराबाद एफसी को 2-0 से हरा दिया। मेरिनर्स को इस हफ्ते की शुरुआत में घरेलू मैदान पर ओडिशा एफसी के खिलाफ 5-2 से हार का सामना करना पड़ा। हैमिल ने 85वें मिनट में स्कोरिंग की शुरुआत की, और राय ने 96वें मिनट में गोल कर मेरिनर्स की जीत पक्की कर दी, इस टूर्नामेंट में मोहन बागान सुपर जायंट की पांचवीं जीत है। हैदराबाद एफसी अपना अगला मुकाबला 10 दिसंबर को गुवाहाटी में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी से खेलेगी, जबकि मोहन बागान सुपर जाइंट छह दिसंबर को साल्ट लेक स्टेडियम में ओडिशा एफसी से भिड़ेगी। हैदराबाद एफसी के थांगबोई सिंग्नल ने कहा, मोहन बागान के बारे में बोलते हुए, मुझे लगता है कि यह सितारों की टीम है, लेकिन मैंने ओडिशा एफसी के खिलाफ उनका मैच देखा और मुझे लगता है कि यह उनके साथ खेलने का अच्छा समय है। उनके पास बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं, शुरुआत में भी और बेंच पर भी।

केंद्रीय अनुबंध पाने के लिए विंडीज वनडे, फ्रेंचाइजी क्रिकेट की तलाश में इंग्लैंड के विल जैक

लंदन। केंद्रीय अनुबंध तय करते समय इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) द्वारा नजरअंदाज किए गए इंग्लैंड के युवा ऑलराउंडर विल जैक नॉर्थ साउंड में वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू होने वाली एकदिवसीय श्रृंखला को स्थायी रूप से टीम में जगह बनाने और अगले साल केंद्रीय अनुबंध सूची में शामिल होने के अवसर के रूप में देख रहे हैं। । इसके अलावा, विल जैक्स अगले साल के आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 में जगह पक्की करने के लिए अपने भविष्य के अवसरों का अधिकतम लाभ उठाना चाह रहे हैं। 25 वर्षीय ऑलराउंडर ने अपने शुरुआती करियर में तीन प्रारूपों में प्रदर्शन किया है और उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी एकदिवसीय श्रृंखला में सलामी बल्लेबाज की भूमिका सौंपी गई है। रविवार को पहले मैच की पूर्व संध्या पर जैक्स ने कहा, यह हमेशा महत्वपूर्ण है कि आपको यह विश्वास दिया जाए कि चाहे कुछ भी हो आप टीम में बने रहेंगे। भले ही मैं रविवार को असफल हो जाऊं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा, मेरे पास जाने का एक और मौका होगा और आखिरी दो मैचों में सफलता हासिल करूंगा। उन सभी के लिए जो उस आक्रामक शैली को खेलना चाहते हैं, आपको इसकी आवश्यकता है। यदि आप असफलता का डर मन में लाते हैं या इस बात की चिंता करते हैं कि आप खेलेंगे या नहीं, तो जाहिर तौर पर यह आपके प्रदर्शन में बाधा डालता है, और आप 100 प्रतिशत आत्मविश्वास के साथ नहीं खेल पाएंगे।

वॉर्नर अभी भी पहला टेस्ट जीतने वाले हमारे सर्वश्रेष्ठ 11 खिलाड़ियों में हैं : जॉर्ज बेली

पर्थ, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज मिशेल जॉनसन द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ 14 दिसंबर से शुरू होने वाले पहले टेस्ट के लिए डेविड वार्नर के चयन पर तीखा हमला करने के बाद, मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज के समर्थन में सामने आए और कहा कि वह उस्मान ख्वाजा के साथ ओपनिंग करने के लिए अभी भी सबसे अच्छा विकल्प है। इस साल की शुरुआत में, वार्नर ने सिडनी में अपने घरेलू मैदान पर पाकिस्तान के खिलाफ तीसरे और अंतिम टेस्ट में अपने टेस्ट करियर को समाप्त करने की इच्छा व्यक्त की थी। हालाँकि वार्नर सफेद गेंद वाले क्रिकेट में असाधारण फॉर्म में हैं, उन्होंने 2020 की शुरुआत से केवल 31.79 की औसत से रन बनाए हैं और इस साल पांच एशेज टेस्ट में 28.50 की औसत से केवल 285 रन बनाए हैं।

बेली ने संवाददाताओं से कहा, आखिरकार, हम अभी भी सोचते हैं कि वह पहला टेस्ट जीतने वाले हमारे सर्वश्रेष्ठ 11 खिलाड़ियों में से एक है। मुझे लगता है कि टेस्ट क्रिकेट, जिस तरह से विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप अंक निर्धारित करता है, उसके संदर्भ में, प्रत्येक टेस्ट महत्वपूर्ण है। प्रत्येक मैच के लिए अंक लाइन पर हैं । तो हमारा ध्यान उन 11 को चुनने पर है जो हमें लगता है कि यह काम कर सकते हैं और जाहिर तौर पर इसमें प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका होती है और यह वास्तव में पूरी टीम को कैसे तैयार करता है और हमें लगता है कि डेविड इसके लिए सही व्यक्ति हैं। वार्नर के बारे में आगे बात करते हुए, बेली ने कहा, स्पष्ट रूप से डेव श्रृंखला के माध्यम से सिडनी में समाप्त करना चाहेंगे, और हम इसका पूरा सम्मान करते हैं। हम इस तथ्य को लेकर काफी सुसंगत रहे हैं कि किसी भी खिलाड़ी के साथ, यह इस बात पर निर्भर करता है कि वे एक व्यक्ति के रूप में कैसा प्रदर्शन करते हैं, और वह प्रदर्शन वास्तव में टीम के कार्य में कैसे फिट बैठता है, और यह नहीं बदलेगा।

हमें घरेलू टेस्ट श्रृंखला होने और टेस्ट दर टेस्ट टीम का चयन करने में सक्षम होने का फायदा मिलता है। और यह डेव के लिए विशिष्ट नहीं है, लेकिन मुझे लगता है कि सभी खिलाड़ी, यह प्रदर्शन के बारे में है और यह टीम में कैसे फिट बैठता है जो किसी भी टेस्ट में टीम का स्वरूप तय करेगा। बेली ने यह भी बताया कि ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम में वार्नर की जगह लेना एक लंबी यात्रा हो सकती है, जैसा कि 2007 से 2011 तक शेन वार्न के प्रतिस्थापन की खोज करते समय हुआ था।

विपक्षी को दबाव में रखने की क्षमता बहुत खास है, और इसे हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। जब भी आपके पास कोई ऐसा व्यक्ति हो जो इतनी लंबी उम्र का हो और किसी भूमिका में इतना प्रभावशाली हो, (यह महत्वपूर्ण है) कि जो भी हो उसकी अपेक्षाओं पर काबू पाया जाए वहां प्रतिस्थापन होने जा रहा है।

फातिमा, शवाल ने पाकिस्तान को न्यूजीलैंड पर ऐतिहासिक महिला टी20 जीत दिलाई

डुनेडिन, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। तेज गेंदबाज फातिमा सना के शानदार 3-18 और शवाल जुल्फिकार के 41 रनों की बदौलत पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज का पहला मैच सात विकेट से जीत लिया। इस परिणाम का मतलब यह भी है कि पाकिस्तान को न्यूजीलैंड पर पहली महिला टी20 जीत मिली है।

पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम फातिमा की बेहतरीन गेंदबाजी के कारण 127/6 पर सिमट गई। फातिमा, जो चोट के कारण बांग्लादेश दौरे से चूक गईं, ने बादल छाए रहने की स्थिति का फायदा उठाते हुए 3-18 का शानदार स्पैल डाला, जिसमें बर्नडाइन बेजुइडेनहाउट, केट एंडरसन और सूजी बेट्स के विकेट शामिल थे । कप्तान निदा डार, डायना बेग और आलिया रियाज ने नियमित अंतराल पर एक-एक विकेट लेकर न्यूजीलैंड की पारी को फिर से बनाने के काम को नुकसान पहुंचाया। मैडी ग्रीन सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी रहीं, उन्होंने 28 गेंदों पर पांच चौकों की मदद से नाबाद 43 रन बनाए और न्यूजीलैंड को 120 के पार पहुंचाया। 128 रनों का पीछा करते हुए, पाकिस्तान की शवाल और मुनीबा अली की सलामी जोड़ी ने 40 रनों की अच्छी साझेदारी की,लेकिन मुनीबा बाद में 24 गेंदों में 23 रन बनाकर सोफी डिवाइन का शिकार बन गईं। निदा ने खुद को इस क्रम में आगे बढ़ाया और युवा शवाल के साथ दूसरे विकेट के लिए 51 रनों की साझेदारी की।

बेल्जियम से हारकर भारत जूनियर महिला विश्व कप से बाहर

सैंटियागो, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। एफआईएच जूनियर महिला विश्व कप के चौथे दिन ने कुछ टीमों के भाग्य का फैसला कर दिया है क्योंकि भारत और दक्षिण अफ्रीका प्रतियोगिता से बाहर हो गए हैं, जबकि पूल ए और सी की चार अन्य टीमें - नीदरलैंड, ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम और जर्मनी - ने शीर्ष 8 में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया। बेल्जियम ने पूल सी में तालिका में शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए रोमांचक मुकाबले में भारत पर 3-2 से जीत हासिल की, जबकि जर्मनी ने पूल सी में दूसरा स्थान हासिल करने के लिए कनाडा पर बड़ी जीत दर्ज की।

पूल ए में, ऑस्ट्रेलिया और नीदरलैंड्स, जिन्होंने क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह लगभग पक्की कर ली थी, ने यह सुनिश्चित किया कि वे दक्षिण अफ्रीका और चिली को बड़े अंतर से हराकर उच्च स्थान पर रहें। इन चारों टीमों ने क्वार्टर फाइनल में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया है जबकि अपने-अपने पूल में तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमों को 9वें से 16वें स्थान के लिए वर्गीकरण मैच खेलना होगा। शनिवार रात दिन के पहले मैच में भारत और बेल्जियम के बीच कांटे की टक्कर हुई। पांचवें मिनट में नोआ श्रेउर्स ने फील्ड गोल करके बेल्जियम के लिए खाता खोला। इसके बाद यह बराबरी का मुकाबला था और दोनों टीमें गोल करने के मौके बनाने की कोशिश कर रही थीं। फ्रांस डी मोट ने बेल्जियम के लिए एक और गोल कर अपनी बढ़त को दोगुना कर दिया, लेकिन तब इस प्रतियोगिता में भारत की स्टार खिलाड़ी अन्नू थीं, जिन्होंने पांच मिनट के भीतर दो गोल करके भारत को खेल में वापस ला दिया। हालाँकि, 52वें मिनट में एस्ट्रिड बोनामी के विजयी गोल ने पूल सी में शीर्ष पर रहने की भारत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। दिन के दूसरे मैच में जर्मनी ने कनाडा को 8-0 से हरा दिया, यह गोल का उत्सव था। लौरा प्लुथ और कप्तान लिली स्टॉफेल्स्मा दोनों ने हैट्रिक बनाई, जबकि कैटरीना हैड और जोआना बोहरिंगर ने

एक-एक गोल किया। जर्मनी ने पूरे मैच में अपना दबदबा बनाए रखा और 14 पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किए और कई बार प्रतिद्वंद्वी सर्कल में प्रवेश किया। इस जीत के साथ, जर्मनी पूल सी में बेल्जियम के नीचे दूसरे स्थान पर रहा, जबकि कनाडा तीन में से शून्य जीत के साथ सबसे नीचे रहा।

ऑस्ट्रेलिया ने पूल चरण में दो जीत और एक हार के साथ विश्व कप के अपने आखिरी लीग मैच में दक्षिण अफ्रीका को एकतरफा मुकाबले में 4-0 से हराया। वह मकायला जोन्स थीं जिन्होंने चौथे मिनट में तेज फिनिश के साथ ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए स्कोरिंग की शुरुआत की। ऑस्ट्रेलिया को 11 पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन वह केवल एक को ही गोल में बदल सका, जिसका श्रेय दक्षिण अफ्रीकी गोलकीपर मोर्गन डी जैगर को जाता है। तीन मैचों में तीन हार के साथ दक्षिण अफ्रीका पूल ए में सबसे निचले स्थान पर रहा।

यह नीदरलैंड बनाम चिली के बीच एक समान मैच था क्योंकि महिला हॉकी में दुनिया की सबसे खतरनाक टीमों में से एक, नीदरलैंड ने मेजबान टीम को 7-0 से हराया था। वे शुरू से ही लय में थे और पहले दस मिनट में तीन गोल दागे।

नीदरलैंड पूल ए में शीर्ष पर रहा, और ऑस्ट्रेलिया के साथ क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया, जबकि दक्षिण अफ्रीका और चिली 9वें-16वें स्थान के क्वालीफिकेशन मैचों में खेलेंगे।

देशबन्धु

भोपाल, सोमवार 4 दिसम्बर 2023

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

क्यों हारी कांग्रेस

पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों में चार के नतीजे 3 दिसंबर को आ गए। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक चार में से तीन राज्य भाजपा के खाते में और एक कांग्रेस के खाते में जा रहा है। यानी मुकाबला बीजेपी के नाम ही रहा है। तीन में से दो राज्य, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में पिछले पांच साल कांग्रेस की सरकार रही और अब अगले पांच साल के लिए सत्ता भाजपा के खाते में जा रही है। वहीं मध्यप्रदेश की सत्ता इस बार नैतिक तरीके से भाजपा के पास आ गई है। पिछली बार कांग्रेस के हाथों से भाजपा ने छल के जरिए सत्ता हथिया ली थी और विधानसभा चुनावों में यह बड़ा मुद्दा भी बना था। लेकिन जनता को शायद सरकार चुराने के इस खेल से खास फर्क नहीं पड़ा या फिर अन्य कारण कांग्रेस के खिलाफ काम कर गए और सत्ता पूरी तरह से भाजपा के हाथ में आ गई है। ये तीनों हिंदी पट्टी के राज्य हैं, और यहां भाजपा बरसों से कांग्रेस से मजबूत रही है। हिंदी पट्टी राज्यों में धर्म का कार्ड कैसे चलना है, इस की विशेषज्ञ भाजपा है। जबकि कांग्रेस उसकी नकल करने के चक्कर में पिट गई। जब लोगों को धर्म के आधार पर ही वोट देना है, तो वो असली छोड़, नकली माल की ओर क्यों देखेंगे। कांग्रेस पता नहीं कब इस बात को समझेगी कि सॉफ्ट हिंदुत्व से वो बीजेपी का मुकाबला नहीं कर पाएगी। बागेश्वरधाम जैसे बाबा के चरणों में सिर नवाने में किसी कांग्रेस नेता की निजी श्रद्धा हो सकती है, और ऐसा करके वह अपनी और अपने परिवार की जीत सुनिश्चित कर सकता है, लेकिन यहां पार्टी आलाकमान की जिम्मेदारी है कि वे पूछें कि इससे कांग्रेस का भला कैसे हो सकता है। जाहिर है कमलनाथ जैसे नेताओं की इस तरह की मनमर्जी पर आलाकमान रोक नहीं लगा पाया और इसका नतीजा कांग्रेस को भुगतना पड़ा है।

इन नतीजों में भाजपा के लिए दक्षिण के दरवाजे एक बार फिर बंद हो गए हैं। तेलंगाना में कांग्रेस सरकार बनाने जा रही है। इन नतीजों की एक और व्याख्या ये है कि देश में दक्षिण और उत्तर भारत की मानसिकता का फर्क पूरी तरह सतह पर आ गया है। कांग्रेस ने जैसी गारंटियां कर्नाटक में दी थीं, वैसी ही तेलंगाना और छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और राजस्थान में भी दी थीं। लेकिन इन गारंटियों का असर दक्षिण भारत में अलग हुआ और उत्तर भारत में अलग रहा। रोजगार, नौकरियों के लिए परीक्षाएं, सस्ता परिवहन, स्वास्थ्य सुविधाएं, शिक्षा, किसानों, मजदूरों के हित, ओबीसी का हक ऐसे तमाम मुद्दों पर उत्तर और दक्षिण भारत की जनता की सोच अलग नजर आई। कर्नाटक के बाद तेलंगाना के लोगों ने कांग्रेस की विकासपरक सोच को धर्म के ऊपर तरजीह दी, लेकिन हिंदी पट्टी में धर्म बाजी मार गया। इन नतीजों में क्षत्रपों के रवैये ने भी कांग्रेस को नुकसान पहुंचाया है। तेलंगाना में कांग्रेस अध्यक्ष रेवंत रेड्डी का कहना है कि 20 साल की राजनीति में 15 साल वो विपक्ष में रहे हैं और इसने उन्हें जनता से जोड़ा है, नयी पहचान दी है। गौरतलब है कि एबीवीपी से राजनीति की शुरुआत करने वाले रेवंत रेड्डी टीडीपी में भी रहे और फिर कांग्रेस में आए। दो साल पहले ही उन्हें कांग्रेस की राज्य ईकाई की कमान मिली और अपने पर दिखाए इस भरोसे को उन्होंने गलत साबित नहीं होने दिया। तेलंगाना में बीआरएस, एआईएमआईएम और भाजपा की मिली-जुली घेराबंदी को तोड़ते हुए उन्होंने कांग्रेस को आगे निकाला। जाहिर है ये काम एक अकेले के बस का नहीं है, बल्कि पूरे संगठन को साथ लेकर चलने की क्षमता की जरूरत होती है। रेवंत रेड्डी ने इसी क्षमता का परिचय दिया। लेकिन छत्तीसगढ़, राजस्थान और मध्यप्रदेश में तीन की जगह केवल एक प्रतिद्वंद्वी यानी भाजपा से ही कांग्रेस को मुकाबला करना था, उसमें भी छत्तीसगढ़ और राजस्थान में तो उसकी अपनी सरकारें थीं, मगर फिर भी कांग्रेस यहां फेल हो गई, क्योंकि उसके क्षत्रपों ने पार्टी की जगह खुद को जरूरत से अधिक तवज्जो दे दी। पार्टी आलाकमान इन्हें साध नहीं पाया या इन क्षत्रपों का अहंकार पार्टी से बढ़कर हो गया, इसकी विवेचना खुद कांग्रेस को करनी होगी। मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान, तीनों जगह कांग्रेस में बड़े पदों पर बैठे नेता भाजपा से अधिक एक-दूसरे से लड़ने में व्यस्त रहे। इस तरह कहा जा सकता है कि इन क्षत्रपों का अहंकार जीत गया, और पार्टी की हार या जीत से इन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। क्योंकि फर्क पड़ता होता तो चुनाव के करीब आने पर एकता का दिखावा करने की जगह वे ईमानदारी से अपनी दरारें भरते, ताकि पार्टी को जीत मिलती। राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के कांग्रेस नेता न आलाकमान के भरोसे पर खरे उतरे, न स्थानीय कार्यकर्ताओं के। वे केवल अपने अहंकारों की कसौटी पर खरे उतरे। अब ये कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के विचार करने का सवाल है कि इसके बाद इन राज्यों में कांग्रेस को सही अर्थों में वे कैसे पुनर्जीवित करेंगे और कैसे बेलगाम हो चुके नेताओं को काबू में रखेंगे।

कांग्रेस की तीन राज्यों में हार का असर क्या अब इंडिया गठबंधन पर पड़ेगा या 2024 के चुनाव इससे किसी तरह प्रभावित होंगे, अभी ऐसे कुछ सवालों पर चर्चा चलेगी। हालांकि पिछले चुनाव के अनुभव यही बताते हैं कि राज्य जीतने के बावजूद कांग्रेस आम चुनाव हार गई थी। मुमकिन है इस हार से कांग्रेस की तंद्रा भंग हो और वो 2024 की रणनीति तैयार करने में इस बार हुई भूलों से सबक ले सके। अगर कांग्रेस तीन राज्यों में जीत जाती, तो शायद उसके क्षत्रपों की मनमानी और बढ़ जाती और 2024 में उसका अच्छा असर नहीं होता। इस लिहाज से ठीक ही हुआ कि कांग्रेस ने हिंदी पट्टी के राज्यों में हार का स्वाद चख लिया है। देश की असल पहचान और संविधान बचाने के लिए जरूरी है कि उन सामाजिक मूल्यों की पुनर्स्थापना हो, जो बीते दशक में तेजी से दफन कर दिए गए हैं। जिन बातों को न्यू नॉर्मल कहकर सहज स्वीकृति मिल चुकी हैं, वे दरअसल भारत की जड़ों को खोखला कर रही हैं। इसलिए सत्ता का केन्द्रीकरण और व्यक्तिकेन्द्रित राजनीति दोनों को खत्म करना होगा। इंडिया गठबंधन की जीत से यह मुमकिन हो सकता है, इसलिए 2024 के चुनावों पर अब कांग्रेस और गठबंधन के बाकी दलों का फोकस होना चाहिए। हालांकि भाजपा की पूरी कोशिश रहेगी कि मोदी मैजिक जैसे जुमले को वो भारतीय राजनीति का सच बनाने की कोशिश करे।

फिलहाल इस बार के बाद अब यह देखना है कि भाजपा का अहंकार और कितना बढ़ता है, गांधी परिवार पर उसके हमलों में कितनी तेजी आती है और ये भी देखना है कि कांग्रेस कब ईमानदारी से आत्ममंथन कर अपनी गलतियों को सुधारती है। कांग्रेस को यह समझना होगा कि मोहब्बत के कारोबार का जिम्मा केवल राहुल गांधी के कंधों पर नहीं डाला जा सकता, इसमें सबको अपनी हिस्सेदारी निभानी होगी।

उत्तर भारत में भाजपा नहीं जीती कांग्रेस हारी

उत्तर भारत के क्षत्रपों ने कांग्रेस को फिर डुबो दिया। जबकि तेलंगाना के नायक रेवंत रेड्डी ने कर्नाटक के सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार की तरह दक्षिण में कांग्रेस की नैया पार लगा दी।

राहुल गांधी का रोल हर जगह समान रहा। खूब मेहनत की। निश्चित ही रूप से उनके साथ पार्टी अध्यक्ष खरगे जी और प्रियंका गांधी की भी पूरी मेहनत रही। मगर उनके नेता कमलनाथ, गहलोत, पायलट, भूपेश बघेल, टीएस सिंहदेव सब अपनी ढपली अपना राग बजाते रहे। किसी को न पार्टी की चिन्ता थी और न ही राहुल की।

नतीजा सबके सामने है। जबकि दक्षिण में कर्नाटक भी और फिर तेलंगाना भी कांग्रेस के स्थानीय नेताओं ने अपना अहं छोड़कर पार्टी के लिए लड़ा। और वहां का नतीजा भी सामने है।

अब फैसला कांग्रेस नेतृत्व को करना है। उसे उत्तर भारत के इन क्षत्रपों पर लगाम लगाना है या फिर ऐसा ही ढीला ढाला रवैया चलते रहने देना है।

राजस्थान में पांच साल से ज्यादा कांग्रेस में भयंकर गुटबाजी चली। 2018 के चुनाव में जाने से पहले गहलोत और पायलट में तलवारें खिंच चुकी थीं। और उसके बाद 2023 में रिजल्ट आने के बाद तक वे म्यानों में वापस नहीं गईं। हमने शायद दो साल पहले लिखा था कि वोट कांग्रेस को मिलते हैं। उसके नेताओं सोनिया गांधी राहुल के नाम पर। उसकी नीतियों को लोग पसंद करते हैं। मगर चुनाव जीतने के बाद क्षत्रप यह समझने लगते हैं कि वोट उन्हें मिले। लोकप्रियता उनकी है और वे अपनी मनमानी करने लगते हैं। हमारी यह बात उस समय कांग्रेस के कुछ बड़े नेताओं की समझ में आई थी। एकाध ने सार्वजनिक रूप से उसका समर्थन कर दिया। बड़ा हंगामा मचा। कांग्रेस के क्षत्रप लाल-पीले हो गए। मगर बात सच थी और आज नुकसान उठाकर कांग्रेस की समझ में आई है।

हमने यह भी लिखा था कि कांग्रेस को राजस्थान में गहलोत और पायलट दोनों को भूलकर तीसरा नेतृत्व तैयार करना चाहिए। मगर कांग्रेस कभी सुनती है? याद रखना चाहिए कि राजस्थान में प्रधानमंत्री मोदी ने वहां की सबसे बड़ी नेता वसुंधरा राजे को किनारे करके चुनाव लड़ा। मगर कांग्रेस गहलोत और पायलट के बीच झूलती रही। जिस समय पायलट अपने विधायकों को लेकर मानेसर गए कांग्रेस क्या कर रही थी? क्यों नहीं पायलट के खिलाफ एक्शन लिया गया? और फिर जब पार्टी अपना सबसे बड़ा डिसिजन ले रही थी। परिवार के बाहर का अध्यक्ष बनाने का तो गहलोत ने राजस्थान की कहावत के अनुसार मुट्ठी भर बाजरे के लिए हिन्दुस्तान की बादशाहत ठुकरा दी।

कांग्रेस गहलोत को अध्यक्ष बना रही थी। मगर राजस्थानी भाषा के अनुसार गहलोत नट गए। मतलब इन्कार कर दिया। और उसके साथ ही उन्होंने भी पार्टी का अनुशासन तोड़ने का एक बड़ा काम भी कर दिया। कांग्रेस ने वहां विधायक दल की बैठक बुलाई थी। उसमें

शकील अख्तर

2023 कांग्रेस के लिए निराशा का साल बन गया। मगर एक अवसर है। अगर कांग्रेस सीख सके तो। क्षत्रपों पर कंट्रोल। दलाल नेताओं की पहचान। खाली दफ्तर में बैठकर मीडिया के जरिए अपना फोटो चमकाने वालों को तत्काल पदों से हटाना। और अच्छी बात अभी यह है कि कांग्रेस अध्यक्ष ने अभी अपनी नई टीम घोषित नहीं की है।

आब्जर्वर के तौर पर उस समय के राजस्थान इंचार्ज अजय माकन और खरगे जी जिनका नाम उस समय अध्यक्ष पद की रेस में दूर-दूर तक नहीं था गए थे। मगर गहलोत ने अपने समर्थक विधायकों को उसे बैठक में जाने से रोक दिया। कांग्रेस इस पर कोई एक्शन नहीं ले पाई। नतीजा आज राजस्थान के रिजल्ट हैं।

मध्य प्रदेश की कहानी तो और भी खराब है। वहां तो कमलनाथ ने अपने आपको भावी मुख्यमंत्री ही लिखवाना शुरू कर दिया था। ये तो सबको मालूम था कि वे किसी से मिलते-जुलते नहीं हैं। मगर यह नहीं मालूम था कि वे समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री पूरे टर्म के अखिलेश यादव के लिए ऐसे भी बोल सकते हैं कि अरे छोड़िए भी अखिलेश वखिलेश! और इससे भी आगे जाकर दस साल मुख्यमंत्री रहे दिग्विजय सिंह और उनके विधायक पुत्र जयवर्द्धन सिंह जिनका टिकट बंटवारे से कोई लेना-देना नहीं के लिए यह बोल सकते हैं कि जाकर उनके कपड़े फाड़ो।

दिग्विजय ने एक कार्यक्रम में इस पर कमलनाथ की मौजूदगी में ही हल्के व्यंग्य के साथ एक कमेंट भी किया। मगर पार्टी की एकता बनाए रखने को ध्यान में रखते हुए ज्यादा तूल नहीं दिया। इसके साथ ही बेमतलब की फिल्मी डायलगबाजी की गई। वहां कांग्रेस इन्चार्ज के तौर पर अच्छा-भला बैकग्राउंड में रहकर काम कर रहे वरिष्ठ नेता जयप्रकाश अग्रवाल को अचानक प्रेस नोट जारी करते पद से हटा दिया गया। इतने वरिष्ठ नेता को पहले से जानकारी देना भी कांग्रेस ने उचित नहीं समझा। जिस समय उन्हें हटाने की विज्ञप्ति आई वे कांग्रेस मुख्यालय के अपने आफिस में पत्रकारों को भाजपा पर बाइट दे रहे थे। बता रहे थे कि कांग्रेस कैसे मध्य प्रदेश से भाजपा को हटाएगी मगर उसी समय उन्हीं को हटा दिया गया। उनकी जगह आए रणदीप सुरजेवाला ने उनकी चुपचाप काम करने वाली स्टाइल के विपरीत धूम-धड़ाका शुरू कर दिया। कमलनाथ और दिग्विजय को फिल्म शोले की जय-वीरू की जोड़ी बता दिया। बीजेपी तो इसी के इंतजार में थी। उसने फौरन सवाल किया की फिल्म खत्म होने से पहले एक खत्म हो गया था। वह कौन है? और वह अब कमलनाथ निकले।

कमलनाथ के पुत्र नकुलनाथ ने तारीख तो मध्यप्रदेश में उनके शपथ ग्रहण की बताई थी मगर किस को पता था कि उनकी राजनीति ही खत्म हो जाएगी। कमलनाथ किसी की सुनते नहीं थे। इंडिया गठबंधन ने जिस एंकर का बायकाट किया था उसे वे अपने जहाज में घुमाते हुए इंटरव्यू दे रहे थे। अपने आसपास के लोगों द्वारा रोज सुबह-शाम जय जय कमलनाथ सुनकर उन्हें लगने लगा था कि वे मुख्यमंत्री बन ही गए हैं।

अब बात छत्तीसगढ़ की। जहां कांग्रेस सबसे ज्यादा अपनी जीत सुनिश्चित मान रही थी। भाजपा को दस से ज्यादा सीटें न देने की बात कही जा रही थी। वहां मुख्यमंत्री बघेल, कमलनाथ जैसे अहंकार में तो नहीं थे मगर आत्मुमग्ध थे। उनके आसपास भी ऐसे लोगों की भीड़ जुट गई थी जो करते-धरते तो कुछ नहीं थे मगर रोज आकर बघेल को कहानियां सुनाते थे कि उनकी लोकप्रियता इतनी बढ़ गई है।

तीनों राज्यों में एक बात कॉमन थी कि दो के मुख्यमंत्री गहलोत और बघेल को और तीसरे के प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ को चापलूस लोगों ने घेर रखा था। सत्ताधारियों का चाटुकारों और दलालों से घिरा होना कोई खास बात नहीं मगर खास बात यह है कांग्रेस के नेता इनके अलावा किसी और से कोई संपर्क ही नहीं रखते थे।

यहां एक बात और कह दें कि दिल्ली भी अब अपने नेताओं पर निगाह नहीं रख पाती है। इन्दिरा गांधी के समय तक कांग्रेस में एक निगरानी की व्यवस्था थी। बाद में बीच के लोगों ने खुद ही सबकुछ देख लेने की जिम्मेदारी लेकर सब कुछ व्यक्तिगत बना दिया। सिस्टम खत्म कर दिया।

2023 कांग्रेस के लिए निराशा का साल बन गया। मगर एक अवसर है। अगर कांग्रेस सीख सके तो। क्षत्रपों पर कंट्रोल। दलाल नेताओं की पहचान। खाली दफ्तर में बैठकर मीडिया के जरिए अपना फोटो चमकाने वालों को तत्काल पदों से हटाना।

और अच्छी बात अभी यह है कि कांग्रेस अध्यक्ष ने अभी अपनी नई टीम घोषित नहीं की है। उसे लिस्ट में से उन सब लोगों को निकालकर बाहर कर देना चाहिए जो केवल बातें करते हैं। जिनका कोई काम नहीं है। नए लोगों को जिम्मेदारियां देना चाहिए। गणेश परिक्रमा करने वाले कांग्रेस के सबसे बड़े दुश्मन हैं।

इतनी नफ़रत इतना ज़हर?

■ तनवीर जाफ़री

हमारे भारतीय समाज में धार्मिक सद्भावना की जड़ें इतनी गहरी हैं कि दुनिया भारत के इस सद्भवना पूर्ण इतिहास की मिसालें पेश करती है। भारत को 'अनेकता में एकता' रखने वाले देश के रूप में जाना जाता है। जिस देश में हिन्दू देवी देवताओं के प्रशंसक कवि रहीम, रसखान और जायसी जैसे अनेक कवि हों, जिस देश में अकबर के सेनापति मान सिंह और महाराणा प्रताप के सेनापति हाकिम ख़ान सूर रहे हों ,जिस देश में छत्रपति शिवाजी महाराज के कई सेनापति, नेवल कमाण्डर से लेकर उनके गुप्त दस्तावेज़ पढ़ने व उसका जवाब देने वाले मुस्लिम रहे हों, जिस देश की आज़ादी की लड़ाई में क़ुर्बान होने वाले लाखों हिन्दू-मुस्लिम-सिख-ईसाई शहीदों के नाम से पोर्ट ब्लेयर जेल की दीवारें तथा नई दिल्ली के इण्डिया गेट की शिलायें पटी पड़ी हों, जिस देश की सेना में शहीद होकर ब्रिगेडियर उस्मान व वीर अब्दुल हमीद जैसे हज़ारों शहीदों ने अपनी राष्ट्रभक्ति व कर्तव्यपरायणता की मिसाल पेश की हो। जिस देश की मिसाइल व परमाणु सुरक्षा प्रणाली का जनक भारत रत्न मिसाइल मैन ए पी जे अब्दुल कलाम जैसा महान वैज्ञानिक हो, उसी देश में नफ़रत और ज़हर से भरा हुआ संकीर्ण मानसिकता रखने वालों का एक छोटा सा वर्ग ऐसा भी है जो न केवल उपरोक्त तथ्यों को नज़र अंदाज़ करने की कोशिश करता रहता है बल्कि इसके विपरीत साम्प्रदायिक विद्वेष फैलाने तथा नफ़रत के प्रचार प्रसार के काम में भी व्यस्त रहता है। आश्चर्य की बात तो यह है कि इन स्वयंभू राष्ट्रवादियों के पुरखों का न तो देश के स्वतंत्रता संग्राम में कोई योगदान है न ही देश की आज़ादी के लिये लाठियां-गोलियां खाने वालों में इनका कोई ज़िक्र है। परन्तु दुर्भाग्यवश अंग्रेज़ों की जी हुज़ूरी करने वाले इसी मानसिकता के लोग नफ़रत और साम्प्रदायिक दुर्भावना के सहारे, ख़ासकर देश में हिन्दू-मुस्लिम के मध्य खाई गहरी कर सत्ता में ज़रूर आ गए हैं। और सत्ता में आते ही इनको यह एहसास हो गया है कि चूंकि हमारी सत्ता का आधार ही साम्प्रदायिकता है लिहाज़ा इसे निरंतर 'धार' देते रहना सत्ता में बने रहने के लिये जरूरी है। इसी मकसद के तहत कहीं जिलों, शहरों, कस्बों व स्टेशन्स के नाम बदले जा रहे हैं, मदरसों के खिलाफ कार्रवाइयां हो रही हैं, हलाल का मुद्दा उठाया जा रहा है, जिहाद, लव जिहाद, अज़ान और हिजाब जैसे विषय उछाले जाते हैं, इतिहास बदले जा रहे हैं। नये इतिहास गढ़े जा रहे हैं। हद तो यह है कि धार्मिक पहचान देखकर मॉब लिंचिंग की जाती है, ट्रेन में धर्म विशेष के यात्रियों को गोली मार दी जाती है, संतों जैसे दिखाई देने वाले व्यक्ति द्वारा मुस्लिम महिलाओं का बलात्कार करने की धमकी लाऊड स्पीकर पर दी जाती है।

ऐसे साम्प्रदायिकता वादियों और समाज में जहर घोलने वाले नफरत के सौदागरों को उनके इस छिछोरेपन का जवाब देने के लिये बातें तो बहुत की जा सकती हैं। परन्तु क्या यह बता सकते हैं कि 6 नवंबर 2005 को देश के सबसे बड़े मंदिरों में से एक दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर का उद्घाटन जिस समय अक्षरधाम मंदिर के प्रमुख द्वारा देश के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम द्वारा कराया गया था उस समय यह नफ़रत के सौदागर कहां मुंह छुपाये बैठे थे ?

पिछले दिनों ऐसी ही ग्रुण मानसिकता के मुट्ठी भर लोगों ने उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर ज़िले के साम्या माता मंदिर में आयोजित शतचंडी यज्ञ के बाद अपनी नफरती हरकतों से विवाद खड़ा कर दिया। दरअसल उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जिले के बलवा गांव के साम्या माता मंदिर में शतचंडी महायज्ञ कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस यज्ञ के मुख्य आयोजक पंडित कृष्ण दत्त शुक्ला थे जिन्होंने यज्ञ में स्थानीय समाजवादी पार्टी विधायक सैय्यदा खातून को यज्ञ आयोजन की मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया था। हालांकि यह आयोजन पूरी श्रद्धा के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ और विधायक सैय्यदा ख़ातून ने भी इसमें पूरी श्रद्धा व सम्मान के साथ शिरकत की। परन्तु आयोजन समाप्ति के एक दिन बाद नियोजित तरीक़े से इसी आयोजन में नफ़रत का 'एंगल' साम्प्रदायिकतावादियों द्वारा ढूंढ कर इसे विवादित बना दिया गया। एक स्थानीय छुटभैय्ये भाजपा नेता द्वारा अपनी पार्टी व हिंदू संगठन के अपने चंद साथियों के साथ उसी साम्या माता मंदिर में पहुंचकर मंदिर को गंगाजल से धुलवाया गया। नफ़रत के इन सौदागरों का कहना था कि 'विधायक सैय्यदा खातून और उनके समाज को जब मंदिर से कुछ लेना-देना नहीं हैं तो फिर वह हमारे धार्मिक स्थल पर क्या करने आई थीं? हम लोग हर मंगलवार यहां पर पूजा करते हैं। वो लोग मांस खाने वाले हैं, पता नहीं क्या खाकर यहां आए और मंदिर को अपवित्र कर गए ?'

जबकि साम्या माता मंदिर में आयोजित शतचंडी यज्ञ के मुख्य आयोजक और मंदिर प्रमुख पंडित कृष्ण दत्त शुक्ला का इस विषय पर कहना है कि 'वह मंदिर मेरा है, और आज से नहीं सदियों से हिंदू और मुसलमान इस मंदिर में आते जाते थे। अलग-अलग धर्म के लोग आज भी मंदिर में जाते हैं। ये विवाद किस बात को लेकर फैला रहे हैं हम?' वे सवाल उठाते हैं, 'अगर एक मुसलमान के मंदिर जाने पर मंदिर अपवित्र हो जाता है तो हिंदू भी तो मुसलमानों के तीर्थ स्थानों पर जाते हैं। तो उन्हें भी उनके स्थलों पर नहीं जाना चाहिए? ' पंडित कृष्ण दत्त शुक्ला कहते हैं, 'हमारे लिए कोई अपवित्र नहीं है. ग्रन्थों में भी यही लिखा है कि मंदिर में जात-पात का कोई भेदभाव नहीं होता है। मंदिर तो धार्मिक स्थल है, वहां कोई भी जाकर के अपना शीश झुका सकता है।' सपा विधायक के निमंत्रण पर 'कृष्णदत्त शुक्ला ने बताया कि जब मंदिर में हमने शतचंडी महायज्ञ का आयोजन किया तो हमारे डुमरियागंज विधानसभा क्षेत्र में जितने भी प्रत्याशी थे हमने सभी को न्यौता दिया था। सबको न्यौता देने के बाद जो हमारे पास आया उसका हमने स्वागत किया। पंडित शुक्ला ने स्पष्ट कहा कि - मंदिर हमारा है, हमारा था और हमारा ही रहेगा। वहां आने वालों में हिंदू और मुसलमान का कोई भेदभाव नहीं है। पहले भी जैसे लोग मंदिर आते-जाते थे, आगे भी वैसे ही आएंगे। उधर विधायक प्रतिनिधि सूर्य प्रकाश उपाध्याय का इस पूरे मामले पर कहना था कि साम्या माता के शतचंडी यज्ञ में विधायक को न्यौता दिया गया था। विधायक वहां गई, वहां के पुजारियों ने विधायक का स्वागत सत्कार किया। फिर वहां कुछ दान करके वह वापस चली आईं। जबकि विधायक सैय्यदा ख़ातून इस विषय पर कहती हैं कि विवाद खड़ा करने वालों की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। सोशल मीडिया में और क्षेत्र की जनता के बीच शोहरत पाने के लिए वह ऐसा करते हैं। इन जैसे लोगों की बातों और काम पर मैं ध्यान नहीं देती। ऐसे लोगों को ज़्यादा तवज्जो देने की ज़रूरत नहीं है। विधायक ने कहा कि अगर मेरे क्षेत्र की जनता मुझे बुलाएगी तो मैं ज़रूर जाऊंगी। मेरे लिए मंदिर और मस्जिद, सब खुदा के घर हैं।

ऐसे साम्प्रदायिकता वादियों और समाज में जहर घोलने वाले नफरत के सौदागरों को उनके इस छिछोरेपन का जवाब देने के लिये बातें तो बहुत की जा सकती हैं। परन्तु क्या यह बता सकते हैं कि 6 नवंबर 2005 को देश के सबसे बड़े मंदिरों में से एक दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर का उद्घाटन जिस समय अक्षरधाम मंदिर के प्रमुख द्वारा देश के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम द्वारा कराया गया था उस समय यह नफ़रत के सौदागर कहां मुंह छुपाये बैठे थे ? क्या उनकी अब भी दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर को शुद्ध करने की कोई योजना है ? दूसरी बात यह कि मंदिरों या हवन में प्रवेश करने व शामिल होने के लिये क्या शाकाहारी होना जरूरी है ? यदि जरूरी है, तो फितना फैलाने वाली इसी पार्टी व विचारधारा के तमाम नेता न केवल माँसाहारी हैं बल्कि गोभक्षक भी हैं। देश में सभी धर्मों व जातियों में तमाम मांसाहारी लोग पाये जाते हैं। स्वयं पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई माँसाहारी थे। देश के गृह मंत्री किरण रिजिजू तो गोभक्षक हैं। इन सबसे किसी को कोई तकलीफ नहीं ? भाजपाई मुस्लिम नेता किसी भी मंदिर में जाएँ तो कोई आपत्ति नहीं परन्तु सपा मुस्लिम नेता यज्ञ में गयीं तो आपत्तिजनक? इस अवसरवादी दोहरे चरित्र को देखकर अक्सर यह ख़याल आता है कि इतनी नफ़रत, इतना ज़हर यह लोग आख़िर लाते कहाँ से हैं ?

गुरुवाणी विचार

तीरथ शब्द विचार अंतर ज्ञान है

बानी गुरु गोविंद सिंहजी की च्वैप्रसादि सव्यै
कहां गयो जो दोऊ लोकन मंद के
बैठ रहियो बक धियान लगाइओ
लोक गयो परलोक गवाइयो
बास कीओ बिखियन सों बैठ के
अैसे ही अैसे सुबांस बिताइओ
साच कहों सुनि लेह सभै
।जिन प्रेम कीओ तिन से प्रभु पाओ।

दसम गुरु गोविंद सिंह जी द्वारा रचित त्वैप्रसाद सवयै नामक वाणी से ये कुछ पंक्तियां ली गईं पैं। इसमें गुरुदेवजी समझा रहे हैं कि अधिकांश लोग प्रभु परमात्मा की प्राप्ति हेतु दोनों आंखें मूंदकर ध्यान लगाये रहते हैं। तपस्या करते रहते हैं पर किसी विरले का ही ध्यान परमात्मा में लग पाता है। जो प्रभु की प्राप्ति करना तो चाहते हैं पर मन तो उनका भी भटकता ही रहता है। किसी विरले का ही मन प्रभु परमात्मा की बंदगी में जुड़ पाता है। कुछ लोग सात समुद्रों की यात्रा कर तीर्थों में स्नान भी करते हैं यह सोचकर कि इससे प्रभु परमात्मा की प्राप्ति हो पाएगी। पर तीर्थ स्नान करने मात्र से मन तो पवित्र नहीं हो जाता। लौकी (तुम्बी) को अड़सठ तीर्थों में गंगा में डुबो कर ले आओ पर रहती तो कड़वी की कड़वी ही है। तुम्बी अड़सढ़ तीरथ नावें कड़ुआन तो न जावे। तीर्थ स्नान करने मात्र से मन शुद्ध नहीं हो सकता बल्कि तीर्थ सही मायने में प्रभु का नाम सिमरन बंदगी करने पर ही है-

तीरथ नावन जावो तीरथ नाम है।
तीरथ शब्द विचार अंतर ज्ञान है।।

इस तरह बगुले की तरह ध्यान लगाने से, तीर्थों में स्नान करने से आंख बंद कर प्रभु बंदगी ध्यान लगाने से आप अपने आपको धार्मिक तो दिखला सकते हो पर इन बातों से प्रभु परमात्मा की प्राप्ति किसी विरले को ही अगर हमने सही मायने में प्रभु की सिमरन परमात्मा की की प्राप्तिकरनी हैतो मन को सिमरन साची रूपी मथनी से मथना पड़ेग। प्रभु परमात्मा से साची प्रीति लगानी पड़ेगी। जैसे भकत रविदास ने लगाई थी-

साची प्रीत हम तुम सिंओ जोड़ी।
तुम सिंओ जोर अवरसंग तोड़ी।।

इस तरह उपरोक्त किसी भी तरह का कर्मकांड करना प्रभु प्राप्ति का साधन नहीं है बल्कि प्रभु परमात्मा की प्राप्ति हेतु इन कर्मकांडों के साथ साची प्रीत प्रभु परमात्मा से लगानी पड़ेगी। विषय विकारों से मोह भंग करना पड़ेगा। तभी हमें प्रभु की प्राप्ति होगी। हम सांसारिक मोह माया में फंसकर विषय विकारों में गलतान होकर अपने हीरे जैसे मानव जीवन को जो हमें पूर्व जनम के किसी अच्छे पुण्य कर्म के कारण प्राप्त हुआ है। जिसको व्यर्थ ही गंवा रहे हैं। अंतिम पंक्तियों में आप समझा रहे हैं कि सही मायने में जिसने भजन बंदगी कर साध संगत में जाकर प्रभु कथा कीर्तिन में मन रमाकर प्रभुबंदगी की है उसी ने प्रभु परमात्मा से साची प्रीति लगाई है। जिन्होंने प्रभु सिमरन कर अपने मन में विराजमान प्रभु परमात्मा के दर्शन कर लिए हैं। जिसने प्रभु द्वारा बनाए प्रत्येक मानव से प्रेम किया है जरूरतमंदों की मदद की है। नेक कमाई कर उसका दसबंध निकाल दीन दुखियों की सेवा में लगाया है। इस तरह मानव जीवन पाकर हमारा एक सूत्रीय कार्यक्रम होना चाहिए। ऊबर पोषण हेतु कार विहार भी करते रहना है पर मन हमहर वक्त निरंकार से जुड़ा रहना चाहिए। तभी हमारा मानव जीवन पाकर इस धरा पर आना सफल हो सकेगा और तभी हम अपने जीवन नौका को सुचारू रूप से खेकर इससंसार सागर से पार उतर कर प्रभु की साची दरगाह में स्थान प्राप्त कर पाएंगे। इस लिए- कर बंदे तू बंदगी जिचर घटि में साहो।

इंदर सिंह आहुजा

आपके पत्र

एक्जिट पोल और हकीकत

एक दौर था जब चुनाव सम्पन्न होने के बाद लोग खुलकर बोलने लगते थे तब उनकी बात से जो कयास लगाया जाता वह अधिकांशत: सच के बहुत करीब होता था। जैसे-जैसे मतदाता को यह भान हो गया कि इसे गोपनीय रखना चाहिए उसने अपने दिल की बात कहना कम कर दिया लेकिन एक्जिट पोल का धंधा जोरों से चल पड़ा। जबकि ये आमतौर पर सही साबित नहीं होते। कभी कभार ही किसी की चांदी हो जाती है।

इससे पहले ज़मीन से जुड़े पत्रकार ही इस तरह की अनुमानित विवेचना देते थे जो बहुत कुछ सही साबित होती रही थीं लेकिन जब से मोदी मीडिया उदित हुआ उसने जमीनी सच्चाई से मुख मोड़ लिया है वह आसमान से हाथ हिलाती सत्ता का मुखापेक्षी बन गया है। अब तो एक रणनीति के तहत यह पूरी तरह सरकारी व्यवसाय बन गया है। कुछ सटोरिए भी इस वक्त अच्छी कमाई कर लेते हैं। ये एक्जिट पोल वाले कब ,कहां किससे संपर्क करते हैं ये बताने वाला एक भी व्यक्ति मुझे आज तक नहीं मिला। जैसे सब मनगढ़ंत हो इसलिए इन पर विश्वास नहीं किया जा सकता है। ऊंट किस करवट बैठेगा यह मुहावरा इसलिए अंत में जोड़ा जाता है ताकि अपनी इज्जत बचाई जा सके।

यह पहली बार इस चुनाव में देखा गया कि सरकार विरोधी वोट देने के बावजूद लोग इस भय से कि 'जीतेगा मोदी ही' चुप साध लिए या जबरिया बोलने कहा गया तो उन्होंने मौजूदा सरकार का ही नाम लिया। ईवीएम का खतरा भी वे जानते हैं इसलिए ऊंट किस करवट बैठेगा आसान नहीं रहा है इसलिए ये पोल कांटे की टक्कर या जीत में दस-पच्चीस सीट का अंतर दिखा रहे हैं ताकि चित भी मेरी और पट भी मेरी हो।

बहरहाल जो हालात राजनैतिक नेताओं के चेहरे बता रहे हैं, उसके मुताबिक मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ कांग्रेस जीत रही है। इस जीत की वजह कांग्रेस के दो राज्य राजस्थान और छत्तीसगढ़ ऐसे हैं उनमें मुख्यमंत्रियों ने जो कहा कर दिखाया चाहे चिरंजीवी योजना हो, पेंशन बहाली या एमएसपी और किसान ऋृण वापसी जैसे महत्वपूर्ण काम हों।

मध्यप्रदेश में कांग्रेस सरकार गिराई गई इस बात से आमजन, किसान परेशान रहे वरना उन्हें भी ये लाभ मिले होते। मौका आया तो वे हाथ के साथ हो लिए। कांग्रेस पर उनका विश्वास बढ़ा है। कहा जाता शिवराज सरकार ने एक करोड़ लाडली बहना को जो राशि तीन माह से दी है उसका भाजपा को लाभ मिलेगा। सत्य यह है कि महिलाओं का एक बड़ा समूह उमा भारती के समय से भाजपा के साथ है। शिवराज की जीत भी इन्हीं की वजह से हुई इसलिए उसमें वृद्धि नहीं बल्कि जिन्हें नहीं शामिल किया गया वे घट गई है। तेलंगाना में राव और भाजपा की तकरार के बीच कांग्रेस विजय पथ पर अग्रसर है। मिजोरम में कांग्रेस दूसरी बड़ी पार्टी बनती नज़र आ रही है संभावित है वह सत्ता में सहभागी हों।

-सुसंस्कृति परिहार

बेतवा- पार्वती अंचल

सार-समाचार

चुनाव परिणाम के बाद पूर्व विधायक के निवास पर उपद्रव

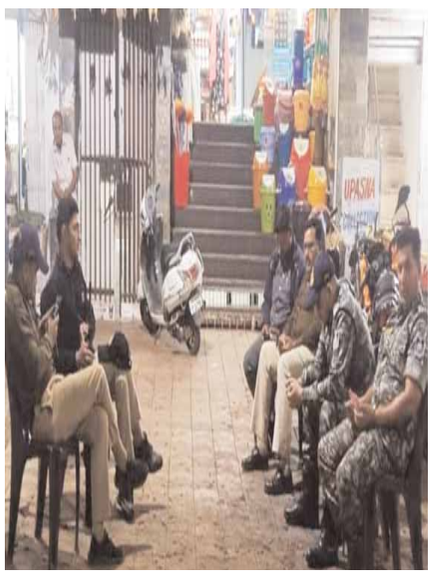

गंज बासौदा, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव की परिणामों की घोषणा होते ही भाजपा समर्थकों ने पार्टी की ही पूर्व विधायक लीना जैन के निवास पर पटाखे चलाएं और जलते पटाखों को उनके घर में फेंक दिया। उनके निवास पर 50-60 लोगों की भीड़ ने काफी देर तक उपद्रव किया। यह लोग गाली-गलौज करते हुए धमकियां देते रहे कि अब हमारा विधायक बन गया है,तुम लोगों को बासौदा में नहीं रहने देंगे। भीड़ शांत होते न देख पूर्व विधायक ने थाना प्रभारी को शिकायत की और लिखित आवेदन भी प्रस्तुत किया, तब कहीं जाकर उनके निवास पर पुलिस पहुंची। जैसे पुलिस को यहां देखा उपद्रव करने वाले लोग भाग खड़े हुए।

रायसेन जिले की 4 में से 3 सीट पर भाजपा का परचम

- विधानसभा क्षेत्र उदयपुरा से पटेल, भोजपुर से पटवा, सांची से डॉ प्रभुराम और सिलवानी से देवेन्द्र निर्वाचित

रायसेन, देशबन्धु। मप्र विधानसभा निर्वाचन-2023 अंतर्गत जिले की चारों विधानसभाओं की मतगणना रायसेन स्थित शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज में सम्पन्न हुई। मतगणना सम्पन्न होने के उपरांत जिले की चारों विधानसभाओं के निर्वाचन परिणाम घोषित किए गए। चारों विधानसभा क्षेत्रों के रिटर्निंग अधिकारियों द्वारा उनके विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचित उम्मीदवारों को निर्वाचन प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-140 उदयपुरा विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी पार्टी के उम्मीदवार नरेंद्र शिवाजी पटेल , विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-141 भोजपुर से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार सुरेन्द्र पटवा , विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-142 सांची से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार डॉ प्रभुराम चौधरी तथा विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-143 सिलवानी से कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार देवेन्द्र पटेल को निर्वाचित घोषित कर निर्वाचन प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

उदयपुरा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के विजयी प्रत्याशी श्री नरेंद्र शिवाजी पटेल को 124279 मत प्राप्त हुए जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंदी कांग्रेस के श्री देवेन्द्र सिंह पटेल को 81456 मत प्राप्त हुए। भोजपुर विधानसभा क्षेत्र से विजयी प्रत्याशी भाजपा के श्री सुरेन्द्र पटवा को 119289 मत प्राप्त हुए जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंदी कांग्रेस के श्री राजकुमार पटेल को 78510 मत प्राप्त हुए।

सांची विधानसभा क्षेत्र से विजयी प्रत्याशी भाजपा के डॉ प्रभुराम चौधरी को 122960 मत प्राप्त हुए जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंदी कांग्रेस के डॉ जीसी गौतम को 78687 मत प्राप्त हुए। सिलवानी विधानसभा क्षेत्र से विजयी प्रत्याशी कांग्रेस के श्री देवेंद्र पटेल को 95935 मत प्राप्त हुए जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के श्री रामपाल सिंह को 84481 मत प्राप्त हुए। इनमें डाक मतपत्र भी शामिल हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर अरविंद दुबे ने मप्र विधानसभा निर्वाचनद्2023 अंतर्गत जिले में निर्वाचन प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था में लगे पुलिस बल, एसएएफ एवं सशस्त्र सुरक्षा बल को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि संपूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया को कुशलतापूर्वक एवं शांतिपूर्वक संपन्न कराने में निर्वाचन अमले ने अपने दायित्वों का पूरी गंभीरतापूर्वक निर्वहन किया है और उन्होंने अपनी क्षमताओं का अधिकतम उपयोग कर बेहतर प्रदर्शन किया है। जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दुबे ने कहा है कि संपूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान मीडिया का भी महत्वपूर्ण सहयोग रहा है।

उन्होंने जिले की निर्वाचन व्यवस्थाओं, स्वीप गतिविधियों, मतदान, मतगणना प्रक्रिया, सुरक्षा व्यवस्था आदि का समुचित एवं प्रभावी कव्हरेज मीडिया में प्रकाशित एवं प्रसारित किए जाने तथा के लिए मीडिया प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया। जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दुबे ने जिले के निवासियों को भी निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान सहयोग करने तथा मतदाता जागरूकता अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए बधाई दी।

विधानसभा क्षेत्र उदयपुरा

देवेन्द्र सिंह पटेल- प्राप्त मत 81456
नरेन्द्र शिवाजी पटेल- प्राप्त मत 124279
करोड़ी लाल- प्राप्त मत 1800
बाबूलाल - प्राप्त मत 3120
नरेन्द्र सिंह- प्राप्त मत 1221
विनोद सिंह - प्राप्त मत 672
महेन्द्र कुमार - प्राप्त मत 908
नोटा - प्राप्त मत - 2032

विधानसभा क्षेत्र भोजपुर

सुरेन्द्र पटवा - प्राप्त मत 119289
राजकुमार पटेल - प्राप्त मत 78510
मनोज चौहान - प्राप्त मत 439
नयनतारा डॉ धर्मेन्द्र अहिरवार - प्राप्त मत 700
मनोज कुमार चौबे - प्राप्त मत 195
गुंदेश कुमार खामरा - प्राप्त मत 183
चंदन सिंह - प्राप्त मत 206
मोनू - प्राप्त मत 233
सीमा पोर्ते - प्राप्त मत 1668
कमलेश उईके - प्राप्त मत 1994
कैप्टन अनिल कुमार खरे - प्राप्त मत 149
फूलकुमार प्रजापति - प्राप्त मत 275
नोटा - प्राप्त मत 1724

विधानसभा क्षेत्र सांची

डॉ प्रभुराम चौधरी - प्राप्त मत 122960
डॉ जीसी गौतम - प्राप्त मत 78687
गोवर्धन जाटव - प्राप्त मत 115
अमृत बाबू नरवारे - प्राप्त मत 178
सूरजपाल सिंह - प्राप्त मत 1763
मुंशीलाल सिलावट - प्राप्त मत 120
उदयभान सिंह - प्राप्त मत 217
मनोज अहिरवार - प्राप्त मत 573
जगत सिंह - प्राप्त मत 133
राजन - प्राप्त मत 98
भीकम सिंह - प्राप्त मत 239
चरण सिंह - प्राप्त मत 126
नोटा - प्राप्त मत 1616

विधानसभा क्षेत्र सिलवानी

रामपाल सिंह - प्राप्त मत 84481
देवेन्द्र पटेल - प्राप्त मत 95935
तलत खान - प्राप्त मत 1929
मुईन उद्दीन - प्राप्त मत 718
ठा. प्रदीप सिंह - प्राप्त मत 256
मनोज - प्राप्त मत 368
नरेन्द्र सिंह - प्राप्त मत 651
देवेन्द्र - प्राप्त मत 308
नोटा - प्राप्त मत 2022

दूसरी बार विधायक चुने गए उमाकांत, जश्न का माहौल

सिरोंज, देशबन्धु। भाजपा प्रत्याशी उमाकांत शर्मा एक बार फिर विधायक के लिए चुन लिए गए हैं। जनता ने उन पर लगभग पिछले बार की भांति ही अपना विश्वास जताया है। ज्ञात रहे कि पिछली बार उमाकांत शर्मा करीब 33000 वोटों से विजय हुए थे और इस बार उनकी जीत का थोड़ा अंतर कम रह गया। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 147 सिरोंज के रिटर्निंग आफीसर हर्षल चौधरी ने बताया कि भाजपा प्रत्याशी उमाकांत शर्मा को 97387 मत प्राप्त हुए है उनके निकटतम प्रतिद्वंदी कांग्रेस के गगनेन्द्र रघुवंशी को 69878 मत मिले। भाजपा के उमाकांत शर्मा 27509 मतों से विजयी हुए है। उनकी जीत के बाद नगर में इन सभी बातों पर विराम लग गया कि इस बार उमाकांत का चुनाव जितना मुश्किल है। सोशल मीडिया पर शर्मा के खिलाफ किए जा रहे दुष्प्रचार के बाद अब आज कोई ऐसी पोस्ट फेसबुक पर नहीं दिखाई दी जिससे शर्मा का विरोध प्रकट हो।

आज सुबह से ही नगर में जश्न का माहौल था और भाजपा व उमाकांत के समर्थक उस समय का इंतजार कर रहे थे कब चुनाव परिणाम की घोषणा हो और जैसे-जैसे शर्मा को बढ़त मिलती गई लोगों के सब्र का बांध टूट गया और वे 9-10 राउंड की गिनती के बाद से ही पटाखे और जश्न मानने लगे। कठाली बाजार से भाजपा कार्यकर्ताओं ने ढोल ढमाकों के साथ जुलूस निकाला जो उमाकांत शर्मा के निवास पर जाकर जश्न में तब्दील हुआ। चुनाव परिणाम के चलते भारी जश्न का माहौल आज शहर में रहा है। शर्मा के विजयी होने के बाद अब नगर की जनता को उनके सिरोंज आगमन का इंतजार है ताकि वह अपनी खुशियों को जुलूस आदि निकाल कर मना सके। विधायक उमाकांत शर्मा आज गिनती के दौरान स्वामी विवेकानंद की वेशभूषा में नजर आए और मेघालय से आए प्रेक्षक की उन्होंने सराहना की। शर्मा ने सभी पार्टियों और अधिकारियों का शांतिपूर्वक चुनाव संपन्न कराने पर धन्यवाद भी ज्ञापित किया।

कानून व्यवस्था बनाये रखने शहर में पुलिस ने निकल फ्लैग मार्च

छतरपुर, देशबन्धु। विधानसभा निर्वाचन मतगणना के दौरान शांति, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था सुदृढ़ रखने हेतु छतरपुर नगर में फ्लैग मार्च निकाला गया है। आम जनमानस से प्रशासन एवं पुलिस का सहयोग कर शांति व्यवस्था बनाये रखने की अपील करते हुए फ्लैग मार्च निकाला गया। पुलिस उप महानिरीक्षक ललित शाक्यवार एवं पुलिस अधीक्षक अमित सांघी के निर्देशन में अति.पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा छतरपुर नगर में फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च के दौरान मतगणना परिसर एवं संपूर्ण छतरपुर नगर के मार्गो, समस्त चौराहों, सागर रोड, नौगांव रोड, महोबा रोड, पन्ना रोड, देरी रोड, सटई रोड एवं विभिन्न मार्गों, बस स्टैंड, बाजार परिसर तथा नगरीय क्षेत्र का भ्रमण करते हुवे मतगणना के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने, पुलिस तथा प्रशासन का सहयोग करने की अपील की गई। साथ ही लोगो से यह अपील की गई कि किसी भी व्यक्ति द्वारा नियमों का उल्लंघन किया जाता है तो इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दे 7 साथ ही नगर के समस्त नागरिकों को सुरक्षित परिवेश का एहसास कराया।

फ्लैग मार्च के दौरान नगर पुलिस अधीक्षक छतरपुर अमन मिश्रा, रक्षित निरीक्षक रक्षित केंद्र पूर्णिमा मिश्रा, थाना कोतवाली प्रभारी अरविंद कुजूर, थाना सिविल लाइन प्रभारी कमलेश साहू, थाना ओरछा रोड प्रभारी उपमा सिंह ठाकुर, थाना प्रभारी अजाक रूप सिंह , महिला थाना प्रभारी अंजलि उदैनिया, यातायात प्रभारी दलवीर सिंह मार्को, सूबेदार नृपेंद्र सिंह एवं पुलिस बल मौजूद रहा।

हाथी की चाल में फंसकर कांग्रेस के पंजे से निकल गई छतरपुर सीट

छतरपुर, देशबन्धु। इस बार के चुनाव में कांग्रेस के सामने कांग्रेस से बगावत करके बसपा के हाथी पर सवार डीलमणि सिंह ने जो किया है उससे कांग्रेस के हाथ से एक सीट निकल गई है। छतरपुर सीट पर हर बार कांग्रेस की राह में बसपा रोडा बनकर उभरी है।

विधानसभा चुनाव के परिणाम के अनुसार यहां से कांग्रेस के विधायक आलोक चतुर्वेदी को 70720 मत मिले और उनकी हार हो गई। जबकि कांग्रेस से बगावत करके बसपा से चुनाव लडने वाले डीलमणि सिंह को 14184 मत मिले हैं। ऐसा माना जा रहा है कि बसपा के खाते में जो मत आये हैं उनसे सीधे कांग्रेस को नुकसान हुआ है। जिससे छतरपुर सीट पर कांग्रेस को पराजय का मुंह देखना पडा है। इस चुनाव के पहले तक डीलमणि सिंह और कांग्रेस विधायक आलोक चतुर्वेदी के हाथ मिले हुये थे। मगर अपनी उपेक्षा से त्रस्त होकर डीलमणि सिंह ने कांग्रेस का साथ छोडकर बसपा का दामन थामा था। जब दोनों के बीच खुला विरोध हो गया तो चुनाव प्रचार के दौरान आलोक चतुर्वेदी के कडवे बोलों ने विरोध को और बढा दिया। अंतत: वही हुआ जिसका अनुमान सबको था। कांग्रेस के खाते के वोट कटकर बसपा के खाते में चले जाने से कांग्रेस को पराजय का मुंह देखना पडा है। बात करें 2008 के चुनाव की, तो इस चुनाव में ललिता यादव 30446 मत पाकर चुनाव जीतकर विधायक बनी थीं। उस समय बसपा से चुनाव लडे डीलमणि सिंह ने उन्हें सीधे चुनौती देकर 22591 मत हासिल किये और दूसरे नंबर पर आये थे।

6 विधानसभा सीटों में कांग्रेस व भाजपा का 3-3 पर कब्जा

मुरैना से दिनेश गुर्जर, दिमनी से नरेंद्र तोमर, अंबाह से देवेंद्र सखवार, सुमावली से ऐदल सिंह, जौरा से पंकज उपाध्याय, सबलगढ़ से सरला रावत विजयी

मुरैना, देशबन्धु। रविवार को मुरैना जिले की 6 विधानसभा सीटों की मतगणना प्रात:8 बजे आरंभ हुई और दोपहर बाद स्थिति स्पष्ट हो गई तथा जिले की तीन-तीन विधानसभा सीटों पर कांग्रेस व भाजपा का कब्जा रहा। प्रतिष्ठापूर्ण जिले की दिमनी विधानसभा सीट पर भाजपा के प्रत्याशी एवं केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने अपने प्रतिदिन दी बसपा के बलवीर सिंह को भारी मतों से हराया।

मुरैना जिले की 6 विधानसभा सीट मुरैना, दिमनी, अंबाह, सुमावली, जौरा एवं सबलगढ़ के लिए रविवार की सुबह आरंभ हुई। मतगणना में बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशियों ने जिले की दिमनी, सुमावली एवं जौरा विधानसभा मैं कड़ी टक्कर दी, लेकिन अंत के राउंड में वह पीछे होते चले गए। मतगणना पूरी होने के पश्चात जिला कलेक्टर एवं निर्वाचन अधिकारी अंकित अस्थाना द्वारा सभी प्रत्याशियों को शुभकामनाएं देते हुए उन्हें सर्टिफिकेट जारी किए गए। इसके पश्चात निर्वाचित प्रत्याशियों ने जनता को धन्यवाद दिया।

मुरैना विधानसभा सीट से कांग्रेस ने की जीत दर्ज: मुरैना विधानसभा सीट से कांग्रेस के प्रत्याशी दिनेश गुर्जर को 73695, भाजपा प्रत्याशी रघुराज कंसाना को 53824 एवं बसपा प्रत्याशी राकेश रुस्तम सिंह को 37167 मत मिले और कांग्रेस प्रत्याशी 19871 मतों से निर्वाचित घोषित किए गए।

सुमावली में पूर्व मंत्री ऐदल सिंह विजयी: सुमावली विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी तीसरे नंबर पर रहे। यहां भाजपा प्रत्याशी ऐदल सिंह कंसाना को 72508, बसपा के कुलदीप सिंह सिकरवार को 56500 एवं कांग्रेस प्रत्याशी अजब सिंह कुशवाह को 55289 वोट मिले और भाजपा प्रत्याशी 16008 वोटो से चुनाव जीत गए।

सबलगढ से भाजपा की सरला विजयी: सबलगढ़ विधानसभा में भाजपा एवं कांग्रेस में कडा मुकाबला हुआ, जिसमें भाजपा प्रत्याशी श्रीमती सरला विजेंद्र रावत को 66787 कांग्रेस प्रत्याशी बैजनाथ कुशवाह को 56982 एवं बसपा प्रत्याशी सोनी धाकड़ को 51153 वोट मिले तथा भाजपा प्रत्याशी 9805 वोटो से निर्वाचित घोषित की गई।

जौरा में पंकज ने सर्वाधिक मतों से की जीत दर्ज: जिले की जौरा विधानसभा में कांग्रेस प्रत्याशी की पूरे जिले में बड़ी जीत हुई और यहां भाजपा के सूबेदार सिंह सिकरवार को कांग्रेस प्रत्याशी ने बड़े अंतर से हराया। यहां कांग्रेस प्रत्याशी पंकज उपाध्याय को 89253, भाजपा प्रत्याशी सूबेदार सिंह को 58972 एवं बसपा प्रत्याशी सोनेराम कुशवाह को 37038 मत मिले और इस तरह कांग्रेस प्रत्याशी 30281 वोटो से निर्वाचित घोषित हुए।

केन्द्रीय मंत्री तोमर ने बसपा को दी मात: जिले की दिमनी विधानसभा चर्चित सीट से केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर को बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी बलवीर सिंह डण्डोतिया ने कड़ी टक्कर दी और आरंभ के लगभग 11 राउंड तक वह भारी बढ़त बनाकर चले, लेकिन बाद के 7 राउंड में वह पिछड़ते चले गए और अंत में वह भाजपा प्रत्याशी नरेंद्र सिंह तोमर से 24461 मतों से हार गए। इस विधानसभा में भाजपा के नरेन्द्र सिंह को 79137, बसपा के बलवीर सिंह डण्डोतिया को 54676 एवं कांग्रेस के रविन्द्र सिंह तोमर को 24006 मत प्राप्त किए।

कांग्रेस के देवेन्द्र ने भाजपा के कमलेश को हराया: जिले की सुरक्षित अंबाह सीट से शुरूआती राउंड से ही कांग्रेस के प्रत्याशी देवेंद्र सखवार लगातार भाजपा प्रत्याशी से प्रत्येक राउंड में बढ़त बनाते चले गए और अंत में 22109 मतों से निर्वाचित घोषित हुए। अंबाह विधानसभा सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी देवेंद्र सखवार को 79274, भाजपा प्रत्याशी कमलेश जाटव को 57165 एवं बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी रामबरन को 4146 वोट ही प्राप्त हुए।

ताप्ती तीरे

सार समाचार

इंटक नेता ने कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष को लिखा पत्र

सारनी, देशबन्धु। जिले की पांचों विधानसभा में कांग्रेस की करारी हार होने से आहत होकर इंटक श्रमिक संगठन के नेता राजेश सिन्हा ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष को पत्र लिखा है। पत्र में कहा गया है कि मध्यप्रदेश में पार्टी के टिकट बांटने के लिए क्षेत्रीय पर्यवेक्षक की नियुक्ति की गई थी लेकिन कांग्रेस के पर्यवेक्षकों के द्वारा जमीनी कार्यकर्ताओं से ना तो मुलाकात की गई और ना ही कोई सलाह ली गई। मनमाने तरीके से अपने निजी लाभ को साधते हुए ऐसी टिकट धारी के नाम तक पहुंचा दिए जिनमें अधिकांश की जमीनी पकड़ नहीं थी और ना ही उनका जनाधार था प्रत्याशी जीता है। कांग्रेस के पर्यवेक्षकों के माध्यम से बीना जमीनी कार्यकर्ताओं से पदाधिकारी से चर्चा किए बगैर बैतूल जिले के पांचो विधानसभा में जो अपने व्यक्तिगत लाभ के लिए टिकट वितरण करने का काम किया है। जिसकी वजह से कांग्रेस की जिले के पांचों विधानसभा से एक भी सीट नहीं आई है। इससे बैतूल जिला कांग्रेस विहीन हो चुका है। राष्ट्रीय अध्यक्ष को समस्त पर्यवेक्षकों को बुलाकर यह जानकारी लेना चाहिए कि किस आधार पर कांग्रेस के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारी को नजर अंदाज करके टिकट का वितरण किया गया। जिसकी वजह से कांग्रेस के प्रत्याशी को हर का सामना करना पड़ा है।

खण्डेलवाल ने चहुंमुखी विकास के लिए किया जनता से वादा

बैतूल। जिले की बैतूल विधानसभा क्षेत्र से विजयी हुए भाजपा प्रत्याशी हेमंत खण्डेलवाल ने चुनाव में मिली ऐतिहासिक जीत का श्रेय बैतूल विधानसभा क्षेत्र के सभी मतदाताओं और भाजपा कार्यकर्ताओं को देते हुए कहा कि सभी के आशीर्वाद से उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है उसका एक परिवार के सदस्य और जनसेवक के रूप में पूरी निष्ठा से निर्वहन करूंगा। खण्डेलवाल ने कहा कि वे बैतूल विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं के सुख-दुख में हमेशा साथ रहेंगे। साथ ही समूचे क्षेत्र के चहुंमुखी विकास और जिले में रोजगार के साधन बढ़ाने के लिए सतत् कार्य करेंगे। खण्डेलवाल ने कहा कि युवाओं को रोजगार दिलवाने के साथ ही स्वास्थ्य, शिक्षा, सिंचाई, सड़क, पेयजल एवं पर्यटन सहित अन्य क्षेत्रों में भी लगातार काम करेंगे। क्षेत्रवासियों की समस्याओं का निराकरण मेरी पहली प्राथमिकता रहेगी।

बैतूल जिले में कांग्रेस साफ, पांचों सीटों पर भाजपा का कब्जा

- मुलताई से पांसे और बैतूल से डागा भी हारे, पिछले विधानसभा में कांग्रेस ने 4 सीटे जीती थी

बैतूल/सारनी, देशबन्धु। बैतूल जिले में कांग्रेस एक भी सीट जीत नहीं पाई। जिले की पांचों सीट पर कब्जा होने से भाजपा खेमे में उत्साह का माहौल बना है वहीं कांग्रेस के कार्यकर्ता और पदाधिकारी में मायूसी छा गई। कांग्रेस को उम्मीद थी कि पूर्व कैबिनेट मंत्री सुखदेव पान्से मुलताई से विजय होंगे लेकिन पान्से को भाजपा के चंद्रशेखर देशमुख ने 14 हजार 842 मतों से हारने का काम किया है। मुलताई से सटी हुई सीट आमला विधानसभा भी महत्वपूर्ण थी लेकिन आमला विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी को पटकनी देने में कांग्रेस प्रत्याशी मनोज मालवे सफल नहीं हो पाए हैं हालांकि आमला विधानसभा में कांग्रेस के मनोज मालवे दूसरी बार डॉक्टर योगेश पंडाग्रे से हार चुके हैं। डॉ योगेश पंडाग्रे को भले ही वर्ष 2018 की अपेक्षा इस वर्ष 7000 मत कम मिले हैं लेकिन योगेश पंडाग्रे का मय प्रतिशत बढ़ जाने के कारण इन्हें 92 हजार से अधिक मत मिले हैं। इस तरह आमला विधानसभा पर कांग्रेस प्रत्याशी मनोज मालवे को 12118 मत से हार का सामना करना पड़ा है। बैतूल जिले में शुरू से ही सबसे ज्यादा विवादित विधानसभा यदि कोई रही है तो वह भैसदेही विधानसभा रही है भैसदेही में भारतीय जनता पार्टी के महेंद्र सिंह चौहान का टिकट फाइनल होने से लेकर चुनाव तिथि तक विरोध चला रहा उसके बाद भी कांग्रेस भाजपा प्रत्याशी हरा नहीं पाई। भाजपा के महेंद्र सिंह चौहान कांग्रेस के धम्मू सिंह को 8389 मत से हराने में सफल हुए। जबकि घोड़ाडोगरी विधानसभा से भाजपा ने अपना प्रत्याशी गंगा सज्जन सिंह उईके को बनाया था जबकि कांग्रेस ने ब्रह्मा भलावी के स्थान पर राहुल उईके को कांग्रेस प्रत्याशी घोषित किया था लेकिन मत गाना शुरू होने से लेकर मतगणना समाप्त होने तक कई दौर में कांग्रेस और बीजेपी आगे पीछे चलती रही अंतिम क्षणों में भाजपा की गंगा सज्जन सिंह उईके ने कांग्रेस के राहुल को 4213 मतों से हराया। इसके साथ ही बैतूल जिले की पांचों सीटों पर अपना कब्जा कर लिया है। बताया जाता है कि बैतूल जिले में वर्ष 2013 के बाद 2023 में भारतीय जनता पार्टी पांचों सीटों पर अपना परचम लहराने में सफल रही हालांकि पड़ोसी जिला छिंदवाड़ा पास में होने की वजह से बैतूल जिले में मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ का बहुत ज्यादा हस्तक्षेप रहता है उसके बाद भी कांग्रेस जिले से एक भी अपना उम्मीदवार जीता नहीं पाई है।

जिले में दीपावली जैसा माहौल: जिले में पांचों विधानसभा सीट पर भाजपा के प्रत्याशी के विजई होने की घोषणा होने के बाद दीपावली जैसा माहौल संपूर्ण जिले में देखने को मिला। विशेष कर आमला विधानसभा क्षेत्र की सारनी और आमला में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बैंड बाजे का जश्न मनाकर आतिशबाजी की।

16123 मतों से जीते खंडेलवाल

बैतूल विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 131 में भाजपा प्रत्याशी हेमंत खंडेलवाल ने 16 हजार 123 मतों से विजय प्राप्त की। खंडेलवाल को एक लाख 8 हजार 229 मत प्राप्त हुए जबकि कांग्रेस के विधायक निलय डागा 92 हजार 106 मत प्राप्त हुए। खंडेलवाल ने प्रथम राउंड से अपनी बढत बनाए रखी। कुल 17 राउण्ड चली इस मतगणना में डागा की चौथे राउण्ड में 273 मतों से, तेरहवें राउण्ड में 1307 मतों से और 14वें राउण्ड में 2325 मतों की बढ़त को छोड़ दे तो मतगणना के सभी राउण्ड में खंडेलवाल ने अपनी बढ़त निरंतर बनाए रखी। भाजपा से हेमंत खंडेलवाल को 1 लाख 8 हजार 229 मत प्राप्त हुए। इसी तरह कांग्रेस से निलय डागा को 92 हजार 106, निर्दलीय हेमंत सरियाम को 1166, गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के शिवपाल सिंह राजपूत को 895, निर्दलीय विजेन्द्र गोले को 802, निर्दलीय प्रत्याशी महेश शाह उईके 572, निर्दलीय प्रत्याशी अलस्या सोलंकी मामा को 372 मत प्राप्त हुए है। इसके अलावा 3049 मतदाताओं ने नोटा के लिए बटन दबाया ।

डॉ. पंडाग्रे हुए 12118 मतों से विजयी

आमला विधानसभा क्षेत्र 130 से भाजपा प्रत्याशी डॉ.योगेश पंडाग्रे ने 12118 मतों से विजय प्राप्त की है। डॉ. पंडाग्रे को कुल 86 हजार 726 मत प्राप्त हुए है। इसी प्रकार कांग्रेस प्रत्याषी मनोज मालवे को 74 हजार 608, गोंडवाना गणतंत्र पार्टी की रंजना वामने को 1609, बहुजन मुक्ति पार्टी के प्रत्याशी रूपेश पंडोले को 1167, निर्दलीय प्रत्याशी हीरालाल बिहारे को 1010 मत प्राप्त हुए है। इसके अलावा 2769 मतदाताओं ने नोटा का बटन दबाया।

14 हजार 842 मतों से चंद्रशेखर की जीत

मुलताई विधानसभा क्षेत्र 129 से भाजपा प्रत्याशी चंदशेखर देशमुख 14 हजार 842 मतों से जीते है। देशमुख को कुल 96066 मत प्राप्त हुए है। इसी तरह कांग्रेस प्रत्याशी सुखदेव पांसे को 81224, बहुजन समाज पार्टी के इंदलराव खातरकर को 2257, समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी कृपाल सिंह सिसोदिया को 1170 मत प्राप्त हुए है। वहीं कुल 1488 मतदाताओं ने नोटा का बटन दबाया।

8761 मतों से जीते महेन्द्र

भैंसदेही विधानसभा क्षेत्र 133 से भाजपा प्रत्याशी महेन्द्र सिंह केशर सिंह चौहान ने 8 हजार 761 मतों से विजय प्राप्त की है। चौहान को 97 हजार 365 मत मिले है। कांग्रेस प्रत्याशी धरमु सिंह सिरसाम को 88 हजार 604, निर्दलीय प्रत्याशी संदीप धुर्वे 10 हजार 422, प्रहार जनशक्ति पार्टी के प्रत्याशी राहुल सतीश चौहान को 9 हजार 572, निर्दलीय प्रत्याशी हेमराज बारस्कर को 5168, गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के प्रत्याशी अन्नूलाल दादा को 2235 मत प्राप्त हुए है। इसी प्रकार 5105 मतदाताओं ने नोटा का बटन दबाया।

4 हजार 213 मतों से विजयी हुई गंगा

घोडोडोंगरी विधानसभा क्षेत्र 132 में भाजपा प्रत्याशी गंगा सज्जन सिंह उईके ने 4 हजार 213 मतों से विजय प्राप्त की है। श्रीमती उईके को 103710 मत प्राप्त हुए। जबकि कांग्रेस प्रत्याशी राहुल उईके को 99497 मत प्राप्त हुए है। इसी तरह निर्दलीय प्रत्याशी स्मिता राजा धुर्वे को 6150, गोडवाना गणतंत्र पार्टी के प्रत्याशी कौशल किशोर परतेती को 2823, निर्दलीय प्रत्याशी सुभाष बारस्कर को 799 मत प्राप्त हुए है। इसके अलावा 3997 मतदाताओं ने नोटा का बटन दबाय।

6 हजार 456 लोगों ने किया डाक से मतदान: जिले की पांच विधानसभा सीटों के लिए कुल 7 हजार 107 समेकित डाक मत पत्रों की गणना की गई। इनमें 6 हजार 456 मत पत्र वैध पाए गए एवं 646 मत पत्र निरस्त की श्रेणी में रखे गए। इसके अलावा 41 मतदाताओं ने नोटा का उपयोग किया। इसमें से मुलताई विधानसभा क्षेत्र में 1525 वैध मत पत्र पाए गए एवं 125 निरस्त किए गए। 07 मतदाताओं ने नोटा का प्रयोग किया। आमला विधानसभा क्षेत्र में 1159 वैध मत पत्र, 8 मत पत्र नोटा में एवं 112 निरस्त मत पत्रों की श्रेणी में रखे गए। इस प्रकार कुल 1271 मत पत्रों की गणना की गई।

जिले में कुल 2769 डाक मत पत्रों की गणना की गई। जिसमें 2548 मत पत्र वैध पाए गए। 221 निरस्त हुए, 21 मत पत्रों में नोटा का उपयोग मतदाताओं ने किया। इसी प्रकार घोडाडोंगरी में 1224 वैध मत पत्र पाए गए। 05 मतदाताओं ने नोटा का प्रयोग किए एवं 188 मत पत्र निरस्त किए गए। भैंसदेही विधानसभा में 1255 वैध मत पत्र की गणना की गई। इनमें 115 मत पत्र निरस्त किए गए तथा 6 मतदाताओं ने नोटा का प्रयोग किया।

बस स्टैंड पर सुविधा कम, यात्रियों को असुविधा ज्यादा

छतरपुर, देशबन्धु। शहर में मौजूद श्यामा प्रसाद मुखर्जी अंतरराज्यीय बस स्टैंड की समस्याओं के चलते यात्रियों की समस्याएं बढ़ रहीं हैं। यहॉ सुविधाएं कम और यात्रियों के लिए असुविधाएं ज्यादा हैं। बस स्टैंड के बाहर जाम, अंदर अव्यवस्थाओं से लोग परेशान हैं। रोजाना 400 बसों के संचालन से पुराने समय का बस स्टैंड नाकाफी साबित हो रहा है बस स्टैंड पर यात्रियों के लिए न प्रतीक्षालय साफ और व्यवस्थित हैं, न पीने के पानी की व्यवस्था है। बस स्टैंड परिसर में कहीं भी रखी गुमटियों, बसों के आगे अड़ाकर खड़े किए फल व अन्य खाद्य-पेय बिक्री के हाथ ठेले व आटो के कारण बसों व यात्रियों का आना-जाना मुश्किल हो गया है। बस स्टैंड के प्रवेश द्वार पर दिन में कई बार जाम लग जाना आमबात है। ऐसे में लोगों को खासी परेशानी होती है। परिसर में आवारा मवेशी विचरण करते रहते हैं। अतिक्रमण करने वाले अपने दुकान की हद और सीमाएं भूलकर परिसर में कब्जा किए हैं, जिससे बसों के लिए जगह कम पड़ने लगी है। परिसर में बेतहाशा अतिक्रमण होने के कारण यहां सुबह से लेकर रात तक जाम की स्थिती बनी रहती है। बस स्टैंड नंबर एक और दो पर प्रदेश भर से आने वाले यात्री वाहन मुख्य मार्गों पर खड़े होकर सवारियों को बैठाते-उतारते हैं। इस कारण यात्रियों को बस स्टैंड के अंदर जाने में भारी मशक्कत करना पड़ती है।

रोज होता है करीब 400 बसों का आवागमन

शहर के व्यस्त बस स्टैंड पर दिन में रोज करीब 400 से अधिक बसों का आवागमन होता है। यहां से यूपी रोडवेज, मप्र परिवहन की बसों के साथ बहुत सारीं प्राइवेट बसें इंदौर, भोपाल, प्रयागराज, झांसी, आलीगढ़, उज्जैन, कानपुर, चित्रकूट, अजमेर, कोटा, नागपुर, महोबा, बांदा, दमोह, जबलपुर, पन्ना, सतना, रीवा, टीकमगढ़, गौरिहार, लवकुशनगर, महाराजपुर, बिजावर, हरपालपुर सहित अनेक शहरों और नगरों के लिए चलती हैं। ऐसे में यहां सुबह सात बजे से रात 10 बजे तक बड़ी संख्या में यात्रियों की आवाजाही बनी रहती है। इतनी बड़ी संख्या में बसों व यात्रियों के लिए परिसर अतिक्रमण व अव्यवस्था के कारण संकरा हो जाने से परेशानी बढ़ गई है।

ऑटो वालों ने बढ़ाई यात्रियों की परेशानी

बस स्टैंड पर जैसे ही बसे पहुंचती है, वैसे ही आटो चालक बस स्टैंड के मुख्य मार्ग पर वाहन को खड़ा कर देते हैं। बसों को चारों ओर से घेरकर आटो चालक सवारियों को जबरन खींचकर अपने आटो में बैठाने के चक्कर में अन्य लोगों का वहां से निकलना मुश्किल कर देते हैं। कई बार तो बस के चारों ओर आटो खड़े कर दिए जाने से यात्री बस से उतरने के लिए वाहन की खिड़की तक नहीं खोल पाते है। इन असुविधाओं की ओर किसी का ध्यान नहीं है।

हरदा से कांग्रेस के दोगने व टिमरनी से अभिजीत शाह निर्वाचित

हरदा,देशबन्धु। विधानसभा निर्वाचन के लिये मतगणना पॉलिटेक्निक कॉलेज में सम्पन्न हुई। मतगणना के बाद हरदा विधानसभा क्षेत्र से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अभ्यर्थी डॉ. आर.के. दोगने तथा टिमरनी विधानसभा क्षेत्र से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अभ्यर्थी अभिजीत शाह निर्वाचित घोषित किये गये। हरदा विधानसभा में मतगणना के दौरान भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अभ्यर्थी डॉ. रामकिशोर दोगने को 94553 मत मिले, जिसमें इवीएम के 93485 व डाक मतपत्र 1068 शामिल है।

इसी तरह भारतीय जनता पार्टी के अभ्यर्थी कमल पटेल को 93683 मत मिले, जिसमें 408 डाक मतपत्र भी शामिल है। बहूजन समाज पार्टी के अभ्यर्थी प्रहलाद पेंटर को कुल 1166 मत मिले, जिसमें 7 डाक मतपत्र भी शामिल है। जनता कांग्रेस के अभ्यर्थी परसराम हीरे को कुल 887 मत मिले, जिसमें 2 डाक मतपत्र भी शामिल है। आम भारतीय पार्टी के अभ्यर्थी सुनिल कुमार को कुल 171 मत मिले। आजाद समाज पार्टी के अभ्यर्थी सोहन उमरिया को कुल 655 मत मिले, जिसमें 5 डाक मतपत्र भी शामिल है। निर्दलीय प्रत्याशी गीता कमल पाण्डे को कुल 130 मत मिले, जिसमें 1 डाक मतपत्र भी शामिल है। निर्दलीय प्रत्याशी योगिता कांताराम दूधवाल को कुल 164 मत मिले। निर्दलीय अभ्यर्थी राजेश कर्मा को कुल 1520 मत मिले, जिसमें 6 डाक मतपत्र भी शामिल है। निर्दलीय अभ्यर्थी रोहित सोदे को कुल 870 मत मिले। निर्दलीय अभ्यर्थी एड्व्होकेट लोकेश कुमार तिवारी को कुल 414 मत मिले, जिसमें 2 डाक मतपत्र भी शामिल है। नोटा को कुल 2357 मत मिले जिसमें 16 डाक मतपत्र शामिल है।

वहीं टिमरनी विधानसभा में मतगणना के दौरान भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अभ्यर्थी अभिजीत शाह को 76554 मत मिले, जिसमें 630 डाक मतपत्र शामिल है। इसी तरह भारतीय जनता पार्टी के अभ्यर्थी संजय शाह को 75604 मत मिले, जिसमें 385 डाक मतपत्र भी शामिल है। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के अभ्यर्थी नंदकिशोर बैठे को कुल 1159 मत मिले, जिसमें 4 डाक मतपत्र भी शामिल है। गण सुरक्षा पार्टी के अभ्यर्थी भाउलाल उइके को कुल 444 मत मिले, जिसमें 3 डाक मतपत्र भी शामिल है। निर्दलीय प्रत्याशी जयकुमार उइके को कुल 757 मत मिले, जिसमें 2 डाक मतपत्र भी शामिल है। निर्दलीय प्रत्याशी रमेश मसकोले को कुल 3562 मत मिले, जिसमें 61 डाक मतपत्र भी शामिल है। निर्दलीय अभ्यर्थी लक्ष्मण धुर्वे को कुल 837 मत मिले। नोटा को कुल 2561 मत मिले जिसमें 14 डाक मतपत्र शामिल है। रिटर्निंग अधिकारी हरदा आशीष खरे ने विजेता अभ्यर्थी डॉ. दोगने को निर्वाचित होने संबंधी प्रमाण-पत्र प्रदान किया। इसी तरह टिमरनी विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग अधिकारी महेश बड़ोले ने विजेता अभ्यर्थी अभिजीत शाह को निर्वाचित होने संबंधी प्रमाण-पत्र प्रदान किया। इस दौरान प्रेक्षक हरदा हनीश छाबड़ा, प्रेक्षक टिमरनी नरिन्दर सिंह बाली, कलेक्टर ऋषि गर्ग, अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. नागार्जुन बी गौड़ा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रोहित सिसोनिया सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

जिले की 5 सीटों पर कमल खिला, कांग्रेस के खाते में आई एक सीट

- भाजपा को मिली उम्मीद से ज्यादा कामयाबी

छतरपुर, देशबन्धु। इस बार के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के बीच कांटे की टक्कर रही है। कडे मुकाबले के बाद जनमत ने भाजपा को उम्मीद से ज्यादा कामयाबी दिला दी है। जिले की महाराजपुर, चंदला, राजनगर, छतरपुर और बिजावर सीटों पर कमल खिल गया है। जबकि बडामलहरा सीट ही कांग्रेस के खाते में आ सकी है।

इस बार के चुनाव में भाजपा ने जहां प्रधानमंत्री मोदी के नाम से चुनाव लडा वहीं कांग्रेस ने भाजपा पर कई आरोप लगाकर जनता से सुशासन का वादा किया। मगर कांग्रेस का न नारा चला न नेतृत्व। जनता ने इस बार कांग्रेस को नकारकर भाजपा पर भरोसा किया है। मतदाताओं ने भाजपा को जिताकर संकेत दिये हैं कि आमजन को भाजपा की नीति और नीयत में पूरा भरोसा है। मोदी की गारंटी पर ऐतबार है। इसी का परिणाम रहा कि जिले की 5 सीटों पर भाजपा को प्रचंड बहुमत मिला है। इनमें महाराजपुर, चंदला, राजनगर, छतरपुर और बिजावर सीटों पर भाजपा की जीत से कमल खिल गया है। वहीं कांग्रेस को केवल एक सीट मलहरा की सीट से ही संतोस करना पडा है। महाराजपुर विधानसभा सीट का मूड इस बार भाजपा के पक्ष में रहा है। यहां से भाजपा के पूर्व विधायक मानवेन्द्र सिंह के पुत्र कामाख्या प्रताप सिंह को मतदाताओं ने पसंद किया और 76969 मत देकर कमल खिलाया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रत्याषी विधायक नीरज दीक्षित को 26617 मतों से हराया है। नीरज को केवल 50352 मत मिल सके हैं। तीसरे स्थान पर बसपा के इंजी महेष कुषवाहा 19812 मत लेकर आये हैं। कांग्रेस की हार में पार्टी के बागी उम्मीदवार अजय दौलत तिवारी का बडा हाथ रहा है, अजय ने समाजवादी पार्टी से चुनाव लडा और 11828 मत पाकर चैथे नंबर पर रहे हैं। बाकी उम्मीदवार केवल वोट काटने की स्थिति में रहे हैं। इनमें आम आदमी पार्टी के इंजी केआर पटेल 6469, आजाद समाज पार्टी के परसुराम पटेल 1422, निर्दलीय रामपाल अहिरवार 1035, निर्दलीय सचिन चैरसिया 681, निर्दलीय पुस्पेन्द्र अग्रवाल 389, जनअधिकारी पार्टी के गिरजा प्रसाद कुषवाहा 292, निर्दलीय पुरूसोत्तम नायक 249, भागीदारी पार्टी के राकेष प्रजापति 239, निर्दलीय नृपत कुषवाहा को 237 मत मिले है। इन सभी की जमानत जब्त हो गई है। जबकि नोटा में 1679 मत डाले गये हैं।

सुरक्षित चंदला विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार दिलीप अहिरवार 69668 मत लेकर जीत गये हैं। वे अपने निकटतम उम्मीदवार कांग्रेस के हरप्रसाद अनुरागी से 15491 मतों से विजयी रहे हैं। हरप्रसाद को केवल 54177 मत मिले हैं। तीसरे स्थान पर सपा के पुष्पेंद्र अहिरवार 24977 मत लेकर आये हैं। इनके अलावा बसपा के डीडी अहिरवार को 7124, निर्दलीय प्रेमचंद्र वर्मा 783, रास्ट्रवादी भारत पार्टी के राजा भइया प्रजापति 698, निर्दलीय रामदीन अहिरवार 692, लोक जनषक्ति पार्टी के लखनलाल अनुरागी 649, जनअभियान पार्टी के योगेष प्रजापति को 591 और नोटा को 2135 मत मिले हैं।

राजनगर विधानसभा क्षेत्र में इस बार भाजपा ने कांग्रेस के अजेय किले में सेंध लगाकर कमल खिला दिया है। यहां से भाजपा के अरविंद पटैरिया ने 69698 मत पाकर कांग्रेस के विधायक विक्रम सिंह नाती राजा को 5867 मतों से हरा दिया है। नाती राजा को 63831 मतों से संतोस करना पडा है। भाजपा से बगावत करके बसपा के टिकट पर चुनाव लडने वाले डा घासीराम पटेल को 32195 मत मिल सके हैं। सपा के ब्रजगोपाल पटेल को 6353, आम आदमी पार्टी के राजू पाल 1729, निर्दलीय भूरा पटेल 1443, निर्दलीय नीरज को 977, निर्दलीय विपिन 954, निर्दलीय पूनम अहिरवार 752, निर्दलीय प्रमोद कुमार को 736, मालवा कांग्रेस के इमरान 511, निर्दलीय दषरथ कुषवाहा 483, जनता दल यूनाइटेड की रामकुंवर रैकवार 472, निर्दलीय अजय सिंह यादव को 400, निर्दलीय विपिन शर्मा 399, उमाकांत नामदेव 295, जन अधिकारी पार्टी के हरिओम अहिरवार 291, निर्दलीय रास्ट्रीय गौंडवाना पार्टी के राजकुमार चैरसिया 248, निर्दलीय वीरेन्द्र पटेल को 233 मत मिले हैं। इन सभी की जमानत जब्त हो गई है। वहीं नोटा में 762 मत डाले गये हैं। छतरपुर विधानसभा सीट से भाजपा की प्रदेष उपाध्यक्ष और पूर्व मंत्री ललिता यादव चुनाव जीत गई हैं। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी विधायक आलोक चतुर्वेदी को 6967 मतों से पराजित करके छतरपुर में दोबारा भाजपा की किलाबंदी कर दी है। ललिता यादव को 77687 मत मिले जबकि आलोक चतुर्वेदी को केवल 70720 मत मिल सके हैं। यहां से कांग्रेस की पराजय के पीछे बहुजन समाज पार्टी के डीलमणि सिंह का सबसे बडा हाथ रहा है।

जिले की चारों विधानसभा क्षेत्रों से भाजपा प्रत्याशी जीते

लाड़ली बहना का दिखा असर, हर राउंड में भाजपा रही आगे

नर्मदापुरम, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव की रविवार को हुई मतगणना में जिले की चारों विधानसभा सीटों पर फिर एक बार भाजपा ने जीत दर्ज की है। सोहागपुर से विजयपाल सिंह, होशंगाबाद से डॉ सीतासरन शर्मा, सिवनीमालवा से प्रेमशंकर वर्मा और पिपरिया से ठाकुरदास नागवंशी ने अपनी जीत दर्ज की है। वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में भी चारों सीटों पर भाजपा का कब्जा था। अब विधानसभा 2023 के लिए भी भाजपा संगठन और केंद्रीय नेतृत्व ने वर्तमान विधायकों पर ही विश्वास जता कर उन्हें टिकिट दी, जिसके बाद चारों विधायक उस पर खरे उतरे हैं। जिले में भाजपा की जीत पर मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना का असर भी देखा जा रहा है।

मतगणना के बाद से ही लोग आपसी चर्चा में लाड़ली बहना का जादू चलने की बात कर रहे हैं। तो कुछ लोग यह भी कहते सुनाई दे रहे हैं कि लाड़ली बहना जादू होने के बाद भी कांग्रेस ने भाजपा प्रत्याशियों को कांटे की टक्कर दी है। चारों ही विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा-कांग्रेस में मुकाबला रोमांचित करने वाला रहा है। जिले के चारों भाजपा प्रत्याशी मतगणना के हर राउंड में आगे ही रहे। भाजपा की जीत के बाद समर्थकों ने खुशियां मनाई। भाजपा जिलाध्यक्ष माधवदास अग्रवाल ने जीत पर कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं से सार्थक परिणाम सामने आए हैं। लाड़ली बहनों ने हमारे प्रत्याशियों को जो आशीर्वाद दिया है वो जीत का आधार है। मीडिया द्वारा मुख्यमंत्री का चेहरा कौन है के सवाल पर जिलाध्यक्ष साफ तौर पर भाजपा से आगामी मुख्यमंत्री का नाम लेने से बचते रहे। उन्होंने सिर्फ इतना कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में चुनाव लड़ा है।

भाई-भाई के बीच निर्दलीय ने त्रिकोणीय किया मुकाबला=

जिले की होशंगाबाद-इटारसी विधानसभा क्षेत्र राजनीति में पार्टी और चुनाव से कहीं ज्यादा चर्चित दो सगे भाईयों के आमने सामने होने से रही। एक भाई भाजपा से तो दूसरे कांग्रेस के टिकिट पर चुनावी मैदान में थे। लोग यह कह रहे थे कि यहां भाईयों में व्यक्तिगत तौर पर अब न कोई जीत कर जीत सकता है, और न ही कोई हार कर हार सकता था। क्योंकि जीते कोई भी विधायक बनना एक ही परिवार से है। पर यहां भाजपा और कांग्रेस दोनों ही पार्टियों के लिए वर्चस्व की जंग बनी हुई थी। तमाम विरोधाभासों के बावजूद दोनों ही पार्टियों ने बड़ा जोखिम उठाया था। एक ओर कांग्रेस ने अपने सक्रिय कार्यकर्ताओं की अनदेखी करते हुए करीब 2 माह पूर्व ही भाजपा से कांग्रेस में शामिल हुए भाजपा से 2 बार के विधायक गिरिजाशंकर शर्मा को अपना प्रत्याशी बनाया। तो वहीं 5 बार से इस सीट से भाजपा का नेतृत्व कर रहे पूर्व विधानसभा अध्यक्ष और वर्तमान विधायक डॉ सीतासरन शर्मा को भाजपा ने फिर से टिकिट देकर, उनके खिलाफ चल रहे तमाम षड्यंत्रों को विराम दिया था। लेकिन एक ही परिवार को बार बार मिल रही टिकिट से खफा भाजपा के बागी नेता भगवती प्रसाद चौरे ने चुनाव को त्रिकोणीय मोड़ चुनावी मैदान में निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में आकर दे दिया। जिसका परिणाम रविवार को यह निकला कि होशंगाबाद विधानसभा में कुल 1 लाख 69 हजार 449 मत पड़े थे। जिनमें सिर्फ महिलाओं ने 81 हजार 205 मत देकर करीब 75 प्रतिशत की हिस्सेदारी से मतदान किया था। 73161 मत प्राप्त कर भाजपा प्रत्याशी डॉ सीताशरण शर्मा विजयी हुए। निर्दलीय प्रत्याशी भगवती चोरे को 57655 और कांग्रेस प्रत्याशी गिरजाशंकर शर्मा को 33639 मत प्राप्त हुए। निर्दलीय के रूप में भगवती प्रसाद चौरे ने कांग्रेस को खासा नुकसान पहुंचाया। क्षेत्र में कांग्रेस को तीसरे पायदान पर आना पड़ा। दूसरे पायदान पर निर्दलीय प्रत्याशी भगवती प्रसाद चौरे रहे।

सोहागपुर विधानसभा में कांटे का मुकाबला-विधानसभा सोहागपुर में भाजपा और कांग्रेस के बीच कांटे का मुकाबला रहा। शुरुआत से बढ़त बनाकर चल रहे भाजपा प्रत्याशी को कांग्रेस प्रत्याशी अंतिम कुछ राउंड में बराबरी पर ले आए। क्षेत्र में सर्वाधिक मतदान हुआ था। यहां 2 लाख 7 हजार 632 मतदाताओं ने मतदान किया था। जो 85.7 प्रतिशत रहा था। यहां पर 97 हजार 616 सिर्फ महिलाओं ने मतदान किया। जो 85 प्रतिशत था। 1 लाख 3 हजार 379 मत प्राप्त कर भाजपा से प्रत्याशी विजयपाल सिंह विजयी हुए। उन्होंने मात्र 1762 मतों से कांग्रेस प्रत्याशी पुष्पराज सिंह को हराया। कांग्रेस प्रत्याशी को 1 लाख 1 हजार 617 मत प्राप्त हुए। रिटर्निंग अधिकारी सोहागपुर बृजेन्द्र रावत ने विजयपाल सिंह को निर्वाचित होने का प्रमाण पत्र वितरित किया।

पिपरिया-सिवनीमालवा भी भाजपामय

विधानसभा पिपरिया अन्तर्गत भाजपा से प्रत्याशी ठाकुरदास नागवंशी विजयी हुए। उन्हे कुल 1 लाख 7 हजार 372 मत प्राप्त हुए। कांग्रेस प्रत्याशी वीरेंद्र बेलवंशी को 76 हजार 849 मत प्राप्त हुए। रिटर्निंग अधिकारी पिपरिया संतोष कुमार तिवारी ने ठाकुर दास नागवंशी को निर्वाचित होने का प्रमाण पत्र वितरित किया। वहीं विधानसभा सिवनीमालवा अन्तर्गत भाजपा से प्रत्याशी प्रेम शंकर वर्मा विजयी हुए। उन्हे कुल 1 लाख 3882 मत प्राप्त हुए। कांग्रेस प्रत्याशी अजय बलराम सिंह पटेल को 67 हजार 868 मत प्राप्त हुए। रिटर्निंग अधिकारी सिवनीमालवा ने प्रेम शंकर वर्मा को निर्वाचित होने के प्रमाण पत्र वितरित किया।

सबसे बड़ी जीत प्रेमशंकर वर्मा की, सबसे छोटी विजयपाल की

इटारसी, देशबन्धु। *नर्मदापुरम जिले की चारों विधानसभाओं के चुनाव परिणाम घोषित किये जा चुके हैं। भारतीय जनता पार्टी ने यहां अपनी जीत को कायम रखा है और चारों सीट पूर्व की भांति यथावत हैं। चारों विधानसभा में सबसे बड़ी जीत सिवनी मालवा में प्रेमशंकर वर्मा की और सबसे छोटी जीत सोहागपुर से विजयपाल सिंह की है। होशंगाबाद विधानसभा की जीत इसलिए महत्वपूर्ण रही, क्योंकि यहां दोनों पार्टियों के असंतुष्टों ने गोपनीय तौर पर निर्दलीय प्रत्याशी का साथ दिया था। डॉ. शर्मा को कई मोर्चों पर चुनाव लड़ना पड़ा और इसके बावजूद उनकी जीत हुई। जिले की चार में से दो विधानसभा क्षेत्र में त्रिकोणीय संघर्ष था। जहां नर्मदापुरम में भारतीय जनता पार्टी के बागी प्रत्याशी भगवती चौरे का सीधा मुकाबला भाजपा के प्रत्याशी डॉ.सीतासरन शर्मा से था। डॉ. शर्मा ने यहां से 15506 वोट से जीत हासिल की। श्री चौरे दूसरे स्थान पर रहे और कांग्रेस के गिरिजाशंकर शर्मा 33639 वोट पाकर तीसरे स्थान पर आये। वहीं सिवनी मालवा विधानसभा में कांग्रेस के बागी ओम रघुवंशी ने त्रिकोणीय संघर्ष बनाया था। हालांकि वे अपेक्षित वोट हासिल नहीं कर सके और तीसरे स्थान पर रहे। यहां भाजपा के प्रेमशंकर वर्मा ने कांग्रेस के अजय बलराम पटेल को 36014 वोटों के अंतर से करारी शिकस्त दी। ओम रघुवंशी 18860 वोट लेकर तीसरे स्थान पर रहे। सोहागपुर में सबसे छोटी जीत दर्ज हुई है। यहां विधायक रहे और भाजपा के प्रत्याशी विजयपाल सिंह ने कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष पुष्पराज पटेल को महज 1762 वोट से हराया। भाजपा की बढ़त एक वक्त बहुत अधिक हो गयी थी। लेकिन अंतिम तीन-चार राउंड में कांग्रेस प्रत्याशी ने सबको कवर कर लिया लेकिन, वे फिर भी जीत के अंक नहीं जुटा सके। पिपरिया से भाजपा के प्रत्याशी ठाकुरदास नागवंशी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के वीरेन्द्र बेलवंशी को 30523 वोटों से हराया।*

मेडिकल स्टोर में लगी आग, तत्काल काबू पाया

इटारसी, देशबन्धु। महात्मा गांधी मार्ग पर आरएमएस आफिस के सामने स्थित एक मेडिकल स्टोर में बीती रात करीब 12:30 बजे अचानक आग लग गयी। आग का कारण अभी पता नहीं चला है, लेकिन चर्चा है कि आग विद्युत शॉर्ट सर्किट से लगी होगी।

एमजी रोड स्थित जुनेजा मेडिकल स्टोर में शनिवार रात 12.30 बजे आग लग गई। दुकान के भीतर से आग की लपटें और धुआं निकल रहा था। इसी दौरान यहां से आवाजाही कर रहे लोगों की नजर पड़ी। जिसके बाद पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। दुकान का ताला तोड़कर आग बुझाई गई। आग कैसे लगी और कितना नुकसान हुआ इसका पता अभी नहीं लग पाया है। बता दें कि दुकान संचालक शशि जुनेजा शहर से बाहर गए थे। आग विकराल रूप धारण करती उसके पूर्व ही आग पर काबू पा लिया गया।

रेल यात्रियों के लिए खबर : जीटी एक्सप्रेस की एक-एक ट्रिप बहाल रहेगी

इटारसी, देशबन्धु। आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों से मिचौंग साइक्लोन के टकराने की चेतावनी के चलते गाड़ी 12615 एमजीआर चेन्नई सेन्ट्रल-नई दिल्ली जीटी एक्सप्रेस 03, 04 एवं 05 दिसंबर 2023 को तथा 12616 नई दिल्ली-एमजीआर चेन्नई सेन्ट्रल जीटी एक्सप्रेस 05, 06 एवं 07 दिसंबर 2023 को प्रारंभिक स्टेशन से निरस्त करने संबंधी पूर्व में नोटिफिकेशन/प्रेस विज्ञप्ति जारी की गई थी।

संशोधित नोटिफिकेशन के अनुसार 05 दिसंबर 2023 को एमजीआर चेन्नई सेन्ट्रल स्टेशन से छूटने वाली 12615 एमजीआर चेन्नई सेन्ट्रल-नई दिल्ली जीटी एक्सप्रेस तथा 07 दिसंबर 2023 को नई दिल्ली से छूटने वाली गाड़ी संख्या 12616 नई दिल्ली-एमजीआर चेन्नई सेन्ट्रल जीटी एक्सप्रेस की सेवा बहाल रहेगी। अत: जीटी एक्सप्रेस 05 दिसंबर 2023 को चेन्नई सेंट्रल से तथा 07 दिसंबर 2023 को नई दिल्ली से प्रस्थान कर नियमित समय-सारणी के अनुसार गंतव्य को जाएगी।

छलक उठे खुशी के आंसू

जीत के बाद बड़े भाई से गले मिल रो पड़े विधायक विजयपाल

सोहागपुर, देशबन्धु। प्रदेश विधानसभा के चुनाव परिणाम आ गए जिसमें भाजपा ने प्रचंड जीत से सरकार बनाई सोहागपुर के विधायक विजयपाल सिंह 1762 वोटो से विजय हुए जीत के बाद उनके खुशी के आंसू छलक गए और बड़े भाई राजेंद्र सिंह से गले मिलकर रो पड़े कुछ देर के लिए माहौल शांत हो गया और फिर विजय अपने नाम के अनुरूप विजय की पताका फहराते हुए कार्यकर्ताओं से मिलने लगे हालांकि विजयपाल सिंह को एक बड़ी जीत की उम्मीद थी लेकिन सुहागपुर ब्लॉक में कांग्रेस प्रत्याशी पुष्पराज पटेल को अधिक वोट दिए विजयपाल को माखन नगर में पिछले तीन बार की तरह बंपर वोट देकर उन्हें विजय श्री दिलाई विजयपाल सिंह ने कहा इस जीत में कांग्रेस से भाजपा में आई पूर्व विधायक सविता दीवान शर्मा का एहेमरोल था के उनके आने से जीत सुनिश्चित हुई साथ ही माखन नगर के लोगों ने भरपूर प्यार दिया साथ ही सभी मतदाताओं का आभार व्यक्त किया कांग्रेस और भाजपा में कड़ी टक्कर दिखाई दी आखिरी राउंड तक जीत हार के दाव लगाते रहे अंतत: अपने नाम के अनुरूप विजयपाल विजई हुए कहीं ना कहीं सुहागपुर ब्लॉक से आशा अनुरूप वोट विजयपाल को नहीं मिले जिसकी टीस उनके मन में अवश्य होगी,बरहाल अंत भला तो सब भला ।

मुख्यमंत्री ने ली थी 2 सभाएं, किया था रोड शो

सोहागपुर विधानसभा में स्थानीय का मुद्दा सुहागपुर ब्लॉक में हावी दिखाई दिया वही माखननगर ने मुद्दे को नकार दिया आदिवासी क्षेत्र में सीएम की सभा का आयोजन हुआ साथ ही सुहागपुर में रोड शो के साथ सीएम ने पुराने थाने के पीछे सभा की थी केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर भी ब्लॉक में पहुंचे थे साथ में मां की लाडली बहनों ने कमाल दिखाया और विधायक को विजय श्री दिलाई विजयपाल की जीत और सरकार बनने के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने ढोल धमाके और आतिशबाजी के साथ जीत का जश्न मनाया एक दूसरे को मिठाई खिलाई गई।

आयुक्त निःशक्तजन संदीप रजक का राष्ट्रीय अवार्ड के लिए चयन

इटारसी, देशबन्धु। मध्यप्रदेश के आयुक्त नि:शक्तजन संदीप रजक का राष्ट्रीय अवार्ड के लिए चयन होने पर समाज के लोगों ने खुशी व्यक्त की है।

दिव्यांगजन सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय अवार्ड में 'सर्वश्रेष्ठ राज्य दिव्यांगता आयुक्त अवार्ड' हेतु मध्य प्रदेश के आयुक्त नि:शक्तजन संदीप रजक को चुना है। प्रदेश में दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन, दिव्यांगजनों हेतु शिक्षण, पुनर्वास, रोजगार, स्वरोजगार, खेल, बाधा रहित वातावरण के साथ ही यूडीआईडी कार्ड बनाने में देश में सबसे बेहतर कार्य किया है। रजक समाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजकुमार मालवीय ने बताया कि श्री रजक द्वारा निरंतर जिला स्तर पर चलित न्यायालय, एडवोकेसी बैठकों के माध्यम से दिव्यांगजनों की समस्याओं के निराकरण और शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में सक्रिय भूमिका का निर्वहन किया गया है।

छात्रा से छेड़खानी के आरोपी को 5 वर्ष का कारावास

सागर, देशबन्धु। छात्रा के साथ छेड़खानी करने वाले आरोपी चैन सिंह को अदालत ने 5 वर्ष के सश्रम कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई है। तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश व विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट 2012 नीलम शुक्ला की कोर्ट में प्रकरण की सुनवाई हुई। मामले में शासन की ओर सहायक जिला अभियोजन अधिकारी रिपा जैन ने पैरवी की। प्रकरण में आरोपी पर लैंगिक हमला करने के अपराध की पूर्व दोषसिद्धि थी। जिसे अभियोजन द्वारा प्रमाणित की गई, जिस कारण आरोपी को उपबंधित दंड से वर्धित दंड दिया गया है। अभियोजन के मीडिया प्रभारी ने बताया कि बालिका ने थाना जैसीनगर में शिकायत की थी। शिकायत में बताया कि घटना दिनांक को वह अपने घर से स्कूल जा रही थी। तभी रास्ते में मंदिर के पास पहुंची तो पीछे से आरोपी चैन सिंह आया और उसने तौलिया से उसका मुंह दबा दिया। उसके साथ छेड़छाड़ की। वह चिल्लाई तो उसके पीछे से आ रहे गांव के व्यक्ति को देख आरोपी भाग गया। बालिका ने घर आकर घटना के संबंध में परिवार वालों को बताया। मामले की शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। जांच पूरी होने पर कोर्ट में चालान पेश किया। न्यायालय ने मामले में सुनवाई शुरू की। सुनवाई के दौरान अभियोजन ने प्रकरण से जुड़े साक्ष्य व दस्तावेज कोर्ट में पेश किए। न्यायालय ने मामले में सुनवाई करते हुए साक्ष्यों के आधार पर आरोपी चैनसिंह को 5 वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है।

पंचकल्याणक महोत्सव के लिए जुलूस निकालकर दिया न्यौता

- कल से प्रारंभ हो रहा है छह दिनी महोत्सव
- पीले चावल अर्पित करके आमंत्रित किया

इटारसी। शहर में कल 4 दिसंबर से प्रारंभ होने जा रहे पंच कल्याणक एवं गजरथ महोत्सव की पूर्व बेला में आज इटारसी जैन समाज के सभी महिला एवं पुरुष एक जुलूस के रूप में निकले और सभी पुण्यशाली महापात्र के घर-घर जाकर पीले चावल अर्पित कर सभी पात्रों को ससम्मान आमंत्रित किया। दोपहर 3 बजे राजा नाभि राय और उनकी रानी अर्थात भगवान के माता-पिता की गोद भराई रस्म पूरे विधि विधान के साथ एलकेजी मंदिर प्रांगण में परिपूर्ण हुई। सभी महापात्रों की हल्दी रस्म एवं मेहंदी रस्म सामूहिक रूप से संपन्न हुई। कार्यक्रम के सूत्रधार प्रदीप एवं सुमित ने कहा कि हम कई वर्षों से अलग-अलग स्थान पर इस प्रकार के पंचकल्याणक आयोजित एवं संचालित करते आ रहे हैं। किंतु इटारसी शहर में इतना अद्भुत एकापन, इतना सामंजस, इतना वात्सल्य आपस में एक दूसरे के प्रति देखने को मिला यह बहुत अच्छी बात है।

पंच कल्याणक समिति के महामंत्री एवं प्रवक्ता अधिवक्ता दीपक जैन ने बताया कि तैयारी सभी परिपूर्ण हो चुकी हैं। कल पंचकल्याणक के प्रथम दिन 4 दिसंबर को प्रात 6:30 बजे श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर पहली लाइन से घट यात्रा प्रारंभ होगी। समाज की महिलाएं केसरिया वस्त्र में अपने माथे पर पुण्य कलश लेकर चलेगी। घट यात्रा के दौरान शहर में विराजमान मुनिराज परम पूज्य निर्णय सागर जी महाराज सत्संग उपस्थित रहेंगे। श्रीजी की शोभायात्रा पूर्ण भक्ति भाव और धूमधाम के साथ शहर के मुख्य मार्ग से होती हुई कार्यक्रम स्थल एलकेजी परिसर पहुंचेगी। तत्पश्चात विश्व शांति के लिए सर्वप्रथम ध्वजारोहण एवं बाकी के सभी कार्यक्रम परिपूर्ण होंगे।

विधायक निवास पर संगीतमय भक्तांबर पाठ का आयोजन

सागर, देशबन्धु। विधायक शैलेंद्र जैन एवं अनुश्री जैन ने धर्मश्री स्थित निवास पर संगीतमय भक्तांबर स्त्रोत पाठ का आयोजन किया। आयोजन में बड़ी संख्या मे शामिल साधर्मी बंधुओ ने पूर्ण भक्ति भाव से जैन भजन गायिका अहिंसा जैन के साथ आचार्य मानतुंग द्वारा रचित भक्तांबर स्त्रोत का पाठ किया। जैन म्यूजिकल टीम ने मनमोहक सहभागिता की। कार्यक्रम में प्रत्येक काव्य के साथ उपस्थित श्रद्धालुओं ने दीप के साथ अर्ध समर्पित किया। पूर्ण विधि विधान एवं मांगलिक क्रियाओं के साथ संपन्न हुए इस आयोजन हेतु श्री जैन एवं अनु श्री जैन को आगंतुकों ने शुभकामनाएं प्रेषित की। श्री जैन कहा कि जब आचार्य मानतुंग अपने आपको जिनेंद्र प्रभु के चरणों में समर्पित करते हैं, तो उनके अंतर्मन से भक्ति काव्य की धारा प्रस्फुटित होती है। कहने को तो इसमें मात्र 48 लोक ही हैं, पर सचमुच इसकी गहराई में उतरा जाए तो भक्ति भावना से जुड़ी प्रभावी साधना का यह समूचा दर्शन है स्वयं आचार्य मानतुंग इस काव्य की रचना करते करते बंधनमुक्त हो गए थे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सागर विधानसभा क्षेत्र के जैन धर्मावलंबी शामिल हुए।

भाजपा की प्रचंड जीत पर भाजपा कार्यालय में मना जश्न, पटाखे फोड़े , मिठाई बांटी

भोपाल, देशबन्धु। भाजपा को मिली प्रचंड जीत पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में जश्न का माहौल था। यहां कार्यकर्ताओं ने जमकर पटाखे फोड़े और मिठाईयां बांटकर एक दूसरे का मुंह मीठा कराया। मतों की गिनती के दौरान जैसे-जैसे पार्टी को बढ़त मिलती गई पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं प्रदेश कार्यालय पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गए। दोपहर तक स्पष्ट रुझान भाजपा के पक्ष में आने के बाद कार्यकर्ताओं का जोश देखते बनता था। यहां ढोल नगाड़े लेकर कार्यकर्ता पहुंचे और जमकर नृत्य किया। ऐतिहासिक जीत पर खुशी का आलम यह था कि कार्यकर्ताओं ने भाजपा प्रदेशाध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा को कंधे पर उठा लिया। पूरा इलाका पटाखों की आवाज और भाजपा जिंदाबाद के नारों से गूंज रहा था।

इस अवसर पर राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, केन्द्रीय मंत्री व प्रदेश चुनाव प्रभारी भूपेन्द्र यादव, केंद्रीय मंत्री व प्रदेश चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक नरेंद्र सिंह तोमर, केन्द्रीय मंत्री एवं प्रदेश चुनाव सह प्रभारी अश्विनी वैष्णव, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद , केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रभात झा, सांसद सुश्री प्रज्ञा सिंह ठाकुर, प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती सीमा सिंह, प्रदेश मंत्री रजनीश अग्रवाल, राहुल कोठारी, लोकेन्द्र पाराशर, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, महापौर श्रीमती मालती राय, विधायक रामेश्वर शर्मा, श्रीमती कृष्णा गौर, प्रदेश कार्यालय मंत्री डॉ. राघवेन्द्र शर्मा, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी जुगल किशोर शर्मा, श्रीमती क्षमा त्रिपाठी, पूर्व सांसद आलोक संजर, निगम मंडल अध्यक्ष विनोद गोटिया, शैलेन्द्र बरूआ, शैलेन्द्र शर्मा, शैतान सिंह पाल, विजय दुबे, प्रदेश प्रवक्ता पंकज चतुर्वेदी, नरेन्द्र सलूजा, मिलन भार्गव, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती माया नारोलिया, किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष दर्शन सिंह चौधरी, युवा मोर्चा

प्रदेश अध्यक्ष वैभव पंवार, सोशल मीडिया विभाग के संयोजक अभिषेक शर्मा, आईटी विभाग के प्रदेश संयोजक अमन शुक्ला, भोपाल जिला प्रभारी महेन्द्र यादव, जिलाध्यक्ष सुमित पचौरी, सुनील पाण्डे, भोपाल नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी, अभय प्रताप सिंह, प्रदीप त्रिपाठी, उमाकांत दीक्षित, श्याम बंसल, एसएस उप्पल, विजय अटवाल, पेनालिस्ट सचिन वर्मा, श्रीमती वंदना त्रिपाठी, शिवम शुक्ला, सत्येन्द्र जैन, रामदयाल प्रजापति व पार्टी के प्रदेश पदाधिकारी, जिला पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

डबल इंजन सरकार के काम को मिला आशीर्वाद : शिवराज

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एमपी के मन में और देश के दिल में बसे हैं। प्रदेश को लगातार उनका प्यार और आशीर्वाद मिला है तथा प्रदेश की जनता भी उनके प्रति अगाध विश्वास और श्रद्धा रखती है। इसी श्रद्धा और विश्वास के चलते प्रधानमंत्री ने जो गारंटी दी, जनता ने उस पर भी विश्वास किया और भाजपा पर भरपूर प्यार और आशीर्वाद लुटाया है। श्री चौहान ने प्रदेश में पार्टी को मिली ऐतिहासिक जीत को डबल इंजन सरकार के कामों को मिला आशीर्वाद बताया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भाजपा को एक बार फिर शानदार जीत मिली है। उन्होंने कहा कि हमने हर वर्ग के कल्याण के लिए लाड़ली बहना योजना, सीखो कमाओ योजना जैसी जो योजनाएं बनाईं और केंद्र सरकार की योजनाओं का जिस तरह से क्रियान्वयन किया है। श्री चौहान ने कहा कि हम सभी जनता को यह विश्वास दिलाते हैं कि जनता को दिया गया एक-एक वचन पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में देश के गृहमंत्री और कुशल रणनीतिकार अमित शाह ने जीत की रणनीति तैयार की। हमें राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का कुशल मार्गदर्शन मिला। राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, केन्द्रीय मंत्री व प्रदेश चुनाव प्रभारी भूपेन्द्र यादव, केंद्रीय मंत्री व प्रदेश चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक नरेन्द्र सिंह तोमर, प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा, केन्द्रीय मंत्री एवं प्रदेश चुनाव सह प्रभारी अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और हम सभी लोगों ने कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर काम किया, मेहनत की। यह जीत उसी का परिणाम है और इसके लिए मैं सभी कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देता हूं।

कल्याणकारी योजनाओं, रणनीति और सामूहिक नेतृत्व की जीत : शर्मा

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष और सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की डबल इंजन की सरकार, रणनीति व सामूहिक नेतृत्व से यह जीत मिली है। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के कुशल नेतृत्व और रणनीति की वजह से भाजपा एक बार फिर प्रचंड बहुमत से सरकार बना रही है। इसके लिए पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को बहुत-बहुत धन्यवाद। केन्द्र और राज्य की भाजपा सरकारों की नीतियों और विकास तथा गरीब कल्याण के कार्यों के लिए जनता ने पार्टी को आशीर्वाद दिया है।

भाजपा की जीत पर पार्टी मुख्यालय पहुंचे मोदी, बोले

आज आत्मनिर्भर भारत की जीत हुई

विपक्ष पर साधा निशाना, ये लोग जाति के नाम पर बांट रहे

नई दिल्ली, देशबन्धु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और तेलंगाना के चुनाव को लेकर लोगों को धन्यवाद करते हुए विपक्ष पर रविवार को जमकर हमला किया। उन्होंने कहा कि ये लोग समाज को जाति के नाम पर बांटने की कोशिश कर रहे हैं।

पीएम मोदी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि इस चुनाव में समाज को जातियों में बांटने की खूब कोशिश हुई। लेकिन मैं लगातार कह रहा था कि मेरे लिए देश में चार जातियां ही सबसे बड़ी जातियां हैं. ये हैं हमारी नारी शक्ति, युवा शक्ति, किसान और गरीब परिवार। इन चार जातियों को सशक्त करने से ही देश सशक्त होने वाला है। आज बड़ी संख्या में ओबीसी और आदिवासी इसी जाति में आते हैं। दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में कार्यकर्ताओं को संवोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, आज की विजय ऐताहिसिक है। सबका साथ, सबका विकास की भावना की जीत हुई है। विकसित भारत के आह्वान की जीत हुई है। आत्मनिर्भर भारत की जीत हुई है। आज भारत के विकास के लिए राज्यों के विकास की सोच की जीत हुई है। आज ईमानदारी की जीत हूई है।

राहुल बोले, विचारधारा की लड़ाई जारी रहेगी

मप्र, छत्तीसगढ़ व राजस्थान का जानादेश विनम्रता से स्वीकार

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तेलंगाना में पार्टी को बहुमत से जीतने के लिए वहां की जनता का आभार व्यक्त किया लेकिन कहा कि वह मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में मिले जनादेश को विनम्रता पूरक स्वीकार करते हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि उनकी लड़ाई विचारधारा की है और यह लड़ाई जारी रहेगी। उन्होंने तेलंगाना में कांग्रेस को बहुमत देने के लिए वहां के मतदाताओं का आभार जताया और कहा 'तेलंगाना के लोगों को मेरा बहुत धन्यवाद - प्रजालु तेलंगाना बनाने का वादा हम ज़रूर पूरा करेंगे। सभी कार्यकर्ताओं को

तेलंगाना में मतदाताओं का आभार जताया

उनकी मेहनत और समर्थन के लिए दिल से शुक्रिया।' इस बीच कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जय राम रमेश ने कहा कि जिन राज्यों में पार्टी को हार मिली है वहां जल्द ही पार्टी फिर मजबूती के साथ खड़ी होगी। उन्होंने कहा, ठीक 20 साल पहले भी कांग्रेस को छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में हुए विधानसभा चुनावों में हार का सामना करना पड़ा था। उस वक्त हमें सिर्फ दिल्ली में जीत मिली थी। लेकिन कुछ ही महीनों में ज़ोरदार ढंग से वापसी करते हुए कांग्रेस लोकसभा चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी और केंद्र में सरकार बनाई। आशा, विश्वास, धैर्य और दृढ़ संकल्प साथ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस आगामी लोकसभा चुनावों के लिए तैयारी करेगी।

कांग्रेस ने 6 को बुलाई इंडिया गठबंधन की बैठक

नई दिल्ली, एजेंसी। चार राज्यों के विधानसभा चुनाव नतीजों के बीच कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे अगले साल होने वाले 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुट गए हैं। खबर है कि मल्लिकार्जुन खरगे ने इंडिया गठबंधन की बैठक बुलाई है। ये बैठक 6 दिसम्बर को राजधानी दिल्ली में होगी। इस बैठक में पूरे घटक दलों के बजाए समन्वय समिति में शामिल दलों के नेता शामिल होंगे। जिसमें लोकसभा चुनाव की रणनीति पर चर्चा की जाएगी। माना जा रहा हा कि चार राज्यों के नतीजों का असर इंडिया गठबंधन के समीकरण पर भी पड़ सकता है। दरअसल सीट बंटवारे को लेकर इंडिया गठबंधन में भी तालमेल नहीं बैठ पा रहा है। विधानसभा चुनाव से पहले ही समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी सीटों के बंटवारे को लेकर बात करना चाह रही थी। लेकिन उस समय कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव का हवाला देकर बात टाल दी थी। उधर, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी इंडिया गठबंधन में 2024 के एजेंडे पर कांग्रेस के हल्के रुख पर सवाल उठा रहे थे। नीतीश ने खुले मंच से कह दिया था कि कांग्रेस राज्यों के चुनावों में व्यस्त हैं। अब जबकि विधानसभा चुनावों के नतीजे आ गए हैं, इस बीच खरगे ने लोकसभा चुनाव को लेकर इंडिया गठबंधन के नेताओं की बैठक बुला ली है।

भोपाल में 5 विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा तो 2 में कांग्रेस उम्मीदवार जीते

भोपाल, देशबन्धु। भोपाल की सभी सात विधानसभा क्षेत्र के नतीजे आ गए हैं। इनमें से 5 क्षेत्रों में भाजपा तो 2 क्षेत्रों में कांग्रेस ने जीत हासिल की है। भोपाल उत्तर से कांग्रेस प्रत्याशी आतिफ अकील ने भाजपा के आलोक शर्मा को , मध्य से कांग्रेस प्रत्याशी आरिफ मसूद ने भाजपा के ध्रुवनारायण सिंह को, नरेला से भाजपा के विश्वास सारंग ने कांग्रेस के मनोज शुक्ला को बैरसिया से भाजपा के विष्णु खत्री ने कांग्रेस की जयश्री हरिकिरण को, हुजूर से भाजपा प्रत्याशी रामेश्वर शर्मा ने कांग्रेस के नरेश ज्ञानचंदानी को दक्षिण-पश्चिम से भाजपा के भगवान दास सबनानी ने पीसी शर्मा को शिकस्त दी है। इसके साथ ही भोपाल को उत्तर और दक्षिण-पश्चिम से दो नए चेहरे विधायक के रूप में मिले हैं। कांग्रेस विधायक एवं पूर्व मंत्री आरिफ अकील के बेटे आतिफ अकील अपने पिता के विधानसभा क्षेत्र भोपाल उत्तर से पहली बार विधायक चुने गए हैं। उधर, दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र भाजपा ने कांग्रेस से छीन लिया है। यहां से भाजपा प्रत्याशी भगवान दास सबनानी जीत दर्ज की है।

नरेला में भाजपा के विश्वास ने जीत का चौका लगाया

नरेला विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के विश्वास सारंग ने कांग्रेस के मनोज शुक्ला को 24 हजार 199 मतों से हराकर जीत का चौका पूरा किया है। विश्वास सारंग को 123 हजार 488 मत और कांग्रेस के मनोज शुक्ला को 99 हजार 289 मत मिले है। इससे पहले तीनों बार यहां से भाजपा के विश्वास सारंग चुनकर विधान सभा पहुंचे और उन्हें कैबिनेट मंत्री बनने का अवसर भी प्राप्त हुआ। श्री सारंग 2008 में पहली बार में महापौर रहे सुनील सूद को तीन हजार से अधिक मतों से हराकर विधायक बने थे। हार के अंतर के चलते 2013 को भी कांग्रेस ने सुनील सूद को अपना उम्मीदवार बनाया। इस बार परिपक्व हो चुके सारंग ने सूद को 26 हजार से अधिक मतों से करारी मात देकर उनके राजनैतिक करियर पर ही विराम लगा दिया था। 2018 में कांग्रेस ने अपना उम्मीदवार बदला और महेन्द्र सिंह चौहान को मैदान में उतारा, लेकिन इससे विश्वास के विजयी क्रम को कोई फर्क नहीं पड़ा और विश्वास ने अपनी हैट्रिक पूरी की कि।

मध्य से कांग्रेस के आरिफ मसूद दूसरी बार जीते

मध्य विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस के आरिफ मसूद ने अपने निकटतम प्रतिदंद्वी भाजपा के ध्रुवनारायण सिंह को 15 हजार 891 मतों से हराया। आरिफ मसूद को को 82 हजार 371 व ध्रुवनारायण सिंह को 66 हजार 480 मत प्राप्त हुए। वह दूसरी बार विधायक बने। भोपाल के शहर पुराने और नए शहर को जोड़ने वाली मध्य विधानसभा क्षेत्र से 2008 में परिसिमन के कारण अस्तिव में आई है। 2008 में भाजपा के ध्रुवनारायण सिंह ने नासिर इस्लाम को दो हजार से अधिक मतो से पराजित किया था, 2013 में भाजपा और कांग्रेस दोनों ने अपने उम्मीदवार बदले। भाजपा ने सुरेंद्रनाथ सिंह को कांग्रेस ने आरिफ मसूद को मैदान में उतारा। सुरेंद्रनाथ सिंह ने 6 हजार से अधिक मतों से जीत दर्ज की। 2018 में भी यह दोनों प्रतिद्वंद्वी मैदान में थे, इस बार आरिफ मसूद ने बाजी मारी 14 हजार मतों से जीत दर्ज कर अपना सिक्का जमाया।

दक्षिण-पश्चिम में भाजपा के भगवान दास जीते

दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के भगवान दास सबनानी ने कांग्रेस के पीसी शर्मा को 15 हजार 833 मतों के अंतर से हरा दिया। सबनानी को 76 हजार 689 मत मिले है, वहीं शर्मा को 60 हजार 856 मत मिले। गौरतलब है कि दक्षिण-पश्चिम शहर की हाइप्रोफाइल सीट है। यहां चार इमली, अरेरा कालोनी, 10 नंबर, 11 नंबर, चूनाभट्टी और शाहपुरा समेत अन्य वीआइपी क्षेत्र शामिल है। जहां बड़ी संख्या में आइएएस और आइपीएस के साथ नेता-मंत्री निवास करते हैं। इसके साथ ही यहां के अधिकतर मतदाता सरकारी कर्मचारी हैं, जबकि कुछ हिस्से में झुग्गी बस्तियां हैं। 1990 के बाद से अब तक आठ विधानसभा चुनावों में यहां 1998 और 2018 में केवल दो बार ही कांग्रेस का विजय मिली है। इसमें भी दोनों बार कांग्रेस प्रत्याशी पीसी शर्मा ने जीत दर्ज की थी। हालांकि इस बार भी श्री शर्मा को फिर उम्मीद थी कि उन्हें जन अपना समर्थन देगी। लेकिन इस बार जनता के मन में बदलाव था, जो मतदान में खुलकर सामने आया।

भाजपा के किले बैरसिया से विष्णु खत्री तीसरी बार जीते

भाजपा के अभेद किले के रूप में माना जाने वाला जिले के बैरसिया विधानसभा क्षेत्र को आखिर कांग्रेस नहीं भेद पाई और मतदाताओं ने एक बार फिर भाजपा को पांच साल के लिए बैरसिया की सत्ता सौंप दी है। यहां से भाजपा के विष्णु खत्री तीसरी बार विधायक होंगे। श्री खत्री ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस की जयश्री हरिकरण 25 हजार 515 मतों से हराया। खत्री को एक लाख सात हजार 267 मत मिले तो वहीं जयश्री को 81 हजार 772 मत मिले हैं। पिछले विधानसभा चुनाव 2018 में विष्णु खत्री को 77 हजार 814 और जयश्री हरिकरण को 64 हजार 35 मत मिले थे । ऐसे में विष्णु खत्री 13 हजार 779 मत से विजय हुए थे। खत्री ने इस बार जयश्री को 25 हजार 515 मतों से हराया। इस बार खत्री को 2018 की अपेक्षा 11 हजार 736 मत अधिक मिले हैं ।

उत्तर क्षेत्र से आतिफ अकील पहली बार जीते

भोपाल उत्तर विधान सभा क्षेत्र में पिछले तीन दशक से कांग्रेस का गढ़ माना जाता है। लेकिन इस बार क्षेत्र से कांग्रेस के आतिफ अकील पहली बार जीते। आतिफ ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा के आलोक शर्मा को 27 हजार 86 मतों से हराया। आतिफ को 96 हजार 125 तो आलोक शर्मा को 69 हजार 138 मत मिले। मुस्लिम मतदाता बहुल इस क्षेत्र में छह बार के विधायक आरिफ अकील ने इस बार स्वस्थ्य कारणों से चुनाव लड़ने से मना कर दिया है। लिहाजा कांग्रेस ने उनकी जगह बेटे आतिफ अकील को मैदान में उतारा। पार्टी के इस फैसले से आरिफ के भाई आमिर अकील और नासिर इस्लाम ने पार्टी का साथ छोड़कर निर्दलीय चुनाव में उतर गए थे। इसके साथ ही पूर्व पार्षद साउद ने भी आप का हाथ थाम लिया था। वहीं भाजपा ने पूर्व महापौर आलोक शर्मा को अपना उम्मीदवार बनाया है। भाजपा को उम्मीद थीं कि तीस साल बाद वह इस क्षेत्र में परचम पहरा सकती है। लेकिन उसके मंसूबे पूरे नहीं हो सके। इस क्षेत्र में भाजपा के रमेश शर्मा ने 1993 में जीत थी। इसके बाद से आरिफ अकील लगातार जीतते आ रहे है, इस दौरान उन्होंने कई दिग्गजों को धूल चटाई है।

गोविंदपुरा से 10वीं बार भी गौर ही

गोविंदपुरा विधान सभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी कृष्णा गौर ने 1 लाख 6 हजार 335 मतों से सबसे बड़ी जीत दर्ज की। उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार रविंद्र साहू को हराया। इसके साथ ही कृष्णा गोविंदपुरा क्षेत्र से दूसरी बार विधायक चुनी गई हैं। इसेस पहले उनके ससुर बाबूलाल गौर इसी क्षेत्र में आठ बार विधायक रह चुके हैं। जीत के बाद कृष्णा गौर ने अपनी जीत को लाड़ली बहनों का संकल्प बताया। कहा- प्रचंड बहुमत की सरकार बनी है। लाड़ली बहनों ने यह संकल्प ले लिया था कि मप्र में भाजपा की सरकार बनाना है।

हुजूर में 98 हजार से जीते रामेश्वर

हुजूर विधान सभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी रामेश्वर शर्मा 97 हजार 910 वोट से जीत दर्ज की है। उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार नरेश ज्ञानचंदानी को हराया। रामेश्वर को 1 लाख 76 हजार 495 तो नरेश को 79 हजार 90 मत मिले। इस तरह रामेश्वर फिर विधायक चुने गए। रामेश्वर पिछली बार 15 हजार 625 वोटों से जीते थे। उस चुनाव में रामेश्वर ने कांग्रेस के नरेश ज्ञानचंदानी को ही पराजित किया था। इस जीत पर रामेश्वर बोले हमें इसी प्रचंड बहुमत की उम्मीद थी। इस क्षेत्र में पहली बार भाजपा के मन्नू डागा ने जीत हासिल की थी लेकिन वीडीए के अफसर श्री रूसिया की हत्या में नाम आने के बाद पार्टी ने अगले चुनाव में उन्हें उम्मीदवार नहीं बनाया था। और रामेश्वर शर्मा को चुनाव में उतारा।

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा श्री सिद्धि विनायक प्रिंटर्स, प्लाट नं. 26 बी देशबन्धु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल म.प्र. 462011 से मुद्रित एवं प्रकाशित, संपादक: **पलाश सुरजन,** कार्यकारी संपादक: **ज़ाकिर अली*** फोन 0755-4222971, ई-मेल deshbandhubpl1@yahoo.co.in प्रेस पंजीयन-प.स. 45096/85 * समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।